शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 224 | गुवाहाटी | गुरुवार, 9 मार्च, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सा रा रा रा रा...राज्यभर में बड़े ही धूमधाम से मनी होली पेज 3
राहुल गांधी ने विदेश की धरती से किया देश की जनता का अपमान : रविशंकर प्रसाद पेज 4
भू-माफियाओं पर करें कठोर कार्रवाई : योगी आदित्यनाथ पेज 5
राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए शहीदों की वीरांगनाओं का इस्तेमाल... पेज 8

होली के रंग-गुलाल में डूबा-थिरका-झूमा समूचा देश

सुबह से ही मंत्रियों के घर में भी दिग्गजों ने मनाई होली

नई दिल्ली। देशभर में आज होली का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। रंगों के इस पर्व पर हर कोई उत्साह और उमंग से भरा दिखा। होलिका दहन के साथ ही जगह-जगह अबीर-गुलाल उड़ने लगे। सुबह से ही नेताओं द्वारा देशवासियों को बधाईयां दी गईं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को होली के अवसर पर अमेरिकी -शेष पृष्ठ दो पर

होली खेले रघुवीरा... डीजे की धुन पर होलिया गए युवा

नई दिल्ली। देशभर में 8 मार्च यानी बुधवार को होली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। होली भाई-चारे, सांप्रदायिक सौहार्द का त्योहार है। लोग जाति-धर्म, ऊंच-नींच के भेदभाव को भुलाकर एक-दूसरे को गुलाल अबीर लगाकर, गले मिलकर इस त्योहार को मनाते हैं। पूर्व से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक भारत में होली का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। जम्मू-कश्मीर से कन्याकुमारी, कच्छ से लेकर पूर्वोत्तर के राज्यों तक होली की धूम देखने को मिली। पंजाब, हरियाणा समेत उत्तर भारत के राज्यों में होली पर हुरियारों ने ढोल, ताशों, डीजे की धुन पर जमकर नाच-गाना किया और गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे को गले लगाते नजर आए। होली के दीवानों पर रंगों का खुमार ऐसा चढ़ा कि *आज बिरज में होली है रे रसिया, रंग बरसे भीगे चुनरवा ली रंग बरसे, होली में उड़े रे गुलाल, होली खेले रघुवीरा* जैसे गानों पर जमकर धूम मचाई। राजधानी दिल्ली में भी विदेशी राजनायिकों पर होली का खुमार जमकर चढ़ा।

अपने-अपने दूतावास में विदेशी राजनायिकों ने एक-दूसरे को रंग लगाकर होली को सेलिब्रेट किया। इतना ही नहीं कल भारत पहुंची अमेरिकी वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो को होली के रंगों से सराबोर और समारोह का आनंद उठाते हुए देखा गया। उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर होली खेली और राजनाथ सिंह के हाथों को थामकर जमकर डांस किया। कान्हा नगरी मथुरा और बाबा विश्वनाथ की काशी समेत समूचे उत्तर प्रदेश में बुधवार को रंगों का त्योहार होली हर्षोल्लास के -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

पाक एजेंटों को सिम कार्ड की सप्लाई, असम से पांच गिरफ्तार

कई दस्तावेज किए जब्त

गुवाहाटी। असम पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। असम पुलिस ने नगांव और मोरीगांव जिलों से कथित तौर पर पाकिस्तानी एजेंटों को सिम कार्ड की सप्लाई करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को इस बात की जानकारी दी है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के पास से विदेशी दूतावास के साथ रक्षा सूचनाओं को साझा करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले हैंडसेट सहित कई मोबाइल फोन, सिम कार्ड और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी जब्त की गई है। असम पुलिस के प्रवक्ता प्रशांत भुईयां ने कहा कि इंटेलिजेंस ब्यूरो और अन्य स्त्रोतों से मिले इनपुट के आधार पर मंगलवार रात चलाए गए एक ऑपरेशन के दौरान गिरफ्तारियां की गईं हैं। असम पुलिस के प्रवक्ता प्रशांत भुईयां ने कहा जानकारी मिली थी कि इन दो जिलों के लगभग 10 लोग धोखाधड़ी से विभिन्न सेवा प्रदाताओं से सिम कार्ड प्राप्त करने और उन्हें कुछ पाकिस्तानी एजेंटों को सप्लाई करने में शामिल थे। ये आरोपी राष्ट्र की अखंडता और संप्रभुता के खिलाफ काम कर रहे थे। जिसके बाद पांच आरोपियों को मंगलवार रात गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान नगांव के आशिकुल इस्लाम, बोडोर उद्दीन, मिजानुर रहमान और वहीदुज जमान और मोरीगांव के बहारुल इस्लाम के -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम, सीएम ने मंत्रिपरिषद के साथ की बैठक

राज्य के लिए है ये ऐतिहासिक पल : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनकी मंत्रिपरिषद के साथ एक गेस्ट हाउस में बंद कमरे में बैठक की। इसकी जानकारी अधिकारियों ने दी है। हालांकि, बैठक में क्या हुआ, इस बारे में कोई मीडिया ब्रीफिंग नहीं हुई। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बैठक के बाद ट्वीट किया कि मेरे कैबिनेट सहयोगियों के लिए एक दुर्लभ सौभाग्य है कि आज गुवाहाटी में माननीय पीएम श्री नरेंद्र मोदी जी का आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिला है। असम के लिए ये एक ऐतिहासिक पल है और अपार गौरव का क्षण है। स्वास्थ्य मंत्री केशब महंत ने सोमवार को कहा था कि सभी विभागों के कामकाज पर चर्चा होने की उम्मीद है, लेकिन उन्होंने कोई खास डिटेल नहीं दी। प्रधानमंत्री मेघालय, नगालैंड और त्रिपुरा में नई सरकारों के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए पूर्वोत्तर के दो दिवसीय दौरे पर हैं। पीएम मोदी सुबह यहां

पहुंचे थे और कोनराड सांग्मा के नेतृत्व वाली सरकार का शपथ ग्रहण देखने के लिए हेलीकॉप्टर से शिलांग के लिए रवाना हुए थे। शर्मा ने ट्वीट किया कि माननीय राज्यपाल श्री गुलाब कटारिया जी के साथ गुवाहाटी हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। माननीय पीएम की -शेष पृष्ठ दो पर

Door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

मणिपुर : 55 करोड़ की ब्राउन शुगर जब्त दो गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में असम राइफल्स ने बड़ी कार्रवाई की है। यहां सेना के जवानों ने 55.86 करोड़ रुपए की ब्राउन शुगर पकड़ी है साथ ही म्यांमार के दो नागरिकों को हिरासत में ले लिया है, उन पर यह मादक पदार्थ ले जाने का आरोप है। पड़ोसी देश के तमू शहर के रहने वाले दो कथित म्यांमार तस्करों को असम राइफल्स के जवानों ने मंगलवार को भारत-म्यांमार सीमा के पास पकड़ा। जवान जब एच मुन्नोम गांव में नियमित जांच क रहे तो उनकी गतिविधि को देखते हुए उन तस्करों को दबोच लिया। असम राइफल्स ने अपने बयान में कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

असम के साथ सीमा विवाद पर जनता को लेंगे विश्वास में : मुख्यमंत्री खांडू

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के मुख्य मंत्री पेमा खांडू ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि उनकी सरकार असम के साथ दशकों पुराने सीमा विवाद पर किसी निर्णय पर पहुंचने से पहले राज्य की जनता को विश्वास में लेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्य निनोंग एरिंग की पहल पर प्रश्नकाल के दौरान चर्चा पर सदन में जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन क्षेत्रों को

लेकर असम के साथ विवाद है उनके अध्ययन के लिए राज्य सरकार की ओर से गठित 12 क्षेत्रीय समितियों ने संबंधित प्राधिकारियों को अपनी-अपनी रिपोर्ट सौंप दी हैं। उन्होंने कहा कि वह इस मामले को असम के मुख्यमंत्री के समक्ष जल्द ही किसी समय उठाएंगे। खांडू ने कहा कि किसी निर्णय पर पहुंचने -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

यही दुनिया है! यदि तुम किसी का उपकार करो तो लोग उसे कोई महत्व नहीं देंगे, किंतु ज्यों ही तुम उस कार्य को बंद कर दो, वे तुरंत (ईश्वर न करें) तुम्हें बदमाश प्रमाणित करने में नहीं हिचकिचाएंगे।

स्वामी विवेकानंद

न्यूज गैलरी

ऑस्ट्रेलिया के पीएम साबरमती आश्रम में

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज भारत की यात्रा पर हैं। वे बुधवार को ऑस्ट्रेलिया से अहमदाबाद पहुंचे। यहां गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने हवाईअड्डे पर उनका स्वागत किया। इसके बाद अल्बानीज ने यहां साबरमती आश्रम का दौरा भी किया। अधिकारियों द्वारा साझा किए गए कार्यक्रम के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई नेता शाम को राजभवन में एक होली -शेष पृष्ठ दो पर

रंग लगाने पर किया आग के हवाले

नई दिल्ली। तेलंगाना में मेडक जिले में एक व्यक्ति पर रंग लगाने पर दूसरे व्यक्ति को आग के हवाले कर दिया। यह जानकारी पुलिस ने बुधवार को दी। पीड़ित का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, यह घटना मंगलवार को होली के त्योहार के दौरान रेगोडे मंडल के मारपल्ली गांव में हुई। आरोपी ने पीड़ित को रंग न लगाने के लिए कहा था, लेकिन उसने आरोपी पर रंग लगा दिया। इसी बात पर आरोपी गुस्सा हो गया और उसने पीड़ित पर पेट्रोल डाला और कथित तौर -शेष पृष्ठ दो पर

रियो ने ली पीएम की मौजूदगी में सीएम की शपथ

कोहिमा। नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) के नेता नेफ्यू रियो ने नगालैंड के मुख्यमंत्री के रूप में अपने पांचवें कार्यकाल के लिए मंगलवार को शपथ ली। राज्यपाल ला गणेशन ने 72 वर्षीय रियो को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। एनडीपीपी के टी आर जेलियांग और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वाई पैटन को राज्य के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई। रियो के मंत्रिमंडल के अन्य सदस्यों ने भी शपथ ली। मंत्रिपरिषद् के सदस्य के रूप में शपथ लेने वालों में अपने मजाकिया अंदाज के लिए सोशल मीडिया पर लोकप्रिय एवं भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख तेमजेन इम्ना अलॉन्ग -शेष पृष्ठ दो पर

मानिक साहा पुनः बने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री

अगरतला (हि.स.)। डॉ. मानिक साहा ने बुधवार को त्रिपुरा के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद थे। ये दूसरा मौका है, जब मानिक साहा ने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह -शेष पृष्ठ दो पर

टिपरा मोथा के समर्थन का संकेत

नई दिल्ली। त्रिपुरा में टिपरा मोथा के सरकार को समर्थन देने की अटकलों के बीच गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को टिपरा मोथा सुप्रीमो प्रद्योत किशोर देबबर्मा से मुलाकात की है। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात अगरतला में राजकीय गेस्ट हाउस में हुई। जानकारी के मुताबिक, पार्टी सुप्रीमो प्रद्योत के नेतृत्व में टिपरा मोथा का छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल -शेष पृष्ठ दो पर

नगा समस्या, केंद्र और वार्ताकारों को एकमत होना होगा : पैटन

कोहिमा। नगालैंड में हाल ही में हुए चुनावों में एनडीपीपी-भाजपा गठबंधन ने अपनी सरकार बरकरार रखी है। राज्य के 60 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में 37 सीटें जीतकर सत्ता अपने पास रखी है। वहीं नगाओं की समस्याओं को लेकर भी केंद्र लगातार बातचीत कर रहा है। इस बीच नगालैंड के

नवनियुक्त उप मुख्यमंत्री यानथुंगो पैटन ने बुधवार को कहा कि शांति वार्ता के सफल समापन के लिए केंद्र और नगा वार्ताकारों दोनों को मत होना होगा। पैटन ने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दावा किया कि केंद्र शांति वार्ता को लेकर बहुत गंभीर है और -शेष पृष्ठ दो पर

चेन्नई पश्चिम में भाजपा आईटी विंग के तेरह पदाधिकारियों ने पार्टी छोड़ी

चेन्नई (तमिलनाडु)। तमिलनाडु में भाजपा को करारा झटका लगा है। चेन्नई पश्चिम में भाजपा आईटी विंग के 13 पदाधिकारियों ने पार्टी छोड़ दी है। भाजपा आईटी विंग के जिलाध्यक्ष अनबरासन ने कहा कि मैंने सालों तक बीजेपी के लिए काम किया। लोग जानते हैं कि मैंने कभी किसी पद की उम्मीद नहीं की। पिछले कुछ दिनों से पार्टी में असामान्य स्थिति को देखते हुए मैंने इस्तीफा देने का फैसला किया है। बयान पर 10 आईटी विंग के जिला सचिवों और दो आईटी विंग के जिला उपसचिवों के हस्ताक्षर हैं। इस बीच तमिलनाडु की राजनीति में भाजपा और एआईएडीएमके के बीच जुबानी जंग जारी है। भाजपा के कुछ पदाधिकारियों के एआईएडीएमके में शामिल होने के बीच तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष के अन्नामलाई ने कहा कि यह इस बात को दर्शाता है कि तमिलनाडु में

भाजपा आगे बढ़ रही है। वहीं, एआईएडीएमके ने पलटवार करते हुए कहा कि 2021 में भाजपा विधायक की जीत एआईएडीएमके की वजह से हुई, क्योंकि इससे पहले उन्हें नोटा से भी कम वोट मिले थे। तमिलनाडु भाजपा के आईटी विंग के प्रमुख निर्मल कुमार के एआईएडीएमके में शामिल होने और अन्नामलाई के खिलाफ गंभीर आरोप लगाने के बाद यह मामला सामने आया है। मंगलवार को भाजपा बौद्धिक विंग के पूर्व राज्य सचिव कृष्णन, आईटी विंग के राज्य सचिव दिलीप कन्नन, त्रिची ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष विजय और राज्य ओबीसी विंग के सचिव अम्मू ने पूर्व मुख्यमंत्री और एआईएडीएमके प्रमुख एडप्पादी के पलानीस्वामी (ईपीएस) से मुलाकात कर एआईएडीएमके में शामिल हो गए। निर्मल कुमार की तरह आईटी विंग के पूर्व राज्य सचिव कृष्णन ने भी अन्नामलाई पर गंभीर आरोप लगाते हुए भाजपा से इस्तीफा दे दिया। इसे लेकर सोशल मीडिया पर एआईएडीएमके और भाजपा समर्थकों के बीच बहस छिड़ गई है। भाजपा के पदाधिकारी सवाल उठा रहे हैं कि कैसे पलानीस्वामी गठबंधन के सहयोगी रहते हुए उनका स्वागत हंसते हुए कर सकते हैं। एक ट्विटर पोस्ट में, भाजपा खेल और कौशल विकास के राज्य अध्यक्ष अमर प्रसाद रेड्डी ने उल्लेख किया कि एआईएडीएमके -शेष पृष्ठ दो पर

कोच्चि वेस्ट प्लांट से उठ रहे जहरीला धुआं

कोच्चि। कोच्चि में कचरे की आग को लेकर अब विपक्ष भी सरकार पर हमलावर हो गया है। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने बुधवार को राज्य सरकार से कोच्चि में ब्रह्मपुरम अपशिष्ट संयंत्र के आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य आपातकाल घोषित करने का आग्रह किया। उन्होंने दावा किया कि कचरे के टीले की आग से जहरीले धुएं ने लोगों के लिए गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा की हैं, उसके आसपास के लिए लोगों के लिए रहना मुश्किल हो गया है। मीडिया पर बात करते हुए सतीशन ने कहा कि क्षेत्र में तत्काल स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया जाना चाहिए और वहां वायु प्रदूषण के स्तर का परीक्षण करने -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

गुवाहाटी में 89 पुल होंगे ध्वस्त, जल-जमाव से मिलेगी राहत, विपक्ष ने उठाए सवाल

गुवाहाटी (विभास)। महानगर में जल जमाव की समस्या को कम करने के लिए सरकार लगभग 8 किलोमीटर की दूरी पर एक नदी पर बने 89 पुलों को ध्वस्त कराएगी। वहीं ध्वस्तीकरण को लेकर सरकार ने आदेश भी जारी किया है। वहीं राज्य में विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने सोमवार को इस फैसले को एक अमानवीय कदम करार दिया और कहा कि इस तरह के विध्वंस वैज्ञानिक अध्ययनों पर आधारित होने चाहिए शहरी बाढ़ को कम करने के कार्य की आकस्मिक प्रकृति का हवाला देते हुए, सार्वजनिक और निजी दोनों पुलों को ध्वस्त करने का आदेश पूर्व-पक्षीय पारित किया गया था। यह कामरूप महानगर उपायुक्त एवं जिला प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष पल्लव गोपाल झा द्वारा जारी किया गया, आदेश में कहा गया है कि विध्वंस के निष्पादन के दौरान सार्वजनिक हस्तक्षेप या बाधा को सार्वजनिक सेवा में बाधा माना जाएगा और प्रचलित अधिनियमों के अनुसार कानूनी कार्रवाई शुरू की जा सकती है हालांकि निर्देश गुरुवार को जारी किया गया था, लेकिन इसे अधिकारियों द्वारा मीडिया के साथ साझा नहीं किया गया था। यह आदेश सोमवार को कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष देवव्रत सैकिया द्वारा मीडिया को उपलब्ध कराया गया, जिन्होंने एक बयान में इसे आम लोगों के खिलाफ सरकार द्वारा एक अमानवीय कदम करार दिया। पल्लव गोपाल झा ने अपने आदेश में कहा कि बाहिनी नदी पर बने 89 पुलों की सूची गुवाहाटी नगर निगम के आयुक्त ने सौंपी है। ये जल के प्राकृतिक प्रवाह को अवरुद्ध कर रहे हैं जिससे विभिन्न स्थानों पर जल जमाव की समस्या उत्पन्न हो रही है। उन्होंने जीएमसी को बरसात के मौसम में बरसाती पानी के सुचारू प्रवाह के लिए इन ढांचों को तत्काल ध्वस्त करने का निर्देश दिया है ताकि लोगों को गंभीर जलभराव से आवश्यक राहत प्रदान की जा सके।आदेश में कहा गया है कि अगर इन ढांचों को तुरंत नहीं गिराया गया तो बाहिनी नदी के किनारे गाद निकालने का काम प्रभावी नहीं होगा, जिससे उस क्षेत्र के निवासियों और आम जनता को भारी कठिनाई होगी। वहीं कांग्रेस नेता सैकिया ने कहा कि आदेश नदी पर उचित हाइड्रो/बाढ़ स्तर की रिपोर्ट पर आधारित होना चाहिए था। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि गुवाहाटी में बाहिनी और भरालू नदियों पर 80 से अधिक पुलों को 2008 में ध्वस्त कर दिया गया था और मौजूदा पुलों को आवश्यक अनुमति और संबंधित विभागों से अनुमोदन के बाद बनाया गया था।वहीं असम सरकार ने हाल ही में शहर में सिलसाको बील (झील) के किनारे कथित अतिक्रमणकारियों से लगभग 400 बीघा (132 एकड़ से अधिक) भूमि को खाली करने के लिए, एक बेदखली अभियान चलाया। एक अधिकारी ने कहा कि जीएमडीए ने पहले कदम के रूप में झील के दोनों किनारों पर 100 मीटर, लगभग 400 बीघा को साफु करने का लक्ष्य रखा है।

नौसेना का हेलीकॉप्टर दुर्घटना का शिकार

मुंबई। भारतीय नौसेना के हेलीकॉप्टर ने मुंबई तट से दूर अरब सागर में पानी पर इमरजेंसी लैंडिंग की है। राहत की बात है कि क्रू के सदस्यों को बचा लिया गया है। भारतीय नौसेना के मुताबिक, भारतीय नौसेना एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) ने मुंबई से नियमित उड़ान भरी थी। इस दौरान यह तट के पास एक दुर्घटना का शिकार हो गया। इस वजह से इसे पानी पर आपात स्थिति में लैंड करना पड़ा। तत्काल खोज और बचाव अभियान की वजह से नौसेना के गश्ती जहाज ने चालक दल के तीन सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया। घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। भारतीय नौसेना के मुताबिक, मुंबई से एक नियमित उड़ान मिशन पर एक भारतीय नौसेना एएलएच को अचानक बिजली की कमी और तेजी से ऊंचाई कम होने का अनुभव हुआ। पायलट ने पानी के ऊपर आपात लैंडिंग कराई। सभी तीन एयरक्रू हेलीकॉप्टर से सुरक्षित बाहर निकल गए। तेज बचाव अभियान चलाकर सभी को वापस लाया गया।

कांग्रेस ने महाराष्ट्र के विधायक के खिलाफ शिकायत दर्ज की

गुवाहाटी। महाराष्ट्र से आवारा कुत्तों को असम में स्थानांतरित करने के बारे में उनकी टिप्पणी के लिए क्योंकि यहां के लोग कुत्ते के मांस का आनंद लेते हैं, असम कांग्रेस ने महाराष्ट्र के विधायक बच्चू कडू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। गुवाहाटी के दिसपुर थाने में मंगलवार को असम प्रदेश महिला कांग्रेस की महासचिव बनश्री गोगोई ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत में कहा गया है कि बच्चू कडू ने कहा कि असम के लोग कुत्ते के मांस का सेवन करते हैं और जब वह गुवाहाटी में रहते थे और महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष और अन्य राजनीतिक सदस्यों के सामने गवाही देते थे तो वह इस सच्चाई से अच्छी तरह वाकिफ थे। इससे भी अधिक आश्चर्यजनक बात यह है कि असम पुलिस ने इस मामले में बिल्कुल कुछ नहीं कहा है, फिर भी वही पुलिस जिग्नेश मेवाणी को गिरफ्तार करने के लिए या तो गुजरात गई है या पवन खेड़ा को निर्वासित कर दिया है और सर्वोच्च न्यायालय की मांग की है। उन्होंने कहा कि उसे मुक्त करने के लिए अदालत का हस्तक्षेप। किसी भी तरह से कडू की टिप्पणियों का जवाब दिया। हमने एक प्राथमिकी दर्ज की है,और अगर पुलिस कार्रवाई नहीं करती है, तो हम कार्रवाई का अनुरोध करने के लिए अदालत में जाएंगे। महाराष्ट्र से असम तक कुत्ते राज्य की कुत्तों की आबादी के लिए एक व्यवहार्य समाधान होगा क्योंकि असमिया लोग कुत्ते के मांस का बहुत अधिक सेवन करते हैं। महाराष्ट्र विधानमंडल में विधायक प्रताप सरनाईक और अतुल भातखलकर द्वारा शुरू किए गए स्ट्रीट डॉग्स द्वारा प्रस्तुत खतरे के बारे में चर्चा।

नाम घर में चोरी

नगांव (हि.स.)। नगांव जिला के कलियाबर के सामागुरी सत्र (मठ) के नामघर में चोरी की घटना को अंजाम दिए जाने का मामला बुधवार की सुबह सामने आया है। पुलिस ने बताया कि दौल उत्सव की रात कलियाबर के ऐतिहासिक सामागुरी सत्र नामघर में चोर प्रवेश कर काफुी सामान चुराकर फुरार हो गए। नामघर प्रबंधक द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर पुलिस चोरी की गुत्थी को सुलझाने में लगी हुई है।

लापता महिला मिली

शिवसागर (हि.स.)। शिवसागर जिला के नामति गहरीशोवा बारी इलाके से लापता विवाहित महिला को नगालैंड से सकुशल बरामद किया गया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि लापता विवाहित महिला को तीन लोग बलपूर्वक अपहरण कर नगालैंड ले गए थे। शिवसागर जिला के आमगुरी नामति गहरीशोवा बारी के निवासी पिंकी लहकर की पत्नी भारती लहकर उर्फु तूलिका 4 मार्च को अचानक लापता हो गई थी। परिजनों द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने जांच करते हुए लापता विवाहित महिला को नगालैंड से बरामद किया है। पुलिस दर्ज प्राथमिकी के आधार पर घटना में शामिल तीनों आरोपितों की तलाश कर रही है।

पंद्रह अगस्त तक हर जिले में होगा महिला सशक्तिकरण हब

नई दिल्ली। महिलाओं को सशक्त और समर्थ बनाने के लिए यूं तो कई योजनाओं लागू हैं, लेकिन कई बार पात्र महिलाएं उन योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाती हैं, क्योंकि उन्हें उसकी जानकारी नहीं होती। इससे निपटने के लिए केंद्र ने हर जिले में एक हब बनाने की तैयारी की है, जहां महिलाओं को सारी जानकारी मिलेगी। इसके लिए 18 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को फंड जारी हो चुके हैं और आठ प्रक्रिया में हैं। केंद्र, राज्य और जिला स्तर पर स्थापित होने वाले ये महिला सशक्तिकरण हब हितधारकों से फीडबैक एकत्र करने के साथ योजनाओं के प्रदर्शन की निगरानी में मदद करेंगे। इन हब की अन्य मंत्रालयों, केंद्र और राज्य की योजनाओं के बीच समन्वयय बनाने की भी जिम्मेदारी होगी। लाभार्थियों के लिए ये हब एकल संपर्क बिंदु होंगे और ये केंद्र और राज्य की सभी योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में भौतिक और डिजिटल जानकारी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। राज्य और जिला स्तर पर महिला सशक्तिकरण हब स्थापित करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ नियमित बैठकें और वीसी हो रही हैं। महिला सशक्तिकरण हब (हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन) योजना तीन स्तरीय है। केंद्र, राज्य और जिला स्तर पर ऐसा वातावरण तैयार होगा कि महिलाएं अपनी पूर्णता का अहसास करें। महिला सशक्तिकरण हब में महिलाओं को उनके सशक्तिकरण के लिए देश भर में जिला, ब्लॉक, ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न संस्थागत और योजनाबद्ध सेटअप के बारे में मार्गदर्शन और मदद दी जाएगी। जिसमें स्वास्थ्य सेवा, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, कैरियर, व्यावसायिक परामर्श, प्रशिक्षण, वित्तीय समावेशन, उद्यमशीलता, बैकवर्ड एंड फॉरवर्ड लिंकेज, श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता शामिल है। सूत्रों का कहना है कि सरकार मानती है कि महिला सशक्तिकरण समय लगने वाली लंबी प्रक्रिया है जिसे प्रभावी करने के लिए लगातार हस्तक्षेप की जरूरत होती है।

श्री गौहाटी गौशाला में मास का होली प्रीति सम्मेलन संपन्न

गुवाहाटी (नसं)। मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के सौजन्य से होली के उपलक्ष में श्री गौहाटी गौशाला प्रांगण में प्रीति सम्मेलन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथी के रुप मे कमिश्नर आफु टैक्सेस एक्साइज एंड मैनेजिंग डायरेक्टर आफु असम टी कॉरपोरेशन राकेश अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर उनके साथ विशिष्ठ अतिथि के रूप में चीफु एग्जीक्यूटिव ऑफुीसर राजस्थान रॉयल्स वूमेन जेक लेस मेकक्रूम एवं चीफु बिजनेसं ऑफुिसर राजस्थान रॉयल्स वूमेन आलोक चित्र, गुवाहाटी गौशाला के ट्रस्टी चेयरमैन कैलाश लोहिया ट्रस्टी इंचार्ज अशोक धनुका के अलावा सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ श्याम सुंदर हरलालका, सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष सुशील गोयल, कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप भुवालका, सचिव शंकर बिड़ला एवं गुवाहाटी शाखा के समस्त कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राकेश अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि असम के दूरदराज के क्षेत्रों में जो मारवाड़ी रहते हैं एवं समाज में जिनका महत्वपूर्ण योगदान है उन्हें भी ऐसे कार्यक्रमों में जोड़ना चाहिए ।जिससे समाज को वृहद रूप देने में मार्ग प्रशस्त रहे। समारोह के दूसरे चरण में संयोजिका सोनाली बिडला,सह संयोजिका संतोष काबरा और खुशबू वर्मा के संयोजन में समाज के बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना के पश्चात धरती धोरा री नृत्य के साथ किया गया। इसके अलावा घूमर नृत्य और राजस्थानी मेले में पतंग उत्सव, कठपुतली नृत्य और कालबेलिया नृत्य का प्रदर्शन भी किया गया। कृष्ण राधा का रास भी सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर गौशाला प्रांगण समाज बंधुओं से खचाखच भरा हुआ था। कार्यक्रम के प्रथम सत्र का संचालन रमेश चांडक ने किया जबकि सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन सोनाली बिड़ला ने किया। सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के मंत्री शंकर बिड़ला ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

पृष्ठ एक का शेष

सुबह से ही ...

वाणिज्य मंत्री जीना रायमुंडो कि उनके दिल्ली स्थित आवास पर मेजबानी की। दोनों नेताओं के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर और कानून मंत्री किरेन रिजिजू सहित अन्य केंद्रीय मंत्री भी होली उत्सव में शामिल हुए। होली समारोह में सभी शीर्ष नेता अमेरिकी अधिकारी के साथ ढोल की थाप पर नाचते और मेल खाते हुए दिखाई दिए। इस दौरान सभी रंगों से सराबोर नजर आए। उधर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने दिल्ली में होली का त्योहार पूरे जोश और उमंग से मनाया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भिलाई-3 मुख्यमंत्री आवास पर होली समारोह में भाग लिया। इस मौके पर ढोल की ताल का वह लुत्फ लेते हुए नजर आए। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भुवनेश्वर में अपने आवास पर परिवार और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ होली मनाई। इस दौरान वह एक-दूसरे को बधाई देते हुए नजर आए। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में अपने आवास पर पारंपरिक लोग गीत फाग गाया और होली का त्योहार मनाया।

होली खेले रघुवीरा...

साथ मनाया गया। इस दौरान किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में नरसिंह भगवान शोभायात्रा में हिस्सा लिया और आरती करने के बाद फूलों की होली खेली वहीं भाजपा विधायक श्रीकांत शर्मा मथुरा में होली के रंग में झूमते नजर आए। काशी में शिवभक्तों ने बाबा विश्वनाथ का दर्शन पूजन के बाद गदौलिया में जमकर धमाल मचाया वहीं लखनऊ में हल्की बारिश ने होली के रंग में भंग डाला मगर इसके बावजूद लोगों के उत्साह में कोई कमी नजर नहीं आई। कानपुर, प्रयागराज, चित्रकूट, देवरिया, मेरठ और गाजियाबाद समेत राज्य के सभी इलाकों में जम कर अबीर गुलाल उडा और लोगों ने एक दूसरे से गले मिल कर और गुझिया से मुंह मीठा करा कर होली की शुभकामनायें दी। इस दौरान सोशल मीडिया पर भी होली का नशा चढा रहा। व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर बधाइयों के आदान प्रदान का सिलसिला लगातार जारी रहा। इस दौरान सुरक्षा के चाकचौबंद इंतजाम किए गए थे। मथुरा में कई स्थानों पर तिल रखने को जगह नहीं थी। जगह जगह अबीर गुलाल उडता नजर आया वहीं मंदिरों में फूलों की होली खेली गई।

पाक एजेंटों को...

रूप में हुई है। गिरफ्तार किए गए लोगों और अन्य पांच फरार आरोपियों के घरों से बरामद सामानों में 18 मोबाइल फोन, 136 सिम कार्ड जब्त किए हैं। इसके अलावा एक फिंगरप्रिंट स्कैनर, एक हाई-टेक सीपीयू और कुछ दस्तावेज जैसे जन्म प्रमाण पत्र, पासबुक और तस्वीरें भी जब्त की गई है। पूछताछ के दौरान यह भी पता चला है कि आशिकुल इस्लाम दो आईएमईआई नंबर वाले एक मोबाइल हैंडसेट का उपयोग कर रहा था, जिससे एक व्हाट्सएप कॉल किया गया था, जो एक विदेशी दूतावास के साथ रक्षा जानकारी साझा कर रहा था। भुईयां ने कहा वह विशिष्ट मोबाइल फोन उसके कब्जे में पाया गया था। अन्य गिरफ्तार लोग भी इस संबंध में तकनीकी रूप से शामिल पाए गए थे। आईबी अधिकारियों के साथ गहन पूछताछ चल रही है।

पीएम, सीएम ने ...

उपस्थिति में सीखने, आशीर्वाद और आनंद से भरे दिन की उम्मीद है। जैसे ही पीएम हवाईअड्डे से बाहर निकले, बड़ी संख्या में लोगों ने उनके काफिले पर फूलों की वर्षा कर उनका स्वागत किया, विभिन्न समुदायों के सदस्यों ने होली के अवसर पर गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया कि गुवाहाटी में होली की पूर्व संध्या पर अदर्नीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए यह खुशी, स्नेह और प्रशंसा का रंग है। उन्होंने राज्य की अपनी यात्रा की तस्वीरें ट्विटर पर साझा कीं और लिखा कि *वह गुवाहाटी में उन्हें मिले प्यार और स्नेह से अभिभूत हैं।* इससे पहले मंगलवार को शर्मा ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली विकास की राजनीति वोट बैंक की राजनीति पर हावी हो गई है। उन्होंने कहा था कि पूर्वोत्तर के लोगों ने कभी केंद्र से इस तरह का प्यार और देखभाल नहीं देखी। हम वास्तव में धन्य महसूस कर रहे हैं।

मणिपुर : 55 करोड़ ...

दोनों तस्कर एक दुपहिया वाहन में संदिग्ध तरीके से घूम रहे थे और उनके पास तीन कार्टन बॉक्स थे जो मोरेह शहर की ओर जा रहे थे। बक्सों की पूरी तरह से जांच करने पर, असम राइफल्स की टीम को 648 साबुन के डिब्बे मिले, जिनमें ब्राउन शुगर का वजन 27.94 किलोग्राम था। इसके बाद दो म्यांमार के नागरिकों और जब्त की गई दवाओं को आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए मोरेह पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है। इस बीच, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने असम राइफल्स की सराहना करते हुए, अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर पोस्ट किया कि कुछ म्यांमार और उनके एजेंटों ने मणिपुर की स्वदेशी आबादी को परेशान करने के लिए एक ड्रग्स युद्ध शुरू किया है। वहीं एक अलग मामले में मणिपुर पुलिस ने मंगलवार को टेंग्नौपाल जिले के एक व्यक्ति से 6.12 किलोग्राम वजन की ब्राउन शुगर और 4.44 किलोग्राम *वर्ल्ड इज योर* टैबलेट जब्त की थी।

असम के साथ...

से पहले, मैं समितियों के साथ दोबारा बैठूंगा ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों की तस्वीर स्पष्ट हो सके। यदि जनता को कोई शिकायत है, तो इसे असम के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। इससे पहले एरिंग ने पूर्वी सियांग जिले में डेइंग एरिंग वन्यजीव अभयारण्य (डीईडब्ल्यूएस) की ओर इंगित किया था जिसका नाम उनके पिता पर रखा गया है। उन्होंने कहा कि डीईडब्ल्यूएस का कार्यालय एक ऐसे क्षेत्र में है जो फिलहाल असम के नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि अभ्यारण्य की कम से कम 5000 हेक्टेयर वह भूमि जो अरुणाचल से संबंधित है, उसे दो राज्यों के बीच सीमा निर्धारण की कवायद के दौरान असम को दे दिया गया था।

रियो ने ली ...

और पहली बार नगालैंड विधानसभा के लिए चुनी गई दो महिलाओं में शुमार सलहौतुओनुओ क्रूस भी शामिल हैं। क्रूस और हेकानी जाखलू चुनाव जीतकर पहली बार नगालैंड विधानसभा पहुंची हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा और असम के मुख्यमंत्री एवं पूर्वोत्तर लोकतांत्रिक गठबंधन (एनईडीए) के संयोजक हिमंत विश्व शर्मा भी इस मौके पर मौजूद थे। रियो के मंत्रिमंडल में एनडीपीपी से सात और भाजपा से पांच मंत्री हैं। मंत्रिपरिषद में शामिल किए गए नए चेहरों में सिर्फ क्रूस और पी बाशंगमोनबा ही हैं। क्रूस ने कहा कि वह राज्य की पहली महिला कैबिनेट मंत्री बनने से खुश हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें जो भी विभाग दिया जाएगा, लोगों के लिए उसमें वह गंभीरता से काम करेंगी। रियो ने संवाददाताओं से बातचीत में उन्हें पांचवां कार्यकाल देने के लिए राज्य की जनता का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि मंत्रियों के विभागों का बंटवारा मंगलवार शाम होने वाली मंत्रिमंडल की प्रथम बैठक के बाद किया जाएगा। रियो अपने राज्य में सर्वदलीय सरकार का नेतृत्व करेंगे, जहां कोई विपक्षी दल नहीं होगा। एनडीपीपी-भाजपा गठबंधन ने हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में राज्य विधानसभा की 60 सीट में से 37 सीट पर जीत हासिल की। रियो पहली बार 2003 में राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। इसके बाद वह 2008 और 2013 में मुख्यमंत्री बने, लेकिन 2014 में इस्तीफा दे दिया और लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए। इसके बाद, 2018 में फिर से मुख्यमंत्री बने। वहीं, पांचवां कार्यकाल मिलने के साथ रियो नगालैंड में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री पद पर रहने वाले नेता हो गए हैं।

मानिक साहा पुनः ...

अगरतला के स्वामी विवेकानंद मैदान में आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में त्रिपुरा के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य ने डॉ. मानिक साहा को मुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। डॉ. मानिक साहा के साथ ही जिन अन्य मंत्रियों में शपथ ग्रहण की, उनमें रतनलाल नाथ, प्रांजीत सिन्हा राय, सान्तना चकमा, सुशांत चौधरी ने हिंदी भाषा में शपथ ली। शपथ लेने वाले अन्य सहयोगियों में टिंकू राय, विकास देव बर्मा, सुधांशु दास, शुक्ला चरण नवातिया रहे। डॉ. मानिक साहा के मंत्रिमंडल में एक महिला विधायक को भी शामिल किया गया है। शपथ ग्रहण समारोह में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। समारोह में असम के मुख्यमंत्री एवं नेडा के संयोजक डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, केंद्रीय मंत्री प्रतिमा भौमिक, पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लव देव और पूर्वोत्तर के भाजपा प्रभारी सुधांशु त्रिवेदी आदि नेता मंच पर मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय पूर्वोत्तर के दौरे पर मंगलवार को गुवाहाटी पहुंचे थे। जहां से वे मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. सांग्मा के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के बाद नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो के शपथ ग्रहण में हिस्सा लेने के लिए कोहिमा पहुंचे थे। कोहिमा से वे पुनः गुवाहाटी लौटे और रात गुवाहाटी में बिताई। आज सुबह गुवाहाटी से अगरतला पहुंचे थे। शपथ ग्रहण समारोह के बाद प्रधानमंत्री नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए। **त्रिपुरा में नई कैबिनेट के मंत्री :** रतन लाल नाथ, प्राणजीत सिंघा रॉय, सांतना चकमा, सुशांत चौधरी, बिकास देबबर्मा, सुधांग्शु दास, सुक्ला चरण नोआतिया।

टिपरा मोथा के ...

भी मौजूद था। जानकारी के मुताबिक, अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा और त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, त्रिपुरा भाजपा प्रभारी संबित पात्रा, महेश शर्मा, महेंद्र सिंह, टिपरा मोथा प्रमुख प्रद्योत देब बर्मा के साथ बैठक कर रहे हैं। त्रिपुरा के राज परिवार से आने वाले देबबर्मा लंबे समय से अपनी एक अलग राज्य की मांग के लिए *संवैधानिक समाधान* की मांग कर रहे थे। जबकि भाजपा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह त्रिपुरा के विभाजन को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। भाजपा ने पूर्ण बहुमत हासिल कर राज्य की सत्ता में वापसी की है। भारत के चुनाव आयोग के अनुसार, त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने लगभग 39 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 32 सीटें जीतीं। पहली बार त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में उतरी टिपरा मोथा ने दमदार एंट्री की है। टिपरा मोथा पार्टी 13 सीटें जीतकर दूसरे नंबर पर रही। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) को 11 सीटें मिलीं जबकि कांग्रेस को तीन सीटें मिलीं। इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) ने एक सीट जीतकर अपना खाता खोलने में कामयाबी हासिल की।

नगा समस्या, केंद्र ...

नेफ्यू रियो के नेतृत्व में राज्य सरकार भी एक सूत्रधार के रूप में प्रमुख भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि दो वार्ता दलों केंद्र सरकार और नगा राजनीतिक वार्ताकारों को शांति वार्ता के सफल समापन के लिए एक समझ में आना होगा। राज्य में एनडीपीपी-भाजपा सरकार, सूत्रधार के रूप में, मामले को आगे बढ़ाना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द से जल्द स्थायी समाधान खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी। दूसरे कार्यकाल के लिए डिप्टी सीएम के रूप में नगा लोगों की सेवा करने के लिए रियो को धन्यवाद देते हुए, पैटन ने आशावाद व्यक्त किया कि एनडीपीपी-भाजपा गठबंधन एक स्थिर सरकार देगा। उन्होंने एनडीपीपी-भाजपा गठबंधन को एक बार फिर से जनादेश देने के लिए नगालैंड के मतदाताओं को धन्यवाद दिया। जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या एनडीपीपी-भाजपा गठबंधन अन्य सभी राजनीतिक दलों के समर्थन को स्वीकार करेगा और इसे एक और सर्वदलीय सरकार बनाएगा तो उन्होंने कहा कि कई दलों ने सरकार का हिस्सा बनने की इच्छा व्यक्त की है, लेकिन गठबंधन सहयोगियों के रूप में, हमारे पास एक और सर्वदलीय सरकार होगी। उचित चर्चा लेकिन वर्तमान में हम 37 सीटों के साथ सहज हैं।

कोच्चि वेस्ट प्लांट ...

के बाद पर्याप्त उपचार उपाय किए जाने चाहिए। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता सतीशन ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में हवा की गुणवत्ता में भारी गिरावट आई है, जिससे लोग जहरीले धुएं में सांस लेने को मजबूर हैं। सतीसन ने दावा किया कि जहरीले धूएं के कारण लोगों की तबियत खराब हो रही है। आगे कहा कि केवल कोच्चि शहर में बल्कि आस-पास के जिलों में भी धुआं फैल रहा है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि ब्रह्मपुरम में अपशिष्ट उपचार अनुबंध के संबंध में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। सतीशन ने सरकार के विभिन्न विभागों पर गंभीर आरोप लगाते हुए आरोप लगाया कि आग अभी भी नहीं बुझी है और कचरे को पेट्रोल से जला दिया गया है। विपक्ष के नेता सतीसन ने आरोप लगाया कि ठेकेदारों ने गंभीर अपराध किया है। आग भले ही बुझ जाए, लेकिन भ्रष्टाचार की आग नहीं बुझेगी। उन्होंने दावा किया कि ब्रह्मपुरम में स्वास्थ्य, स्थानीय स्वशासन और आपदा प्रबंधन सहित विभिन्न विभाग निष्क्रिय हैं। अनुबंध के संबंध में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। कचरे के टीले को जानबूझकर आग लगाई गई थी और सरकार दोषियों को बचाने की कोशिश कर रही है।

चेन्नई पश्चिम में भाजपा...

को गठबंधन सहयोगी होने के नाते ऐसा नहीं करना चाहिए था। इस बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने कहा कि भाजपा के करीब चार नेता एआईएडीएमके में शामिल हुए हैं, यह तमिलनाडु में एक दुर्भाग्यपूर्ण बात है। यहां के द्रविड़ राजनेता जो सोचते हैं कि वे बड़ी पार्टियां चला रहे हैं, भाजपा को आसानी से शिकार बनाना चाहते हैं और अपनी पार्टी का विकास करना चाहते हैं। यह केवल इस बात को दिखाता है कि राज्य में भाजपा आगे बढ़ रही है। अन्नामलाई की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए एआईएडीएके आईटी विंग के सचिव सिंगाई रामचंद्रन ने ट्विटर के माध्यम से कहा है कि एक बार भाजपा को नोटा से भी कम वोट मिले थे। 2021 के चुनाव में भाजपा के विधायक कैसे चुनाव जीते, इसका जवाब यह है कि एआईएडीएमके और भाजपा ने सहयोगी के रूप में चुनाव लड़ा । एआईएडीएके वह संगठन है जिसने अकेले अपने दम पर चुनाव जीता था।

ऑस्ट्रेलिया के पीएम ...

कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसमें हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री मोदी भी रात करीब आठ बजे यहां पहुंचेंगे। उनके साथ व्यापार और पर्यटन मंत्री डॉन फैरेल, संसाधन और उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के मंत्री मेडेलीन किंग और एक उच्च-स्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी आया है। यहां वह भारत और ऑस्ट्रलिया के बीच चल रही टेस्ट सीरीज का चौथा मैच भी देखेंगे। साथ ही दिल्ली पहुंचने से पहले वह नौ मार्च को मुंबई भी जाएंगे। भारत रवाना होने से पहले ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने कहा कि हमारे पास भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने का एक ऐतिहासिक अवसर है।

रंग लगाने पर किया ...

पर उसे आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने कहा कि पीडति गंभीर रूप से झुलस गया है और हैदराबाद के एक अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। मामला दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। आगे की जांच जारी है। उधर पश्चिम दिल्ली के मुंडका इलाके में फ्रेंड्स एन्क्लेव के पास हुई झड़प में दो लोगों की मौत हो गई। हादसे में 7 लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच में जुट गई है। इस मामले को लेकर एफएसएल टीम को बुलाया गया है। बता दें कि ये लोग मुंडका इलाके में एक नमकीन की फैक्ट्री में कार्यरत हैं। पुलिस के मुताबिक, उन्हें तीन कॉल आए जिसमें इस घटना को लेकर जानकारी पहुंचाई गई। जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम मैके पर पहुंची। पुलिस की एक टीम ने मौके पर पहुंचकर पाया कि गली नंबर-14 में रहने वाले सोनू और अभिषेक के बीच झगड़ा हुआ था। अभिषेक और उसके दोस्तों ने सोनू के साथ-साथ उन लोगों पर भी हमला किया, जो बचाव करने आए थे। इसके बाद अभिषेक पर भी हमला किया गया है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **नवम अध्याय**

(संत)

वीतराग मायारहित, अनध अमान अचाह।
अकीञ्चन अनुराग रत, सदा रहें प्रभु चाह॥ 11 ॥

शब्दार्थ : (वीतराग) रागरहित (अनघ) निष्पाप (अमान) मानरिहत (अचाह) अनिच्छा, (अकीञ्चन) धनहीन (प्रभु चाह) प्रभु की इच्छा।

भाष्य : विषय, राग से रहित, मान, कामना एवं धन की इच्छा से विरक्त प्रभु-अनुरागी, मुमुक्षु ही प्रभुप्राप्ति के लिए सदा प्रयत्न करता है।

उदासीन शम दम सहित, निपुण तितिक्षा पास।
अनिकेत तरु वास है, भोजन निरस निरास॥ 12 ॥

शब्दार्थ : (उदासीन) विरक्त (शम) मन का निरोध (दम) इंद्रियों का संयम (तितिक्षा) दु:ख-सुख में समान बुद्धि, कष्ट सहना (अनिकेत) गृहविहीन (निरस) प्रारब्धवश जो प्राप्त, (तरु वास) वृक्ष तर निवास।

भाष्य : विरक्त संत, शम, दम एवं तितिक्षा से युक्त हो, गृह में न रहकर वृक्ष तर निवास करते हैं और प्रारब्धवश प्रभु-इच्छानुकूल रुखा-सूखा भोजन उन्हें मिल जावे, वे उसे पाकर अपने भजन में लग रहते हैं। इस दोहे में विरक्त संत का नियम बतलाया गया है।

सा रा रा रा रा...राज्यभर में बड़े ही धूमधाम से मनी होली

गुवाहाटी/रंगिया/कोकराझाड़/(विभास)। पूरे देश के साथ ही राज्यभर में होली की धूम है। होली के रंग में बच्चे, बूढे, युवक-युवतियों ने एक दूसरे को रंग लगाकर होली मनाई। लायंस क्लब ऑफु गुवाहाटी ग्लोबल ने पलटन बाजार सोलापारा रोड में अपने सदस्यों के बीच होली उत्सव का आयोजन किया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में समाज सेवी राजेश बजाज उपस्थित थे। राजेश बजाज ने अपने संबोधन में सभी लायंस सदस्यों को होली की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में लायंस जिला के पूर्व जिलापाल एमपी अग्रवाल और राधा अग्रवाल ने भी उपस्थित होकर सदस्यों को होली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर स्थानीय गायिका संपत चांडक ने होली के गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के संयोजक ललित टीबडेवाल थे। इस अवसर पर लायंस ग्लोबल के अध्यक्ष बसंत अग्रवाल, सचिव संगीता मजूमदार, कोषाध्यक्ष प्रमोद गाड़ोदिया, पूर्व अध्यक्ष अरुण अग्रवाल, अभिजीत मजूमदार संयुक्त मंत्री मोनिका बूढागोंहाई, अर्चना हालोई, नीतू हालोई, प्रकाश जालान, सुनीता जालान उपस्थित थे। माहेश्वरी सभा गुवाहाटी ने माछखोवा स्थित आईटीए सेंटर ऑडिटोरियम मे होली उत्सव का रंगारंग कार्यक्रम बहुत ही धूमधाम से संपन्न हुआ। सर्वप्रथम सभा सदस्य नवरतन नागौरी ने अपने सहयोगी राजेश सोनी व राकेश सारडा के साथ मिलकर मंच गठन की प्रकिया पूर्ण की। मंच गठन की प्रकिया मे कार्यक्रम संयोजक प्रभात चांडक, सभा अध्यक्ष नवल किशोर सारडा, महिला समिति अध्यक्ष सरला लाहोटी, युवा संगठन अध्यक्ष आदित्य मूंदडा, अंचल-6 के संगठन मंत्री रतनलाल चितलांगिया, पूर्वांचल उपाध्यक्ष कैलाश काबरा, सभामंत्री मदन गोपाल सिगची, महिला समिति सचिव बर्षा सोमानी, युवा संगठन सचिव कमल मूंदडा तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मूलचंद नागौरी को ससम्मान मंचासीन करवाया गया। मुख्य अतिथि महोदय को सभा द्वारा फूलाम गोमछा व शाल ओढाकर सम्मानित किया गया। सभागार मे उपस्थित मोदी यूनिवर्सिटी, राजस्थान से पधारे प्रोफेसर डॉ. अशोक सिंग राव, डॉ. जितेंद्र बिनवाल, डॉ. प्रान्तिक भंटी का फूलाम गोमछा से सम्मानित किया गया। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम मे शेखावाटी (राजस्थान) के सुप्रसिद्ध कलाकार देवकी शर्मा एण्ड पार्टी के द्वारा चंगो की थाप पर होली के रस भरे गीतों एवं धमाल की शानदार प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम की ऐसी शमा बंधी की सभागार मे उपस्थित समाज बंधुगण चंगों की थाप पर थिरकने के लिये मजबूर हो उठे, जिनमें कुछ समाज बंधुगण मंच पर अपनी-अपनी प्रस्तुति देने के लिये स्वत: ही आ गये। धन्यवाद प्रस्ताव कार्यक्रम के सह-संयोजक राजेश सोनी द्वारा दिया गया। फ्रेंड्स क्लब ने फैंसी बाजार शनि मंदिर चौराहे पर रंग भरी होली का आयोजन कर हजारों युवा धड़कनों को होली के रंग से सराबोर कर दिया। वॉक एन टॉक के सभी सदस्यों ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पानबाजार फुड विला के पास धूमधाम से होली का त्यौहार मनाया। इस अवसर पर किशोर शर्मा, अरविंद साबू, महेंद्रजैन, नीरज जैन, सुनील अग्रवाल, सहित ग्रुप के सभी सदस्य शामिल थे। इन्होंने चंग बजाने के साथ एक दूसरे को रंग लगाया एवम सभी ने आनंद के साथ त्योहार मनाया। इस अवसर पर अनिल छाबड़ा, श्याम मोदी, सुरेश मोदी, प्रमोद अग्रवाल, रतन अग्रवाल, अशोक जाजोदिया, अशोक छाबड़ा, सुनील जैन, राजू पाटनी, पुसराज भूरट, मालचंद सिंघी, नवनीत बाकलीवाल, विजय पाटनी,पदम जैन, संजय पारीक, सर्वेश जैन, सर्वेश गंगवाल, मनोज वर्मा, शंकर दास, दीपक पांड्या उपस्थित थे। असम महेश्वरी भवन में महेश योग समिति गुवाहाटी के सौजन्य से पारिवारिक होली उत्सव का आयोजन प्रात: 6:30 से किया गया। इस आयोजन में महेश योग समिति के सभी सदस्य अपने परिवार सहित उपस्थित थे। इस अवसर पर महेश योग समिति के सह आचार्य मदन मोहन मल्ल ने बताया कि 1995 में आचार्य गोविंद राम जी शर्मा के प्रयासों से महेश योग समिति का गठन हुआ था और गत 28 वर्षों से लगातार प्रात: गीता पाठ, स्तुति एवं योग क्रियाओं का आयोजन निर्विरोध रूप से महेश्वरी भवन में चल रहा है ।इस योग समिति में हर जाति व समुदाय के लोग भाग लेते हैं। आज होली के अवसर पर मदन मोहन मल्ल,प्रेमचंद खजांची और अशोक अग्रवाल ने कार्यक्रम को एक अनोखे अंदाज में संचालन करते हुए प्रत्येक सदस्य को मंच पर बुलाकर अबीर, गुलाल, दुपट्टे से सम्मान कर उनके सम्मान मे गीी की चार चार पंक्तियां सुनाई। कार्यक्रम के संयोजक बनवारीलाल मूंदड़ा ने सारी व्यवस्था संभाल रखी थी। उनके सहयोगी के रुप में गिरधारी लाल झंवर, कुंज बिहारी काबरा ने अपना सहयोग दिया। उमंग, सद्भाव एवं भाईचारे का पर्व होली देशभर के साथ-साथ रंगिया में भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पर्व के चलते बच्चों और युवाओं में सबसे ज्यादा उत्साह देखने को मिला, जहां बच्चों ने गली-मोहल्ले में एक-दूसरे को रंगों से सराबोर कर पर्व की खुशी मनाई। वहीं, शहर में निकली युवाओं की टोलियों में खास उत्साह देखने को मिला। पहुंचे लोगों ने अबीर, गुलाल का तिलक लगाया और गले मिलकर एक-दूसरे को होली की बधाई दी और बड़ों का आशीर्वाद लिया तथा प्रीति भोजन में शामिल हुए। कार्यक्रम में सभी समाजबंधुओं के साथ मुकेश सिकरिया, सांवरमल बुबना, राजकुमार सरावगी और राजकुमार मौर का विशेष सहयोग रहा। आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष तथा रंगिया के विधायक भवेश कलिता और राज्य सभा सांसद भुवनेश्वर कलिता सहित बहुत से गणमान्य लोग अतिथि के रूप में शामिल हुए। उपस्थित अतिथियों ने सभी को होली की शुभकामनाएं देते हुए खुशहाली की कामना की। वहीं दूसरी ओर रंगिया वार्ड नं 4 स्थित संगम संघ खेल मैदान प्रांगण में कई समाज बंधुओ ने मिलकर होली समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया। सुबह 9:30 से प्रारम्भ इस कार्यक्रम में राजस्थान से पधारे अतिथि कलाकारों द्वारा होली धमाल के साथ होली खेलने का कार्यक्रम रखा गया। शहर में कहीं डीजे तो कहीं ढोल की थाप पर थिरकते होलियारों के द्वारा उ?ाए जा रहे गुलाल से पूरा शहर होली के रंगों में डुबो दिया। सुबह 9.00 बजे से शुरू हुआ यह क्रम शाम 4.00 बजे तक जारी रहा। होली के अवसर पर महिलाओं और युवतियों के बीच भी उत्साह देखने को मिला। हर आयु वर्ग के लोग होली के रंगों में रंगे रहे।

लुइतपरिया कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित

नगरबेड़ा (निसं)। बरपेटा जिले के बागबर निर्वाचन क्षेत्र के दक्षिणी किनारे पर चर क्षेत्र में एक प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थान, आलोपति माजरचर के लुइतपरिया कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित स्वयं सहायता समूहों के विशेष प्रशिक्षण शिविर का आज दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ समापन हो गया। मंदिया समेकित बाल विकास परियोजना के तहत महिला शक्ति केंद्र, लुइतपरिया कॉलेज महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की पहल के तहत कॉलेज के सभागार में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कल सुबह 9 बजे प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन समारोह में। मुख्य कथन देता है। कॉलेज के इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल के समन्वयक आबू आयूब आहमेद ने अतिथि के रूप में संबोधित किया। सहायक प्रोफेसर डॉ आब्दुर रऊफु छिद्दीकि ने सुबह 10-30 बजे मेगा योग कार्यक्रम का संचालन किया। सुबह 11-30 बजे तक आयोजित महिला सशक्तिकरण और जीविका और आत्मसहायक गोट सम्पर्क में भाषण प्रदान किया महाविद्यालय के सहयोगी अध्यापक छामचुल आलम छरवार्दी ने। अंतिम दिन का कार्यक्रम के मुताबिक महाविद्यालय के परिचालन समिति के अध्यक्ष एम आब्दुल मजिद द्वारा परिचालित बैठक में विमला प्रसाद चलिहा महाविद्यालय के सेवानिवृत्त अध्यक्ष डॉ बिभुति भुषण पांडा, लुईत परीया महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ जछिम उद्दिन आहमेद और अन्य ने आंतर्जातिक नारी दिवस सम्पर्क में भाषण प्रदान किया ।अंत में सभी महिलाओं को एक एक सार्टिफिकेट भी दिया। उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय का शिक्षक, कर्मचारी और अंचल के विभिन्न आत्मसहायक गोट के लगभग तीन सौ से अधिक महिला मौजूद रहे।

गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से 3 करोड़ का सोना जब्त

गुवाहाटी। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) द्वारा 3 करोड़ रुपये मूल्य के सोने के बिस्कुट की एक बड़ी मात्रा जब्त की गई थी ।रिपोर्टों से पता चलता है कि जीआरपी ने पलटन बाजार रेलवे स्टेशन पर एक अभियान चलाया, जिसके दौरान वे राजधानी एक्सप्रेस से बड़ी मात्रा में सोने के बिस्कुट को सफुलतापूर्वक जब्त करने में सफुल रहे ।जब्त किए गए 20 सोने के बिस्कुट का वजन 3.20 किलोग्राम था और इसकी कीमत 30 लाख रुपये बताई जा रही है। इस दौरान जब्ती के सिलसिले में एक व्यक्ति शरीफु आलम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया ।इस बात की पुष्टि हो गई है कि सोने के बिस्कुट मणिपुर से तस्करी करके राष्ट्रीय राजधानी में लाए गए थे, लेकिन उन्हें गुवाहाटी में रोक दिया गया ।इसी तरह सोने की तस्करी की एक और घटना में 7 मार्च को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने भारी मात्रा में सोना जब्त किया. जब्ती के सिलसिले में एक व्यक्ति संपत राव को भी हिरासत में लिया गया है ।कथित तस्कर के पास से करीब 320 ग्राम सोना बरामद किया गया है। सूत्रों के मुताबिक गुप्त सूचना के आधार पर संदिग्ध को पकड़ा गया है ।यह पता चला कि सोने को अगरतला से राजधानी में तस्करी कर लाया गया था लेकिन गुवाहाटी में पकड़ा गया था ।बताया गया कि जब्त किए गए सोने की कीमत 20 लाख रुपये होगी।

पूसीरे न्यू तिनसुकिया और धुबड़ी के बीच त्रि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन करेगा संचालित

गुवाहाटी (निसं)। यात्रियों की यात्रा सुविधा को बढ़ावा देते हुए पूर्वोत्तर सीमा रेल ने इस महीने से अपर और लोअर असम को जोड़ने वाली न्यू तिनसुकिया और धुबड़ी के बीच त्रि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह स्पेशल ट्रेन सप्ताह में तीन दिन चलेगी-न्यू तिनसुकिया से मंगलवार, गुरुवार और रविवार को और धुबड़ी से बुधवार, शुक्रवार और सोमवार को रवाना होगी। ट्रेन संख्या 05922 (न्यू तिनसुकिया-धुबड़ी) स्पेशल 19 मार्च से 17 अगस्त, 2023 तक न्यू तिनसुकिया से 14:30 बजे रवाना होगी और अगले दिन 04:30 बजे धुबड़ी पहुंचेगी। वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 05921 (धुबड़ी-न्यू तिनसुकिया) स्पेशल 20 मार्च से 18 अगस्त, 2023 तक धुबड़ी से 05:00 बजे रवाना होगी और उसी दिन 19:45 बजे न्यू तिनसुकिया पहुंचेगी। यह स्पेशल ट्रेन 15 कोचे की होगी जिसमें एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास, जनरल सेकंड क्लास कोच और जनरल सीटिंग कम लगेज वैन शामिल होंगी। दोनों तरफु से यात्रा के दौरान यह स्पेशल ट्रेन डिब्रूगढ़, धेमाजी, नार्थ लखीमपुर, उदालगुड़ी, रंगिया, बरपेटा रोड, फुकीराग्राम स्टेशनों के रास्ते चलेगी। अपर असम को लोअर असम से जोड़ने वाली इस स्पेशल ट्रेन के संचालन से इस मार्ग पर यात्रियों और व्यापारियों को लाभ होगा। इन ट्रेनों के ठहराव तथा समय-सूची का विवरण आईआरसीटीसी की वेबसाइट तथा विभिन्न समाचारपत्रों और पूसीरे के सोशल मीडिया प्लेटफुॉर्मों पर भी जारी की गई है। यात्रियों से अपनी यात्रा शुरू करने से पहले इन विवरणों पर ध्यान देने का अनुरोध किया जाता है।

गोलाघाट की बर्षा सिंघा बनी असम की पहली महिला टेबल टेनिस कोच

गोलाघाट (निसं)। गोलाघाट की बर्षा सिंघा को असम क्रीड़ा एवं युवा कल्याण निदेशालय द्वारा टेबल टेनिस कोच के रुप में नियुक्त किए जाने पर गोलाघाट वासियों में खुशी की लहर देखी जा रही है। गोलाघाट नगर के चित्रसेन काकती पथ निवासी सुभ्रजीत सिंघा तथा रीता सिंहा की बेटी बर्षा सिंघा को असम क्रीड़ा एवं युवा कल्याण निदेशालय द्वारा असम में पहली टेबल टेनिस कोच के रुप में चयनित किए जाने पर गोलाघाट समेत समूचे राज्य के लिए गर्व का विषय बन चुकी हैं। बर्षा केवल 7 साल की उम्र में टेबल टेनिस खेलने की शुरुआत करते हुए मात्र 10 साल की उम्र में वर्ष 2007 में असम का प्रतिनिधित्व कर चुकी है। बताते चलें कि बर्षा असम की पहली टेनिस खिलाड़ी है जिन्हें असम क्रीड़ा एवं युवा कल्याण निदेशालय द्वारा महिला टेबल टेनिस कोच के रुप में चयनित किया गया है। बर्षा की इस उपलब्धि पर गोलाघाट वासियों ने शुभकनाएं देने के साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नदी में डूबने से एक बच्चे की मौत

गोलाघाट (हि.स.)। गोलाघाट जिला के बोकाखात इलाके में नदी में डूबने से एक बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बुधवार को नवीन चंद्र दलै नामक बच्चा अन्य अपने साथियों के साथ होली खेलने के बाद धनसिरी नदी में नहाने गया था। अन्य बच्चों के साथ नहाने के दौरान खेलते समय वह नदी के गहराई वाले जगह में चला गया। नदी के तेज बहाव की वजह से वह नदी में डूब गया। वहां मौजूद अन्य बच्चों द्वारा चिल्लाएं जाने की आवाज सुनते ही आसपास के मौजूद लोगों ने बच्चे को गंभीर अवस्था में नदी से बाहर निकाल कर अस्पताल ले गए। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक नवीन छठी कक्षा का छात्र बताया गया है। होली के दिन बच्चे की हुई अचानक मौत की वजह से पूरे गांव में मातम छाया हुआ है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

जेसीआई एंजेल्स ने महिला दिवस पर उद्यमी महिलाओं को किया सम्मानित

गुवाहाटी (नसं)। जेसीआई गुवाहाटी एंजेल्स ने महिला दिवस के उपलक्ष में सप्ताह व्यापी कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को तीन उद्यमी महिलाओं को स्वावलंबी बनकर अपनी-अपनी रोजगार में ख्याति प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया। जिसमें मीना मोर, अनीता जैन और संतोष काबरा को प्रशस्ति पत्र, फुलाम गमछा और उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम संयोजिका अंजू बैंगनी और मौसम अग्रवाल ने बताया कि मीना मोर गत 15 वर्षों से पूर्वोत्तर की नामी गिरामी टर्नरस सैलून की एमडी है और अपने रोजगार से कई महिलाओं को भी जोड़ कर रखा है। अनीता जैन का किचन पूरे महानगर में प्रसिद्ध है। इनके बनाए स्वादिष्ट व्यंजन नगर के हर कोने में पहुंचा कर अपने रोजगार को बुलंदियों तक पहुंचा दिया है। संतोष काबरा ने एक खास अंदाज और मेहनत से लगभग 350 महिला व युवतियों को स्कूटी चलाना सिखा कर उनको अपने कामकाज व घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए समय की बचत करने में मदद की है। इससे पहले जेसीआई एंजेल्स की निवर्तमान अध्यक्ष सिल्की चौधरी ने सप्ताह व्यापी कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कहा कि हमने किन्नरों के खोए हुए सम्मान पर जागरूकता कार्यक्रम, जेसीआई मल्टी चैप्टर की कार रैली आयोजित करना, सुधा सेठिया से महिलाओं को हस्तशिल्प में प्रशिक्षण देना एवं सर्वाइकल कैंसर पर जागरूकता व्याख्यान देना, मेकअप कार्यशाला, यूट्यूब कंपटीशन में ब्रेक द वाईस तथा उद्यमी महिलाओं का सम्मान करना कार्यक्रम शामिल है। कार्यक्रम में जेसीआईएस की अध्यक्ष ममता अग्रवाल ने अपने स्वागत भाषण में सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में चंद्रा गुलगुलिया, शालिनी आर्य मनी अग्रवाल शिखा अग्रवाल, नूपुर अग्रवाल, पूनम मुरारका, पायल अग्रवाल, उपस्थित थी। जेसीआई एंजेल्स की सचिव रेनू अग्रवाल ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन दिया।

राहुल गांधी ने विदेश की धरती से किया देश की जनता का अपमानः रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को राहुल गांधी के लंदन में दिए बयानों की भर्त्सना करते हुए कहा है कि उन्होंने विदेश की धरती से देश की जनता का अपना किया है। पार्टी का कहना है कि राहुल गांधी को देश की जनता न तो सुनती है और न ही समझती है, इसलिए वे देश से बाहर जाकर विलाप करते हैं। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रवक्ता रविशंकर प्रसाद ने आज पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में राहुल गांधी की देश में लोकतंत्र, भारत चीन संबंधों और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर की गई टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी से सवाल पूछे हैं। दोनों नेताओं से भाजपा प्रवक्ता ने पूछा है कि क्या वे यूरोप और अमेरिका से भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के कांग्रेस नेता के बयानों का समर्थन करते हैं। रविशंकर ने कहा कि विदेश जाकर राहुल गांधी सभी मयार्दा और शालीनता भूल जाते हैं। उन्होंने लंदन में भारतीय लोकतंत्र, जनता, राजनीतिक एवं न्याय व्यवस्था और सामरिक सुरक्षा का अपमान किया है। भाजपा प्रवक्ता ने आरएसएस पर की गई टिप्पणियों को लेकर भी राहुल गांधी की आलोचना की और कहा है कि वे असल में माओवादी और अराजक तत्वों के प्रभाव में ऐसा कर रहे हैं। आरएसएस के देश की राजनीति में योगदान को स्पष्ट करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि विचारधारा के दम पर वर्तमान में संघ कहां से कहां पहुंच गया है और कांग्रेस कहां से कहां पहुंच गई है। उल्लेखनीय है कि यूके दौरे के आखिरी दिन सोमवार शाम चैथम हाउस थिंक टैंक में एक संवाद सत्र को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने देश की आंतरिक राजनीति, अन्य देशों से रिश्तों और सामाजिक परिस्थितियों पर अपने विचार रखे। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार विपक्ष के खिलाफ जासूसी एवं जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत का लोकतंत्र धराशायी होने पर पूरी दुनिया इससे प्रभावित होगी। यह दुनिया के लिए महत्वपूर्ण घटनाक्रम होगा। ऐसे में दुनिया पर है कि वह क्या करती है। राहुल ने इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तुलना आतंकी संगठन मुस्लिम ब्रदरहुड से कर दी।

सर्दियों में दिल्ली की हवा में आया सुधार

– पांच साल में सबसे कम रहा प्रदूषण

नई दिल्ली (ईएमएस)। सेंटर फॉर साइंस एंड इनवायरन्मेंट (सीएसई) द्वारा किए गए वायु प्रदूषण के एक हालिया विश्लेषण के अनुसार 2018 में बड़े पैमाने पर हवा की गुणवत्ता की निगरानी शुरू किए जाने के बाद से इस बार सर्दियों के मौसम में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में सर्वाधिक स्वच्छ वायु रही। प्रमुख थिंक टैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि दिल्ली में वायु प्रदूषकों का सकेंद्रण अक्टूबर-जनवरी अवधि के दौरान 160 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा, जो 2018-19 में व्यापक स्तर पर निगरानी शुरू किए जाने के बाद से न्यूनतम स्तर है। सीएसई की रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएम 2.5 (हवा में मौजूद 2.5 माइक्रोमीटर से कम व्यास के कण) के स्तर की गणना, शहर में मौजूद 36 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों के डेटा का औसत निकाल कर की गई, जो 2018-19 के सर्दियों के मौसमी औसत की तुलना में 17 प्रतिशत कम है। दस सबसे पुराने केंद्रों के आंकड़ों के आधार पर स्थिति 20 प्रतिशत बेहतर हुई है। रिपोर्ट के अनुसार इस बार सर्दियों में करीब 10 दिन शहर भर में एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) गंभीर या बहुत खराब श्रेणी में रहा, जो पिछले साल की सर्दियों के 24 दिनों और 2018-19 की सर्दियों के 33 दिनों की तुलना में बहुत कम है। सीएसई ने कहा है कि शहर में अच्छी वायु के पांच दिन भी दर्ज किए गए, जो पिछली सर्दियों की तुलना में बेहतर स्थिति है।

केवीएस स्कूलों में 987 विशेष शिक्षकों के पद स्वीकृत न करने पर केंद्र और केवीएस को फटकार

राकेश शर्मा

– दिल्ली हाई कोर्ट ने चार हफ्ते में मांगा जवाब, अगली सुनवाई 4 मई को होगी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार और केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) को इस लिए फटकार लगाई है कि उन्होंने अभी तक केंद्रीय विद्यालय संगठन के स्कूलों में मूक, बधिर, दृष्टिहीन और मानसिक रूप से कमजोर बच्चों को समुचित शिक्षा देने के लिए 987 विशेष शिक्षकों के पद स्वीकृत नहीं किया है। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच ने चार हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 4 मई को होगी। कोर्ट ने केंद्रीय विद्यालय संगठन के कमिश्नर और मानव संसाधन विकास विभाग के सचिव को से पूछा है कि 987 विशेष शिक्षकों के पद स्वीकृत क्यों नहीं किए गए। दरअसल, कोर्ट ने 1 दिसंबर, 2022 को केंद्रीय विद्यालय संगठन और केंद्र सरकार को अपने स्कूलों में मूक, बधिर, दृष्टिहीन और मानसिक रूप से कमजोर बच्चों को समुचित शिक्षा देने के लिए 987 विशेष शिक्षकों के पद स्वीकृत करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि देश भर के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों में 5625 स्पेशल बच्चे पढ़ते हैं। उनकी पढ़ाई के लिए 987 शिक्षकों के पद जल्द से जल्द स्वीकृत किये जाएं। याचिका सोशल जूरिस्ट की ओर से वकील अशोक अग्रवाल ने दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि केंद्रीय विद्यालयों में विशेष बच्चे तो पढ़ते हैं, लेकिन उन्हें पढ़ाने के लिए विशेष शिक्षक का कोई नियमित पद नहीं हैं। केंद्रीय विद्यालय विशेष शिक्षकों की नियुक्ति संविदा के आधार पर कर रही है, जो बच्चों के हित में नहीं है। याचिका में मांग की गई थी कि हर केंद्रीय विद्यालय में कम से कम दो विशेष शिक्षकों की नियुक्ति की जाए। सुनवाई के दौरान 17 नवंबर, 2022 को हाई कोर्ट ने कहा था कि शिक्षा के अधिकार कानून में हुए संशोधन के बाद विशेष शिक्षकों की भर्ती करनी है। इसकी जिम्मेदारी केंद्र सरकार और केंद्रीय विद्यालय संगठन की है।

सरकारी व्यवस्था सुधरी और लोगों में सरकार के प्रति भरोसा भी बढ़ाः केंद्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह

भोपाल, (हि.स.)। देश में बीते कुछ वर्षों में जादुई बदलाव आया है। लोगों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उम्मीद है, इसलिए शिकायत बढ़ी है, पहले दो लाख शिकायतें आती थी और अब 20 लाख शिकायतें प्रतिवर्ष आती हैं। इसका आशय साफ है कि सरकार के प्रति भरोसा बढ़ा है क्योंकि शिकायतों का समय पर समाधान भी हो रहा है। प्रति सप्ताह 98 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण किया जाता है। सुशासन की नई व्यवस्था से बढ़ा बदलाव आया है। सरकारी व्यवस्था सुधरी है और लोगों में सरकार के प्रति भरोसा भी बढ़ा है। यह बात सोमवार को केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह ने मप्र सरकार के सहयोग से कार्मिक मंत्रालय के तहत प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) के "सुशासन प्रथाओं" विषय पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पांच माह पूर्व ही ह्यूमन डेस्क बनाया गया है, इसमें शिकायतकर्ताओं से फीडबैक लिया जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार अब दिल्ली से नहीं राज्यों से चलती है। पुरानी रिवायलों को छोड़कर नई संस्कृति को जन्म देने के लिए पिछले नौ साल में नए प्रयास किए गए हैं। इससे पहले केंद्रीय राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह ने भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। साथ में मध्य प्रदेश सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी, एमएसएमई मंत्री ओम प्रकाश सखलेचा भी मौजूद थे। क्षेत्रीय सम्मेलन में देश भर से लगभग 200 प्रतिनिधि सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में इंटरनेशनल मिलेट्स डे मनाया जा रहा है। मोदी के ही कार्यकाल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भी मनाया गया। हमने दिल्ली के विज्ञान भवन से बाहर निकलकर भोपाल में संगोष्ठी कर रहे हैं। इस तरह के कार्यक्रम अक्सर विज्ञान भवन में हुआ करते थे।

ऐसे कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए वे अधिकारी ही आते थे, या तो जिनके बच्चे दिल्ली में पढ़ाई करते हैं या जिन्हें शापिंग करनी हो। हमने यह संस्कृति बदली है और देश भिन्न भिन्न राज्यों में जाकर बैठकें करते हैं। इससे तव्वाजें अधिक मिली है ध्यान भी केंद्रित होता है। डीएआरपीजी के सचिव वी श्रीनिवास ने उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। यह सम्मेलन केंद्र, राज्य और जिला स्तर पर विभिन्न प्रशासनिक सुधारों के जरिए सरकार और नागरिकों को करीब लाने का एक प्रयास है। जिसमें सरकारी प्रक्रिया की री-इंजीनियरिंग, ई-सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच, डिजिटल पहल में उत्कृष्टता शामिल है। केंद्रीय राज्य मंत्री सिंह ने कहा कि कार्मिक विभाग ने बड़ा बदलाव किया है। मोदी सरकार ने लोगों पर भरोसा जताया है और दस्तावेज अटेस्टेड कराने की अनिवार्यता समाप्त की गई है। एक जनवरी 2016 से इंटरव्यू की प्रथा भी समाप्त कर दी गई है। मप्र के मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार ने विभिन्न सेवाओं को जनता तक पहुंचाने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने जन सेवा अभियान चलाया और घर-घर जाकर 70 लाख से अधिक आवेदनों का निराकरण किया। मध्य प्रदेश में डिम्ड अप्रूवल दिया जाता है। जनता को विभिन्न स्वीकृतियों के लिए भटकना नहीं पड़ता है। लोगों का हेल्थ चेकअप कराया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में टेबलेट के माध्यम से परीक्षा देने की प्रेक्टिस कराई गई। आनलाइन सेवाओं से जनता के कार्य आसान हुए हैं।

झूठा केस बनाकर सिसोदिया को जेल में डालाः मुख्यमंत्री केजरीवाल

अजय कुमार

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन पर झूठे केस थोपकर जेल में डाला गया और देश को लूटने वाले शख्स को गले लगाया जा रहा है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आजादी के 75 साल बाद एक ऐसा शख्स आया, जिसने दिल्ली के स्कूलों की काया पलट दी। सरकारी स्कूलों में गरीबों के बच्चे को अमीरों जैसी शिक्षा मिलने लगी। वो शख्स है- मनीष सिसोदिया। केजरीवाल ने आगे कहा कि देश भर में सरकारी अस्पतालों का बुरा हाल है। जहां गरीब मजबूरी में इलाज करने के लिए जाते हैं, लेकिन सिसोदिया ही वह शख्स हैं, जिन्होंने दिल्ली के अस्पतालों की दशा बदल दी। गली-गली में मोहल्ला क्लिनिक बनाकर अच्छा और फ्री इलाज दिया जा रहा है। लेकिन, आज मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी को लेकर मैं बेहद चिंतित हूं। केजरीवाल ने आगे कहा कि सिसोदिया और जैन बहुत बहादुर हैं। ये लोग देश के लिए जान भी दे सकते हैं। जेल की कोठरियां उनके बुलंद हौसलों को तोड़ नहीं पाएगी। मैं चिंतित हूं देश की परिस्थितियों को लेकर। जिस देश के प्रधानमंत्री लोगों को अच्छी शिक्षा और सेहत देने वाले लोगों को तो जेल में डाल देते हैं, वहीं देश को लूटने वालों का साथ देते हैं। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने आगे कहा कि मैंने तय किया है कि इस बार होली वाले दिन देश के लिए ध्यान और प्रार्थना करूंगा। अगर आप भी देश की स्थिति देखकर चिंतित हैं, तो अपील है कि होली मनाने के बाद थोड़ा समय निकालकर देश के लिए मेरे साथ पूजा करें।

विश्व पुस्तक मेले में सम्मिलित हुईं वैशाली रस्तौगी की तीन पुस्तकें

विश्व पुस्तक मेले में सम्मिलित हुईं सम्भल मुरादाबाद की निवासी,वर्तमान में जकार्ता इंडोनेशिया में रह रहीं कवियत्री वैशाली रस्तौगी की तीन पुस्तकें। सभी लेखक बंधु और जिज्ञासा प्रकाशन के लिए आज का दिन गौर्वान्वित करने वाला रहा। प्रकाशन द्वारा अब तक प्रकाशित की गयी सभी पुस्तकों की सूचि को देश विदेश में मशहूर फिल्मकार निमार्ता निर्देशक श्री कबीर बेदी द्वारा रिलीज किया गया ।

पावर मिनिस्ट्री पैनल ने देश में ग्रिड की रियल टाइम मॉनिटरिंग का दिया सुझाव

– सरकार ने स्मार्ट ऊर्जा पारेषण प्रणाली पर विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट स्वीकारी

नई दिल्ली, (हि.स.)। देश में जल्द ही एक आधुनिक और स्मार्ट पावर ट्रांसमिशन सिस्टम होगा, जिसमें रीयल-टाइम निगरानी और ग्रिड के स्वचालित संचालन जैसी तमाम विशेषताएं होंगी। केंद्र सरकार ने इसको लेकर गठित विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट को स्वीकार कर ली है, जो भारत में आधुनिक एवं स्मार्ट ऊर्जा पारेषण प्रणाली के मार्ग को प्रशस्त करेगी। ऊर्जा मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि देश में जल्द ही आधुनिक एवं स्मार्ट ऊर्जा पारेषण प्रणाली होगी। स्मार्ट ऊर्जा पारेषण प्रणाली को लेकर गठित विशेषज्ञ समिति ने सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। समिति की रिपोर्ट में वास्तविक समय में निगरानी, ग्रिड का स्वचालित संचालन, स्थिति का बेहतर आकलन, ऊर्जा मिश्रण में नवीकरणीय क्षमता की हिस्सेदारी बढ़ाने की क्षमता, साइबर हमलों और प्राकृतिक आपदा से निपटने के सुझाव दिए गए हैं। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने पिछले हफ्ते एक बैठक में इस मुद्दे पर विचार-विमर्श किया था। सिंह ने बैठक में भरोसेमंद एवं किफायती ऊर्जा निरंतर प्रदान करने की सरकार की संकल्पना को साकार करने के लिए आधुनिक पारेषण ग्रिड पर जोर दिया था। सिंह ने कहा था कि साइबर हमलों तथा प्राकृतिक आपदाओं के बावजूद पूरी तरह से स्वचालित, डिजिटल नियंत्रण वाली, त्वरित प्रतिक्रिया देने वाली ग्रिड समय की मांग है। ऊर्जा मंत्रालय ने सितंबर, 2021 में आधुनिक एवं स्मार्ट ऊर्जा पारेषण प्रणाली को लेकर एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था। इस समिति को पारेषण क्षेत्र के आधुनिकीकरण और इसे स्मार्ट एवं भविष्य के लिए तैयार करने की खातिर सुझाव देने के लिए कहा गया था। ये अनुशंसाएं उसी की रिपोर्ट का हिस्सा हैं।

दिल्ली आबकारी घोटालाः शराब व्यवसायी अमनदीप को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली आबकारी मामले के आरोपित शराब व्यवसायी अमनदीप ढल को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। स्पेशल जज एमके नागपाल ने ये आदेश दिया। आज अमनदीप की ईडी हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। ईडी ने अमनदीप की आगे हिरासत की मांग नहीं की और न्यायिक हिरासत में भेजने की मांग की। जिसके बाद कोर्ट ने अमनदीप को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पेशी के दौरान अमनदीप ने कहा कि उसको जेल में अन्य आरोपितों से जान का खतरा है, उसको अलग जेल में रखा जाए। 2 मार्च को कोर्ट ने अमनदीप को आज तक की ईडी हिरासत में भेज दिया था। ईडी ने 1 मार्च की रात में अमनदीप को गिरफ्तार किया था। अमनदीप ब्रिंडको सेल्स प्राइवेट लिमिटेड का निदेशक है। दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में सीबीआई की एफआईआर के मुताबिक अमनदीप विजय नायर, मनोज राय और समीर महेंद्रू के साथ आबकारी नीति बनाने में सक्रिय रूप से शामिल था। अमनदीप इस मामले में दसवां आरोपित है, जिसे ईडी ने गिरफ्तार किया है। ईडी सीबीआई की ओर से दर्ज एफआईआर पर मनी लांड्रिंग मामले की जांच कर रही है।

किराए को लेकर ऑटो चालक ने युवती को किया घायल, शिकायत दर्ज

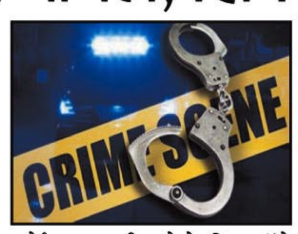

नई दिल्ली, (हि.स.)। ऑटो किराए को लेकर हुए विवाद पर चालक ने युवती को धारदार हथियार से घायल कर दिया। युवती की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच में जुटी है। घटना राजधानी के दक्षिण पूर्वी जिले में स्थित न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी इलाके की है। डीसीपी साउथ ईस्ट राजेश देव ने मंगलवार को बताया कि 22 वर्षीय युवती नूर नगर से अपने घर सीसी मार्केट एनएफसी जाने के लिए ऑटो पर सवार हुई। एनएफसी पहुंचने के बाद किराए को लेकर युवती और ऑटो चालक के बीच किसी बात को लेकर बहस हो गई। डीसीपी ने बताया कि बहस के दौरान ऑटो चालक ने धारदार हथियार से युवती पर हमला कर दिया, जिससे युवती घायल हो गई। घटना बीती रात करीब 8:30 बजे की है। हालांकि, पुलिस को जानकारी अस्पताल से पांच घंटे बाद मिली। इस मामले में पुलिस ने युवती की शिकायत पर कई धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

पत्रकार स्वाति के खिलाफ आपराधिक मानहानि के ट्रायल पर रोक, भाजपा नेता तेजिंदर बग्गा को नोटिस

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने भाजपा नेता तेजिंदर बग्गा की ओर से महिला पत्रकार स्वाति चतुर्वेदी के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि के ट्रायल पर रोक लगा दी है। जस्टिस रजनीश भटनागर की बेंच ने बग्गा को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई जुलाई में होगी। तेजिंदर बग्गा ने पटियाला हाउस कोर्ट में स्वाति चतुर्वेदी के खिलाफ आपराधिक मानहानि का केस दायर किया है। इसपर सुनवाई करते हुए पटियाला हाउस कोर्ट ने स्वाति चतुर्वेदी को समन जारी किया है। समन जारी करने के आदेश को स्वाति ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। पटियाला हाउस कोर्ट में दायर याचिका में तेजिंदर बग्गा ने कहा है कि स्वाति चतुर्वेदी उनके खिलाफ टीवी चैनल्स और पत्र-पत्रिकाओं में अपमानजनक बातें बोलती और लिखती हैं। स्वाति चतुर्वेदी पर आरोप है कि उन्होंने तेजिंदर बग्गा को भाजपा का प्रवक्ता बनाये जाने पर 2017 में ट्वीट किया था-"वो आदमी जिसने प्रशांत भूषण को पीटा और यौन उत्पीड़न के केस में गिरफ्तार हो चुका है, अब भाजपा के लिए बोलेगा।" स्वाति चतुर्वेदी के इस ट्वीट के खिलाफ खिलाफ तेजिंदर बग्गा ने आपराधिक मानहानि का केस दायर किया था।

नौसेना ने एमआरएसएएम दाग कर हासिल की जहाज रोधी मिसाइल क्षमता

– युद्धपोत विशाखापत्तनम से मध्यम दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल का हुआ परीक्षण

– डीआरडीओ और इजरायली एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने संयुक्त रूप से विकसित की है हथियार प्रणाली

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय नौसेना ने मंगलवार सुबह युद्धपोत आईएनएस विशाखापत्तनम से मध्यम दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम) सफलतापूर्वक दागी। इससे जहाज रोधी मिसाइलों को संलग्न करने की क्षमता प्रमाणित हुई है। एमआरएसएएम प्रणाली को डीआरडीओ और इजरायली एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। इसमें एमएसएमई सहित भारतीय सार्वजनिक और निजी रक्षा उद्योग की भी सक्रिय भागीदारी है। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड में निर्मित एमआरएसएएम से नौसेना की "आत्मनिर्भर भारत" के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित हुई है।

सेना ने बनाई एमआरएसएएम रेजिमेंट – भारतीय सेना ने अपनी वायु रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए पूर्वी थिएटर में अपनी पहली मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम) रेजिमेंट की स्थापना की है। यह रेजिमेंट लड़ाकू जेट, यूएवी, सब सोनिक और सुपरसोनिक मिसाइल आदि जैसे दुश्मन के हवाई खतरों से भारत की रक्षा करेगी। इस रेजिमेंट को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने स्वदेशी रूप से विकसित एमआरएसएएम वेपन सिस्टम से लैस किया है।

वायुसेना में हो चुकी है शामिल – मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली बराक-8 मिसाइल प्रणाली (एमआरएसएएम) को भारतीय वायुसेना में शामिल किया जा चुका है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने 09 सितम्बर, 2021 को जैसलमेर में एक कार्यक्रम में एमआरएसएएम को वायुसेना के 2204 स्क्वाड्रन में शामिल किये जाने की औपचारिकता पूरी की थी। इस मिसाइल में 50-70 किमी. की दूरी पर दुश्मन के विमान को मार गिराने की क्षमता है। यह आकाश के बाद दूसरा मिसाइल डिफेंस सिस्टम है, जो वायुसेना में शामिल किया गया है। एमआरएसएएम प्रणाली शत्रु की बैलिस्टिक मिसाइलों, विमानों, हेलीकॉप्टरों, ड्रोनों, निगरानी विमानों और अवाक्स यानी हवाई चेतावनी और नियंत्रण प्रणाली, विमान को मार गिराने में सक्षम होगी।

इसलिए खास है एमआरएसएएम प्रणाली – हवाई रक्षा के लिए एमआरएसएएम हर मौसम में 360 डिग्री पर काम करने वाली हवाई रक्षा प्रणाली है, जो किसी भी संघर्ष क्षेत्र में विविध तरह के खतरों के खिलाफ संवेदनशील क्षेत्रों की हवाई सुरक्षा करेगी।

एमआरएसएएम का वजन करीब 275 किलोग्राम, लंबाई 4.5 मीटर और व्यास 0.45 मीटर है। इस मिसाइल पर 60 किलोग्राम तक हथियार लोड किए जा सकते हैं। यह मिसाइल दो स्टेज की है, जो लॉन्च होने के बाद कम धुआं छोड़ती है। एमआरएसएएम एक बार लॉन्च होने के बाद 70 किलोमीटर के दायरे में आने वाली किसी भी मिसाइल, लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन और निगरानी विमानों को मार गिराने में पूरी तरह से सक्षम है। यह 2469.6 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से दुश्मनों पर प्रहार और हमला कर सकती है।

हानिकारक रंगों से बचें और आर्गेनिक रंगों का ही प्रयोग करें : आनंदीबेन पटेल

– राज्यपाल से गणमान्य नागरिकों एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने भेंटकर होली की बधाई दी

लखनऊ, (हि.स.)। होली के पावन पर्व पर मंगलवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भेंट की। इस दौरान अल्पसंख्यक कल्याण वक्फ एवं हज विभाग के मंत्री दानिश आजाद अंसारी, एडीजी लॉ एण्ड आर्डर प्रशांत कुमार अन्य जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों, विश्वविद्यालय के कुलपतिगण एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। इससे पूर्व राज्यपाल से प्रमुख सचिव कल्पना अवस्थी सहित राजभवन के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं बच्चों ने भेंट कर होली की बधाई दी। इस अवसर पर राज्यपाल ने राजभवन में कार्यरत कर्मचारियों को होली के उपलक्ष्य में उपहार स्वरूप मिष्ठान वितरित कर उन्हें बधाई दी। सभी के मंगलमय जीवन की कामना की। राज्यपाल ने कहा कि होली मिल जुलकर रहने और जीवन के रंगों को अपने भीतर आत्मसात करने का त्योहार है। होलिका दहन से हमें सीख मिलती है कि सारे बुरे कर्मों को छोड़कर अच्छे कर्मों को अपनाना चाहिए। उन्होंने अपील की कि त्वचा के लिए हानिकारक रंगो से बचें और आर्गेनिक रंगों का ही प्रयोग करें।

भू-माफियाओं पर करें कठोर कर्रवाई : योगी आदित्यनाथ

– जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनीं 500 लोगों की समस्याएं
– त्वरित और प्रभावी कार्रवाई में नहीं होनी चाहिए किसी भी स्तर पर लापरवाही

गोरखपुर, (हि.स.)। गोरखपुर दौरे पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं। हर हाल में हर व्यक्ति की जमीन को भू माफियाओं के अवैध कब्जा से छुड़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि भू माफिया को कानूनी सबक सिखाएं। जमीन कब्जाने से संबंधित शिकायतों पर त्वरित व प्रभावी कार्रवाई करें। लापरवाही क्षम्य नहीं है।

चिंता न करें, हल होगी समस्या – मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में आए लोगों को आश्वस्त किया कि सबकी समस्या का समाधान कराया जाएगा। किसी को भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

महिलाएं लेकर आई थीं जमीन से जुड़ी समस्या – गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के बाहर आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी ने 500 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं जमीन के विवाद व कब्जा किए जाने की शिकायत लेकर पहुंची थीं। मुख्यमंत्री ने इत्मीनान से उनकी परेशानी जानी। कार्रवाई का निर्देश दिया और कहा कि कोई भी दबंग जमीन कब्जा करने की जुर्रत न करे। आपसी विवाद के मामलों में काउंसिलिंग करें। यथोचित विधिक कर्रवाई भी करें। मुख्यमंत्री ने अपराध व जमीनी विवाद संबंधी शिकायतों को लेकर आए लोगों को आश्वस्त किया कि घबराइए मत, सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राजस्व विवाद निस्तारण में लाए तेजी – मुख्यमंत्री योगी ने जनता दर्शन में राजस्व से संबंधित शिकायतों पर तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जमीन की पैमाइश और राजस्व संबंधी मामलों का निस्तारण तेज करें।

गंभीर बीमारियों के इलाज को भी आये – जनता दर्शन में कुछ लोग गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने मदद का भरोसा दिया। इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का निर्देश दिया।

मुख्तार अंसारी के मददगार ठेकेदारों के घरों पर चला बुलडोजर

बांदा, (हि.स.)। चित्रकूट की जेल में मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी से बहू निखत की गुपचुप मुलाकात के बाद जांच के जद में आए बांदा के दो ठेकेदारों को एसटीएफ ने अभी हाल में ही उठाया था। दोनों से पूछताछ की गई थी। पूछताछ के बाद मुख्तार अंसारी परिवार से संलिप्तता पाए जाने पर मंगलवार को इनके घरों के अवैध निर्माण पर योगी सरकार का बुलडोजर चलाया गया। सबसे पहले खाई पार निवासी ठेकेदार इफ्तिखार खान के घर पर सुबह करीब 10.45 बजे ध्वस्तीकरण की कार्रवाई हुई। इसके बाद ठेकेदार रफीकुशमद के घर पर बुलडोजर चलाया गया। शहर कोतवाली अंतर्गत खांईपार मोहल्ले में रहने वाले सिंचाई विभाग के ठेकेदार इफ्तिखार के घर पर, पुलिस प्रशासन दल बल के साथ पहुंचा। सभी घर के लोगों को बाहर निकाल कर, मेन गेट और उसके बगल से लगी दुकान तथा मकान का छज्जा ढहा दिया। परिजनों ने बताया कि उन्होंने मकान का नक्शा बनवा रखा है। लेकिन प्रशासन का कहना था कि मकान के आगे निकला छज्जा अवैध है इसलिए इसे ध्वस्त किया गया है। इसी से लगी एक दीवार भी गिराई गई है। ठेकेदार इफ्तिखार खान को भी एसटीएफ ने पूछताछ के लिए उठाया था। इसके बाद जहां रात में पुलिस की एक टीम ने पत्रकार जफर के घर में तलाशी ली थी वही खाई पार स्थित ठेकेदार के खाईपार के घर में भी छापामार कार्रवाई हुई थी और आज सुबह ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। इसके बाद प्रशासन का यह कारवां दूसरे ठेकेदार रफीकुशमद के ईदगाह स्थित मकान में पहुंचा। यह मकान नया बन रहा है। इस मकान में भी छज्जा का निर्माण अवैध पाया गया हालांकि इस मकान का भी ठेकेदार द्वारा नक्शा बनवाया गया है। प्रशासन ने इस मकान का छज्जा दीवार और गेट तोड़ दिया। इसी क्रम में इनके पुराने मकान पर भी कार्रवाई की गई है। उल्लेखनीय है कि चित्रकूट जेल में अब्बास-निखत गैरकानूनी मुलाकात के मामले में शक के दायरे में घिरे शहर के मोहल्ला अलीगंज (रामा इमामबाड़ा के पास) निवासी रफीकुस्समद के घर 28 फरवरी को लखनऊ से आई एसटीएफ ने स्थानीय पुलिस के साथ दबिश दी थी। रफीक घर पर नहीं था। उसके बेटे जुनेद को हिरासत में लिया था। अगले दिन झांसी से रफीकुस्समद को भी हिरासत में लेकर बाप-बेटे से कई घंटे पूछताछ की थी। बाद में दोनों को घर भेज दिया। अब रफीकुस्समद पर नया शिकंजा कसा गया है।

ट्रेन में यात्री को थप्पड़ मारने वाला आरोपित टीटीई निलंबित

– आरोपित टीटीई का होली स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन में बेटिकट यात्रियों से वसूली व मारपीट का वीडियो हुआ था वायरल

मुरादाबाद, (हि.स.)। अमृतसर से गोरखपुर के बीच चलने वाली ट्रेन (05006) होली स्पेशल एक्सप्रेस में बीते शनिवार को यात्री को थप्पड़ मारने वाले आरोपित टीटीई को सीनियर डीसीएम सुधीर कुमार सिंह ने मंगलवार को निलंबित कर दिया हैं। आरोपित टीटीई का थप्पड़ मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है। मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कोचिंग सुधीर सिंह ने बताया कि चार मार्च को अमृतसर से गोरखपुर जा रही ट्रेन (05006) होली स्पेशल एक्सप्रेस में रात्रि 11 बजे के आसपास सहारनपुर और मुरादाबाद के बीच में टीटीई टिकट चेक कर रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान टीटीई अशोक कुमार बिना टिकट सफर कर रहे यात्रियों से रुपये ले रहे थे, जिसका वीडियो सफर कर रहे एक यात्री बनाने लगा। टीटीई ने उससे देखा तो वीडियो डिलीट करने को कहा, तो उसने टीटीई से बहस शुरू कर दी और देखते ही देखते अशोक कुमार ने उसको पीटना शुरू कर दिया। यह पूरा घटनाक्रम एक अन्य तीसरे यात्री ने अपने मोबाइल में कैद कर लिया। यात्री ने इस वीडियो को ट्विटर पर शेयर करते हुए मंडल रेल प्रबंधक मुरादाबाद और अन्य रेल अधिकारियों को टैग कर दिया। जिसके बाद सीनियर डीसीएम सुधीर सिंह ने आरोपी टीटीई को दोषी मानते हुए निलंबित कर दिया। डीसीएम ने बताया कि इस प्रकरण में और जांच की जा रही है जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर और कार्रवाई की जाएगी।

योगीराज में थर-थर कांपते हैं अपराधी

–छह साल में हुए एनकाउंटर में मारे गए 178 बदमाश

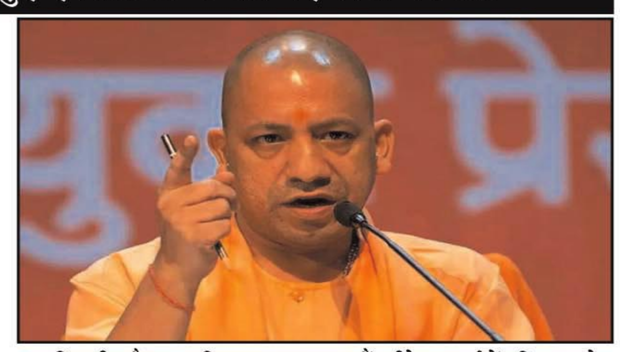

लखनऊ, (हि.स.)। कानून व्यवस्था को लेकर भले ही विपक्षी दल प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमलावर रहा हों लेकिन आकड़े कुछ और ही बयां करते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में अपराधियों ने अपराध छोड़ दिया है या प्रदेश छोड़ने को मजबूर हो गए हैं। जिन्होंने अपराध नहीं छोड़ा वे पुलिस के एनकाउंटर में ढेर हो गए। यही वजह है कि योगी राज में अपराधी थर-थर कांपते हैं। सरकार के प्रवक्ता ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि प्रयागराज की घटना में मारे गए दो बदमाशों के बाद बीते छह साल की बात करें तो मुठभेड़ में लगभग 178 बदमाश मारे गए हैं। मार्च 2017 से अब तक साढ़े दस हजार से अधिक मुठभेड़ हुई है। इनमें 12 पुलिसकर्मियों ने अपने प्राणों की आहूति दी है, जबकि 1400 पुलिसकर्मी घायल हुए। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में सर्वाधिक 41 अपराधी मारे गए थे। इससे पहले साल 2017 में 28, साल 2019 में 34, साल 2020 में 26, साल 2021 में 26 व पिछले वर्ष 2022 में 14 अपराधी मारे गए हैं। जबकि साल 2023 में अब तक नौ बदमाश मारे गए हैं। बीते छह वर्ष में पुलिस मुठभेड़ में 23 हजार से ज्यादा अपराधी गिरफ्तार किए गए है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सख्त रवैया अपनाया है। जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत अपराधियों की प्रदेश में कोई जगह नहीं है।

चार साल बाद 111 आदिवासियों ने ईसाई धर्म छोड़ सरना में वापसी की

–धर्म वापसी करने वालों में 45 पुरुष एवं 66 महिलाएं

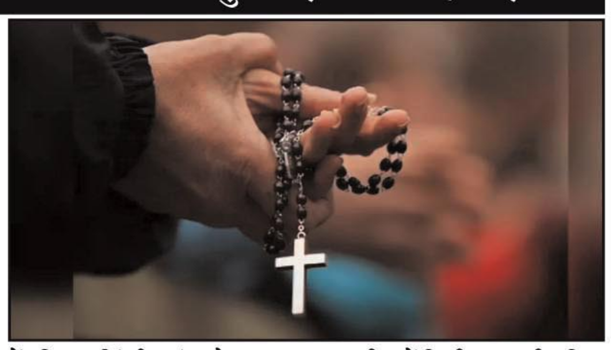

साहिबगंज, (हि.स.)। साहिबगंज जिले के बरहेट प्रखंड क्षेत्र के सुदूरवर्ती गांव में आदिवासी समुदाय के 111 लोगों ने चार साल बाद ईसाई धर्म छोड़ सरना धर्म में वापसी की है। इस दौरान ईसाई धर्म वापस आने वाले लोगों का आदिवासी विधि-विधान से शुद्धिकरण किया गया। उन लोगों को नंगे पैर आग पर चलाया गया, सभी के ऊपर गंगाजल छिड़का गया और सभी के पैर धुलवा कर सरना धर्म में वापस लाया गया। महिलाओं के पैरों को धुल कर उन्हें शुद्ध कर सनातन धर्म में वापसी करायी गई। धर्म वापसी पर सभी महिलाओं को साड़ी और पुरुषों को धोती-गमछा देकर सम्मानित किया गया। सनातन धर्म में वापसी होने पर तालामय बास्की और नटवा बेसरा ने बताया कि बरहेट प्रखंड से लगभग 30 किलोमीटर पहाड़ी क्षेत्र में स्थित सिंदरी गांव के 111 आदिवासियों ने चार साल पहले ईसाई धर्म को अपना लिया था। उन्हें कई तरह का प्रलोभन दिया गया था और कहा गया कि अगर ईसाई धर्म अपना लेते हैं तो उन्हें सारी सुविधाएं दी जाएंगी। बच्चों की शिक्षा, खाने-पीने सहित रोजगार भी दिया जाएगा। ईसाई धर्म प्रचारक के बहकावे में आने के बाद भी उन्हें किसी प्रकार की सुविधा नहीं मिली। ईसाई धर्म अपनाने के बाद उन्हें काफी घुटन महसूस हो रही थी। इसलिए एक बार पुनः अपने धर्म के प्रति आस्था और रुचि रखकर पूरे नियम व विधि-विधान के साथ सभी ने ग्रामीणों के सहयोग से पुनः अपने सरना धर्म में वापसी की, जिसमें 45 पुरुष एवं 66 महिला शामिल हैं।

होली और शब-ए-बारात को लेकर एक कंपनी रैफ सहित 3000 जवान रहेंगे तैनात

रांची, (हि.स.)। रांची में होली और शब-ए-बारात को लेकर एक कंपनी रैफ सहित 3000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गयी है। इनमें तीन कंपनी रैपिड एक्शन पुलिस (रैप), एक कंपनी इको, एसआइआरबी, आइआरबी, जैप-10, जैप-2, जिला पुलिस, लाठी बल और पुलिस पदाधिकारी शामिल हैं।

इस 3000 पुलिसकर्मियों में महिला पुलिस भी शामिल हैं। इसके अलावा बज्र वाहन, फायर ब्रिगेड, रंगीन पानी का कंटेनर, टियर गैस दस्ता को भी लगाया गया है। जिला प्रशासन ने विभिन्न स्थानों पर काफी संख्या में दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति भी की है। अतिसंवेदनशील तथा संवेदनशील इलाकों में रैपिड एक्शन फोर्स की भी तैनाती रहेगी। दोनों समुदायों के लोगों से जिला प्रशासन ने अपील की है कि अफवाह पर ध्यान न दें और न ही अफवाह फैलाये। किसी प्रकार की बात सामने आने पर पुलिस को सूचना दें, ताकि अप्रिय घटना से निबटा जा सके।

रांची के नगड़ी से अपहृत बच्चे का शव बरामद

रांची, (हि.स.)। राजधानी के एदलहातू में रहने वाले राजू गोप के आठ वर्षीय बेटे शौर्य का शव मंगलवार को नगड़ी से बरामद हुआ। शौर्य के गायब होने के बाद रांची पुलिस सघन तलाशी अभियान चलाते हुए आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही थी। फुटेज में देखा गया था कि एक सफेद कार में सवार युवक ने दुकान से घर लौट रहे शौर्य को अपने पास बुलाया और साथ लेकर चला गया। मामला संज्ञान में आते ही पुलिस की टीमें राज्य के अलग-अलगे हिस्से में छापेमारी कर रही थी। जानकारी के अनुसार अपहरण वाले दिन ही शौर्य की हत्या कर शव को नगड़ी के पास फेंक दिया गया था। पुलिस को अंदेशा है कि मासूम बच्चे का अपहरण जिस तरह किया गया था, उसे देखकर साफ पता चलता है कि अपहरण करने वाला कोई करीबी था। क्योंकि उसके बुलावे पर शौर्य उसके पास गया। फिर काफी देर तक उससे बातचीत की। उसके बाद वह बच्चे को लेकर फरार हो गया। हालांकि, बच्चे के अपहरण के बाद परिवार वालों से किसी भी तरह की फिरौती की मांग नहीं की गई थी। मासूम शौर्य के पिता राजू गोप के अनुसार उनकी किसी से भी कोई दुश्मनी नहीं थी। फिर भी उनके बेटे को क्यों अगवा कर मार दिया गया, यह समझ नहीं आ रहा है। अपहरण कांड की गुत्थी को सुलझाने के लिए रांची पुलिस की कई टीमें काम कर रही थी, लेकिन अपहरण वाले दिन ही शौर्य की हत्या कर दी गई। पुलिस की टीम अब हत्यारे को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही है। रांची के एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि मामले में कुछ सुराग हासिल हुए हैं। उसी आधार पर छापेमारी की जा रही है, जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

पटना जंक्शन से लापता मोबाइल कंपनी के एग्जीक्यूटिव मैनेजर से 25 लाख की मांगी फिरौती

पटना, (हि.स.)। एक नामी मोबाइल कंपनी के एग्जीक्यूटिव मैनेजर सौरभ सुमन पटना जंक्शन से रहस्यमय तरीके से लापता हो गए हैं। पिछले 2 दिनों से उनका कुछ भी पता नहीं चल रहा है। परिवार का दावा है कि सौरभ सुमन का अपहरण कर लिया गया है। उनके मोबाइल से ही व्हाट्सएप मैसेज कर दो दिनों में 25 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई है। रुपये भी किसी और के नहीं, बल्कि सौरभ सुमन के ही बैंक अकाउंट में भेजने को कहा गया है। परिवार को कहा गया है कि आपने ऐसा नहीं किया तो बेटे से हमेशा के लिए हाथ धो बैठेंगे। इस मामले में सोमवार को पटना जंक्शन रेल थाना में एफआईआर दर्ज किया गया है। अब राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) की टीम जांच में जुट गई है। सौरभ सुमन मूल रूप से बांका जिले में अमरपुर थाना के तहत महादेवपुर के रहने वाले हैं। 2009 में उनकी शादी हुई है। एक बेटा और एक बेटी के वे पिता हैं। वर्तमान में परिवार के साथ वो भागलपुर के तातारपुर इलाके में रहते हैं। क्योंकि, सौरभ भागलपुर में ही नामी मोबाइल कंपनी के एग्जीक्यूटिव मैनेजर हैं। परिवार के अनुसार 3 मार्च को भागलपुर से पटना के लिए चले थे। पटना पहुंचे भी। वो कंपनी की मीटिंग अटेंड करने के लिए आए थे। रात में एग्जीविशन रोड के एक होटल में वो रुके थे। 4 मार्च को मीटिंग अटेंड करने के बाद रात में ही ट्रेन से उन्हें वापस भागलपुर जाना था। इसके लिए वो पटना जंक्शन पहुंचे थे। रात में करीब 9:30 बजे उन्होंने स्टेशन से ही अपनी पत्नी को वीडियो कॉल किया था। उनसे बात की थी। अगली सुबह 5 मार्च को घर पहुंचने की बात सौरभ ने कही थी। पर वो अब तक नहीं पहुंचे। पत्नी से बात करने के बाद से ही उनका मोबाइल स्विच ऑफ है। सौरभ सुमन के छोटे भाई सुमितानंद सीआईएसएफ के जवान हैं और धनबाद में उनकी पोस्टिंग है। इनकी मां सरिता देवी टीचर हैं और भागलपुर में ही इनकी पोस्टिंग है। जब 5 मार्च को सौरभ अपने घर नहीं पहुंचे तो पूरा परिवार परेशान हो गया। परिवार ने अपने स्तर से खोजबीन शुरू ही की थी।तभी 5 मार्च की रात में 10.44 बजे सौरभ के ही मोबाइल नंबर से उनकी मां सरिता देवी को वाटसएप पर एक मैसेज आया। जिसमें लिखा था कि 'अगर बेटा चाहिए तो 2 दिन में 25 लाख रुपये सौरभ सुमन के बैंक अकाउंट में ही भेज दो, नहीं तो बेटा से हाथ धो बैठोगी। 25 लाख भेजने के दो दिन बाद बेटा मिल जाएगा। अगर कोई चालाकी की तो बेटा नहीं मिलेगा। यह खबर किसी को नहीं बताना है।अगर कहीं यह खबर लीक हुई तो समझ जाना क्या होगा? शरीर का सारा अंग निकाल के बेच देंगे तो इससे ज्यादा पैसा मिल जाएगा। बेटा या पैसा। तुम्हारे हाथ में 2 दिन ही है। दो दिन के बाद कहानी खत्म'। इस मैसेज पर मां ने वाटसएप जवाब दिया कि 'हमको कैसे पता कि मेरा बेटा आपके पास है। हमको एक बार मेरे बेटे से बात करवाइए। पैसे का इंतजाम हम कर देंगे'। सुमन की तलाश में परिवार भागलपुर से पटना पहुंचा। 6 मार्च को दिनभर पटना जंक्शन रेल थाना में केस दर्ज कराने के लिए परिवार ने चक्कर लगाए।

लालू यादव से सीबीआई की पूछताछ पर भड़कीं रोहिणी

-कहा, पापा को कुछ हुआ तो दिल्ली की कुर्सी हिला दूंगी

पटना, (हि.स.)। राजद सुप्रीमो लालू यादव को किडनी डोनेट करने के बाद काफी चर्चा में आयी उनकी बेटी रोहिणी पिछले दो दिनों से भड़की हुई हैं। नौकरी के बदले जमीन हड़पने के आरोप का सामना कर रहे राजद सुप्रीमो लालू यादव से मंगलवार को राजद सांसद मीसा भारती के दिल्ली स्थित आवास में सीबीआई ने पूछताछ की। उल्लेखनीय है कि लालू यादव का सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट हुआ है। लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने ही उन्हें किडनी डोनेट की थी। इसके पूर्व सोमवार को सीबीआई ने पटना स्थित आवास पर राबड़ी देवी से पूछताछ की थी। लालू यादव से हुई सीबीआई पूछताछ पर लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने सख्त एतराज जताते हुए यहां तक कहा है कि लालू यादव को परेशान किया जा रहा है। अगर उन्हें कोई परेशानी होगी तो दिल्ली की कुर्सी हिला देंगे। रोहिणी ने अपने परिवार के साथ लगातार हो रही सीबीआई की पूछताछ को प्रतिशोध की राजनीति कहा है। रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए मंगलवार को ट्वीट किया है। ट्वीट में रोहिणी आचार्य ने लिखा है, पापा को लगातार परेशान किया जा रहा है। अगर उन्हें कुछ हुआ तो मैं किसी को नहीं छोड़ूंगी। पापा को तंग कर रहे हैं। यह ठीक बात नहीं है। यह सब याद रखा जाएगा।

समय बलवान होता है, उसमें बड़ी ताकत होती है। यह याद रखना होगा। अब बर्दाश्त करने की सीमा जवाब दे रही है। उल्लेखनीय है कि साल 2004-2009 के दौरान रेल मंत्री रहते हुए लालू यादव और उनके परिवार पर रेलवे में नौकरी के बदले लोगों से 1.05 लाख वर्ग फुट जमीन कम दाम या तोहफे में लेने का आरोप है। इस मामले में सीबीआई ने लालू प्रसाद पर 18 मई, 2022 को प्राथमिकी दर्ज की थी। लालू प्रसाद के अलावा उनकी पत्नी राबड़ी देवी, पुत्री मीसा भारती, हेमा यादव समेत 16 लोगों को नामजद आरोपित बनाया गया है।

बेगूसराय में बनेगा शुष्क बंदरगाह, स्वच्छ भारत सुंदर भारत को मिलेगी गति : कुंदन कुमार

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार की औद्योगिक नगरी बेगूसराय में प्रत्येक दिन टैंकर एवं ट्रक सहित आठ हजार से अधिक मालवाहक वाहन आते हैं। समुचित जगह नहीं रहने के कारण यह सब सड़क किनारे जहां-तहां खड़े रहते हैं। लेकिन अब इन वाहनों के लिए पार्किंग बनाने की प्रक्रिया तेज हो गई है। बेगूसराय विधायक कुंदन कुमार द्वारा एक ओर इस मामले को लगातार विधानसभा में उठाया जा रहा है तो दूसरी ओर 16 फरवरी को बेगूसराय में समाधान यात्रा के दौरान समीक्षा बैठक में विधायक ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समक्ष इस मुद्दे को उठाया। जिसके बाद प्रशासनिक प्रक्रिया तेज हो गई है, डीएम के निर्देश पर भूमि का चयन किया जा रहा है। औद्योगिक नगरी के रूप में अपनी एक विशेष पहचान रखने वाला बेगूसराय जिला केंद्र सरकार की विभिन्न परियोजनाओं से लाभान्वित होकर अपने स्वरूप के विस्तारीकरण में जुटा है। ऐसे में यहां उद्योगों के बढ़ते स्वरूप ने यातायात को सर्वाधिक प्रभावित किया है। आइओसीएल रिफाइनरी, पेप्सी प्लांट, एनटीपीसी, सुधा डेयरी, फर्टिलाइजर समेत अन्य उद्योगों से संबंधित बड़े वाहनों के यत्र-तत्र पड़ाव के कारण आम जनमानस को परेशानी हो रही है। असुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार से शुष्क बंदरगाह/कंटेनर यार्ड के निर्माण संबंधित प्रयास करना और इस दिशा में सरकार द्वारा सकारात्मक उत्तर देना जिले वासियों के लिए हर्ष का विषय है। क्षेत्र विकास की नई-नई परियोजनाओं से जुड़ रहा है तो ऐसे में दूरदर्शितापूर्ण प्रयास से जिले वासियों को यह विश्वास है कि विकास के प्रयास में किसी भी परिस्थिति में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। सत्र के दौरान यूं तो विकास से संबंध रखने वाले विभिन्न मुद्दे संज्ञान में लाए जा रहे हैं और उसके निष्पादन के लिए यथासंभव प्रयास किया जा रहा है। लेकिन शुष्क बंदरगाह के निर्माण की पहल विधायक की दूरदर्शिता एवं विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। कंटेनर यार्ड का निर्माण होने के बाद बेतरतीब तरीके से सड़कों पर बड़े वाहनों के पार्किंग की समस्या से ना केवल निजात मिलेगा। बल्कि इससे सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में भी कमी आएगी एवं जानमाल की रक्षा होगी। शुष्क बंदरगाह निर्माण के फायदों की विस्तृत चर्चा करते हुए विधायक कुंदन कुमार ने मंगलवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रमुख योजना स्वच्छ भारत सुंदर भारत को गति मिलेगी। इसके अलावा देश के विभिन्न राज्यों से बेगूसराय आए वाहन चालकों को भी सुविधाएं मिलेगी। जिससे उनका जीवन भी सामान्य होगा, शुष्क बंदरगाह के निर्माण के बाद डोरमेटरी, शौचालय, पार्किंग समेत अन्य माध्यमों से सरकार के राजस्व में भी वृद्धि होने की प्रबल संभावनाएं हैं। आठ-नौ हजार भारी वाहनों के पड़ाव की उपयुक्त व्यवस्था से यातायात को सुगमता, सड़क दुर्घटनाओं में कमी से स्थानीय लोगों को राहत के साथ बाहर से आने वाले लोगों के लिए सुविधाजनक माहौल उत्पन्न होगा। जिला प्रशासन की सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य आयुष ईश्वर ने बताया कि बड़े मालवाहक वाहनों के लिए समुचित पार्किंग की व्यवस्था होने से बेगूसराय में तेज हो चुके सड़क हादसे में कमी आएगी। इससे ना केवल सड़क हादसे में कमी आएगी, बल्कि पार्किंग के आसपास कम पूंजी वाले लोगों को व्यवसाय का भी सुगम अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि बिहार विधानसभा सत्र के दौरान विधायक कुंदन कुमार द्वारा बेगूसराय जिले की विभिन्न समस्याएं जिस प्रकार से सदन के पटल पर रखी जा रही है एवं उसके निष्पादन के लिए सकारात्मकता से प्रत्युत्तर दिए जा रहे है। इससे यह स्पष्ट होता है कि निकटवर्ती भविष्य में बेगूसराय एक बार पुनः अपनी ऐतिहासिकता को संपूर्णता से प्राप्त करेगा।

संपादकीय

मोदी-पराजय का फॉर्मूला

प्रधानमंत्री मोदी से लेकर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और कुछ वक्त के लिए कांग्रेस के चुनावी सलाहकार एवं रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर ने भाजपा और मोदी को चुनावी चुनौती देने का एक फॉर्मूला बताया है। वह कितना कारगर साबित होगा, यह तो चुनाव ही तय करेंगे, लेकिन उनका दावा है कि विपक्ष के कितने भी गठबंधन तैयार कर लिए जाएं अथवा वे किसी भी तरह की लामबंद राजनीति कर लें, प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा को पराजित करना फिलहाल संभव नहीं है। प्रशांत ने तब यह दावा किया है, जब विपक्ष के 9 बड़े नेताओं ने केंद्रीय जांच एजेंसियों के अत्यंत दुरुपयोग के मद्देनजर प्रधानमंत्री मोदी को एक साझा पत्र भेजा है। इन नेताओं में शरद पवार, ममता बनर्जी, चंद्रशेखर राव, अरविंद केजरीवाल, भगवंत मान, तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव, फारूक अब्दुल्ला और उद्धव ठाकरे शामिल हैं। सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय के अतिरेक दुरुपयोग का हालिया उदाहरण मनीष सिसोदिया का दिया गया है। चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर का विश्लेषण है कि हिंदुवाद, राष्ट्रवाद और विभिन्न लाभार्थी समूह भाजपा की चुनावी जीत की बुनियाद हैं। भाजपा काडर और संघ परिवार इन आधारों को सुरक्षित रखते हैं और सुनिश्चित भी करने में सक्षम हैं। देश में जितने भी हिंदू हैं, उनका आधा हिस्सा भी प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के मतदाता नहीं हैं। औसतन 38-40 फीसदी वोट ही भाजपा के पक्ष में आते हैं, शेष उनके खिलाफ अलग-अलग पक्षों में बंट जाते हैं। जो विरोधी पक्ष हिंदू हैं, उनमें गांधीवादी, अंबेडकरवादी, सोशलिस्ट और कम्युनिस्ट विचारधारा के भी लोग हैं। हिंदू सिर्फ संघवादी ही नहीं हैं। प्रशांत किशोर का आकलन है कि यदि हिंदुवाद, राष्ट्रवाद और लाभार्थी में से दो आधारभूत वोट बैंक में प्रभावी सेंध लगाई जाए, तो विपक्ष चुनावों में प्रधानमंत्री मोदी को तगड़ी चुनौती दे सकता है। लाभार्थियों में वे समुदाय और वर्ग शामिल हैं, जिन्हें मुफ्त 5 किलोग्राम अनाज मिल रहा है या उनके बैंक खातों में राशि जमा कराई जा रही है अथवा जिन बहुत छोटे कारोबारियों को मुद्रा लोन मुहैया कराए जा रहे हैं। इन लाभार्थियों में महिलाएं, किसान और गरीब तबके शिद्दत से मोदी और भाजपा के पक्ष में वोट दे रहे हैं। जिन राज्यों में सरकारों ने कल्याण, समाज-सेवा के बेहतर काम किए हैं, स्थानीय गौरव और इतिहास को जिंदा रखा है, वे स्थानीय चुनावों में भाजपा के राष्ट्रवाद को पराजित करते रहे हैं। मसलन-पश्चिम बंगाल। लेकिन लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय परिस्थितियां, कई विरोधाभासों के बावजूद, प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के पक्ष में रहती हैं। फिलहाल 2024 की संभावनाएं भी ऐसी लगती हैं। प्रशांत का मानना है कि फिलहाल प्रधानमंत्री मोदी देश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। उन्हें सिर्फ विपक्षी गठबंधन के आधार पर पराजित नहीं किया जा सकता। प्रशांत अब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी, राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में, अप्रासंगिक नेता मान रहे हैं। मौजूदा मुख्यमंत्री काल उनका अंतिम है। उनकी पार्टी भी दरक और टूट रही है। लोगों में उनके प्रति जो सम्मान का भाव होता था, अब व्यापक मोहभंग में तब्दील होता जा रहा है। जब एक नेता स्थानीय स्तर पर खारिज कर दिया जाता है, तो उसके राष्ट्रीय स्तर पर सत्ता-परिवर्तन के आह्वान खोखले और निरर्थक साबित होने लगते हैं। कांग्रेस के संदर्भ में प्रशांत राहुल गांधी को 'सर्वमान्य नेता' मानते हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्वीकृति अब भी बहुत दूर है। उनका मानना है कि कांग्रेस को जमीनी स्तर पर आंदोलन की तरह अभियान जारी रखने चाहिए। पार्टी लगातार जनमत तैयार करती रहे।

> चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर का विश्लेषण है कि हिंदुवाद, राष्ट्रवाद और विभिन्न लाभार्थी समूह भाजपा की चुनावी जीत की बुनियाद हैं। भाजपा काडर और संघ परिवार इन आधारों को सुरक्षित रखते हैं और सुनिश्चित भी करने में सक्षम हैं। देश में जितने भी हिंदू हैं, उनका आधा हिस्सा भी प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के मतदाता नहीं हैं। औसतन 38-40 फीसदी वोट ही भाजपा के पक्ष में आते हैं, शेष उनके खिलाफ अलग-अलग पक्षों में बंट जाते हैं। जो विरोधी पक्ष हिंदू हैं, उनमें गांधीवादी, अंबेडकरवादी, सोशलिस्ट और कम्युनिस्ट विचारधारा के भी लोग हैं। हिंदू सिर्फ संघवादी ही नहीं हैं। प्रशांत किशोर का आकलन है कि यदि हिंदुवाद, राष्ट्रवाद और लाभार्थी में से दो आधारभूत वोट बैंक में प्रभावी सेंध लगाई जाए, तो विपक्ष चुनावों में प्रधानमंत्री मोदी को तगड़ी चुनौती दे सकता है। लाभार्थियों में वे समुदाय और वर्ग शामिल हैं, जिन्हें मुफ्त 5 किलोग्राम अनाज मिल रहा है या उनके बैंक खातों में राशि जमा कराई जा रही है अथवा जिन बहुत छोटे कारोबारियों को मुद्रा लोन मुहैया कराए जा रहे हैं।

बोध कथा

गोल्डन बैल्ट

सालामिस शहर की ओर जाते हुए दो आदमियों का साथ हो गया। दोपहर तक वे एक नदी तक आ गए, जिस पर कोई पुल नहीं था। अब उनके पास दो विकल्प थे–तैरकर नदी पार कर लें या कोई दूसरी सड़क तलाश करें। "तैरकर ही पार चलते हैं," वे एक दूसरे से बोले, "नदी का पाट कोई बहुत चौड़ा तो नहीं है।" उनमें से एक आदमी, जो अच्छा तैराक था, बीच धार में खुद पर नियंत्रण खो बैठा और तेज बहाव की ओर खिंचने लगा। दूसरा आदमी, जिसे तैरने का अभ्यास नहीं था, आराम से तैरता हुआ दूसरे किनारे पर पहुंच गया। वहाँ पहुँचकर उसने अपने साथी को बचाव के लिए हाथ पैर मारते हुए देखा तो फिर नदी में कूद पड़ा और उसे भी सुरक्षित किनारे तक ले आया। "तुम तो कहते थे कि तुम्हें तैरने का अभ्यास नहीं है, फिर तुम इतनी आसानी से नदी कैसे पार गए?" पहले व्यक्ति ने पूछा। "दोस्त," दूसरा आदमी बोला, "मेरी कमर पर बँधी यह बैल्ट देखते हो, यह सोने के सिक्कों से भरी हुई है, जिसे मैंने साल भर मेहनत कर अपनी पत्नी और बच्चों के लिए कमाया है। इसी कारण मैं आसानी से नदी पार कर गया। तैरते समय मैं अपने पत्नी और बच्चों को अपने कन्धे पर महसूस कर रहा था।"

अमृत कलश

हृदय की शुद्धि

विचार बहुत महत्त्वपूर्ण होता है क्योंकि 'जो कुछ हम सोचते हैं, वही हम हो जाते हैं'। एक समय एक संन्यासी एक पेड़ के नीचे बैठता था और लोगों को पढ़ाया करता था। वह केवल दूध पीता था और फल खाता था और असंख्य प्राणायाम किया करता था। फलतः अपने को बहुत पवित्र समझता था। उसी गाँव में एक कुलटा स्त्री रहती थी। प्रति दिन संन्यासी उसके पास जाता था और उसे चेतावनी देता था कि उसकी दुष्टता उसे नरक में ले जायगी। बेचारी स्त्री अपने जीवन का ढंग नहीं बदल पाती थी, क्योंकि वही उसकी जीविका का एकमात्र उपाय था, फिर भी वह उस भयंकर भविष्य की कल्पना से सहम जाती थी, जिसे संन्यासी ने उसके समक्ष चित्रित किया था। वह रोती थी और प्रभु से प्रार्थना करती थी कि वे उसे क्षमा करें क्योंकि वह विवश थी। कालान्तर में कुलटा स्त्री और संन्यासी दोनों ही मरे। स्वर्गदूत आये और उसे स्वर्ग ले गये, जब कि संन्यासी की आत्मा को यमदूतों ने पकड़ा। वह चिल्लाया, "ऐसा क्यों? क्या मैंने पवित्रतम जीवन नहीं बिताया है और प्रत्येक मनुष्य को पवित्र होने की शिक्षा नहीं दी है? मैं नरक में क्यों ले जाया जाऊँ, जब कि यह कुलटा स्त्री स्वर्ग ले जायी जा रही है?" यमदूतों ने उत्तर दिया, "क्योंकि जब वह अपवित्र कार्य करने को विवश थी, उसका मन सदैव भगवान् में लगा रहता था और वह मुक्ति माँगती थी, जो अब उसे मिली है। किन्तु इसके विपरीत तुम यद्यपि पवित्र कार्य ही करते थे, परन्तु अपना मन सदैव दूसरों की दुष्टता पर ही रखते थे, तुम केवल पाप देखते थे और केवल पाप का ही विचार करते थे और इसलिए अब तुम्हें उस स्थान को जाना पड़ रहा है, जहाँ केवल पाप ही पाप है।" इस कहानी की शिक्षा स्पष्ट है। बाह्य जीवन कम महत्त्व का होता है, हृदय शुद्ध होना चाहिए और शुद्ध हृदय केवल शुभ को ही देखता है, अशुभ को कभी नहीं। हमें मनुष्य जाति के अभिभावक बनने की कभी चेष्टा न करनी चाहिए, न कभी पापियों का सुधार करनेवाले सन्त के रूप में वक्तृतामंच पर खड़े होना चाहिए।

भारतीय लोकतंत्र खतरे में है और सरकार से असहमत लोगों के साथ विपक्ष की आवाज दबाई जा रही

भारत की प्रतिष्ठा धूमिल करने के राहुली प्रयास

ललित गर्ग

> गांधी ने लंदन की कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में पेगासस को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। वह देश में इस तरह की बातें करते ही रहे हैं कि मोदी सरकार के चलते भारतीय लोकतंत्र खतरे में है और सरकार से असहमत लोगों के साथ विपक्ष की आवाज दबाई जा रही है। वह वहां यह भी कह गए कि भारत की सभी संस्थाओं और यहां तक कि न्यायालयों पर भी सरकार का कब्जा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनके सरकार चलाने के तौर-तरीकों की तीव्र आलोचना की, जो महज खिसियाहट भरी अभद्र राजनीति का ही परिचायक नहीं था, बल्कि इसका भी प्रमाण था कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के लिए कोई किस हद तक जा सकता है, देश के गौरव को दाव पर लगा सकता है।

देश पर सर्वाधिक समय शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर विदेशी की धरती पर होहल्ला मचाते हुए भारत की छवि को धूमिल करने का घृणित एवं गैरजिम्मेदाराना काम किया है। गांधी ने लंदन की कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में पेगासस को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। वह देश में इस तरह की बातें करते ही रहे हैं कि मोदी सरकार के चलते भारतीय लोकतंत्र खतरे में है और सरकार से असहमत लोगों के साथ विपक्ष की आवाज दबाई जा रही है। वह वहां यह भी कह गए कि भारत की सभी संस्थाओं और यहां तक कि न्यायालयों पर भी सरकार का कब्जा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनके सरकार चलाने के तौर-तरीकों की तीव्र आलोचना की, जो महज खिसियाहट भरी अभद्र राजनीति का ही परिचायक नहीं था, बल्कि इसका भी प्रमाण था कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के लिए कोई किस हद तक जा सकता है, देश के गौरव को दाव पर लगा सकता है। राहुल गांधी ने जिस तरह प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया, क्या यह देश के सर्वोच्च राजनीतिक दल की गैर जिम्मेदाराना राजनीति का परिचायक नहीं है? राहुल गांधी ने यह बात ठीक उस वक्त कही, जब कुछ ही घंटे पहले सर्वोच्च न्यायालय ने दो ऐसे फैसले दिए थे, जो सरकार के अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण करते हुए भी देखे गए। एक फैसले के तहत उसने निर्वाचन आयोग के आयुक्तों की नियुक्ति में सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश को भागीदार बनाया और दूसरे के तहत अदाणी मामले की जांच करने के लिए अपने हिसाब से एक समिति गठित की। सबसे हैरानी एवं दुर्भाग्य की बात यह रही कि राहुल गांधी ने पेगासस मामले को नए सिरे से उछाला और अपनी जासूसी का आरोप लगाते हुए यह हास्यास्पद दावा भी किया कि खुद खुफिया अधिकारियों ने उनसे कहा था कि उनका फोन रिकार्ड किया जा रहा है और उन्हें संभल कर बात करनी चाहिए। स्पष्ट है कि उन्होंने यह बताना आवश्यक नहीं समझा कि सुप्रीम कोर्ट की एक समिति ने इस मामले की जांच की थी और उसने यह पाया था कि उसके पास जांच के लिए आए फोन में से किसी में भी जासूसी उपकरण नहीं मिला। लगता है पेगासस राहुल के मोबाइल में नहीं, उनके दिमाग में है। राहुल गांधी अक्सर भाजपा सरकार एवं नरेन्द्र मोदी के विरोध में स्तरहीन एवं तथ्यहीन आलोचना, छिद्रान्वेशन करते रहे हैं। ऐसा लगता है उनकी चेतना में स्वस्थ समालोचना के बजाय विरोध की चेतना मुखर रहती है। राहुल गांधी न सही, कम से कम उनके सहयोगियों और सलाहकारों को यह पता होना चाहिए कि उनकी घिसी-पिटी बातें और यह राग लोगों को प्रभावित नहीं कर रहा बल्कि देश को बर्बाद कर रहा है। विदेश की धरती पर ऐसी सारहीन, तथ्यहीन एवं भ्रामक आलोचना से दुनिया में भारत की छवि को भारी नुकसान पहुंचता है। राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता एवं नासमझी के अनेक किस्से हैं, अक्सर वे खुद को सही साबित करने के लिए, छल का सहारा लेने में लगे रहते हैं। अफसोस केवल यह नहीं कि बिना किसी सुबूत राहुल गांधी झूठ का पहाड़ खड़ा करने में लगे हुए हैं, बल्कि इस पर भी है कि अनेक जिम्मेदार राजनेताओं ने उनकी झूठ की राजनीति में सहभागी बनना बेहतर समझा। यही कारण है कि कांग्रेस एवं उसके अनर्गल प्रलाप में सहभागी बनने वाले राजनीतिक दल लगातार हार का मुंह देख रहे हैं, फिर भी कोई सबक लेने एवं सुधरने का प्रयास नहीं करते। पूर्वोत्तर के तीन राज्यों में कांग्रेस को जो पराजय मिली, वह उसके खोखलेचिंतन, अपरिपक्व राजनीति, तथ्यहीन बयानों और दृष्टिहीनता का ही नतीजा है। राहुल गांधी अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों के लिए किस तरह विदेश में देश को नीचा दिखाने पर तुले हुए हैं, इसका पता इससे चलता है कि उन्होंने यह कह दिया कि मोदी सरकार सिखों, ईसाइयों और मुसलमानों को दोयम दर्जे का नागरिक समझती है। यह एक किस्म की शरारत ही नहीं, देश की एकता को खंडित करने की कोशिश भी है। यह देश को तोड़ने एवं आपसी सौहार्द को भंग करने की कुचेष्टा है। अच्छा होता कि कोई उन्हें यह बताता कि भाजपा ने ईसाई बहुल नगालैंड में केवल 20 सीटों पर चुनाव लड़कर 12 सीटों पर जीत हासिल की है। किसी को राहुल गांधी को यह भी बताना चाहिए कि वह भारत विरोधी एवं भारत के दुश्मन चीन का बखान करके भारत के जख्मों पर नमक छिड़कने का ही काम कर रहे हैं। यह एक तरह की सस्ती, स्वार्थी और एक तरह से देशघाती राजनीति है। राहुल गांधी भले ही नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार रूपी साफ-सुथरे 'आइने' पर धूल जमी होने का ख्वाब देख रहे हो मगर असलियत में उसके 'चेहरे' पर ही धूल लगी हुई है जिसे उसे साफ करके 'आइने' में अपना चेहरा देखना होगा। क्योंकि दुनियाभर के राजनेता एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति भारत एवं नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा कर रहे हैं, जी-20 के सम्मेलन में भाग लेते हुए दिल्ली में एक दिन पहले ही इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दुनियाभर में लोग प्यार करते हैं। इसी तरह माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के संस्थापक बिल गेट्स ने भी पिछले दिनों एक लेख लिखकर बताया कि भारत विश्व को विकास एवं शांति की राह दिखा रहा है। ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, रूस, जापान और इजरायल सहित अनेक देशों के प्रमुख राजनेता भारत के प्रयासों की सराहना कर चुके हैं। ऐसे में जब राहुल गांधी विदेश में जाकर प्रधानमंत्री मोदी, उनकी सरकार और अन्य संस्थाओं के संबंध में नकारात्मक टिप्पणी करते हैं, तब उनके बारे में क्या ही छवि बनती होगी? यह भी ध्यान में आता है कि राहुल गांधी भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर भी भरोसा नहीं करते हैं अपितु उन्हें भी नीचा दिखाने का प्रयास करते हैं। एक विदेशी संस्थान में यह कहना कि भारत में मीडिया और न्यायपालिका स्वतंत्र नहीं रह गए हैं, यह उचित नहीं ठहराया जा सकता। राहुल गांधी बताएं कि वे किस आधार पर यह कह रहे थे? क्या न्यायपालिका ने यह कहा है कि वह स्वतंत्र नहीं है? या फिर मीडिया संस्थान और न्यायपालिका से लेकर चुनाव आयोग एवं अन्य संवैधानिक संस्थाएं भी कांग्रेस के झूठे आरोपों और वितंडावाद से परेशान हो चुकी है। जब राहुल गांधी राफेल सौदे में गड़बड़ी को इंगित करते तब फिर वे क्या हासिल करने के लिए एक जरूरी रक्षा सौदे को संदिग्ध बता रहे थे? आखिर इससे उन्हें अपयश के अलावा और क्या मिला? उनकी नादानी की वजह से भारत की छवि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी धुंधलाती रही, यह बड़ा अपराध माना गया जो अक्षम्य भी था। भले सर्वोच्च अदालत इसके लिये राहुल को यह कहकर कि भविष्य में वह बहुत सोच-विचार कर बोलें और विषय की गंभीरता को समझ कर बोले, माफ कर दिया। जाहिर है कि राफेल पर राहुल गांधी उग्रता से भी ऊपर आक्रामक शैली में गैर-जिम्मेदाराना अंदाज में सीधे प्रधानमन्त्री की ईमानदारी और विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा कर किये थे फिर भी हासिल कुछ नहीं हुआ था।

पाक के आर्थिक संकट से दुनिया को सबक

> पिछले 25 वर्षों में एक तरफ सरकारी कर्ज 14 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से बढ़ा, जबकि पाकिस्तान की जीडीपी मात्र 3 प्रतिशत की दर से ही बढ़ पाई इसके चलते सरकारी कर्ज देश की क्षमता से कहीं ज्यादा पहुंच गया है क्योंकि कर्ज पर ब्याज और वापसी की देनदारी 5.2 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए तक पहुंच गई है, जो कि सरकार की कुल आमदनी से भी कहीं ज्यादा है। हालांकि इमरान खान की सरकार इसी राजकोषीय कुप्रबंधन के चलते गिर गई थी, लेकिन देश की तर्वमान सरकार भी स्थिति को संभालने में पूरी तरह से नाकामयाब रही है। 18 फरवरी 2023 को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने बयान दिया है कि पाकिस्तान की सरकार अपनी देनदारी से पहले ही कोताही कर चुकी है। इस बारे में आर्थिक विशेषज्ञ एक तम है कि पाकिस्तान के आर्थिक संकट के लिए कोई और नहीं, पाकिस्तान के हुक्मरान ही जिम्मेदार हैं।

पाकिस्तान अभी तक के अपने सबसे खराब आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। पिछले 25 वर्षों में पाकिस्तान पर कर्ज 3 लाख करोड़ रुपए पाकिस्तानी रुपए से बढ़कर 2022 तक 62.5 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए तक पहुंच चुका है। पिछले 25 वर्षों में एक तरफ सरकारी कर्ज 14 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से बढ़ा, जबकि पाकिस्तान की जीडीपी मात्र 3 प्रतिशत की दर से ही बढ़ पाई। इसके चलते सरकारी कर्ज देश की क्षमता से कहीं ज्यादा पहुंच गया है क्योंकि कर्ज पर ब्याज और वापसी की देनदारी 5.2 लाख करोड़ पाकिस्तानी रुपए तक पहुंच गई है, जो कि सरकार की कुल आमदनी से भी कहीं ज्यादा है। हालांकि इमरान खान की सरकार इसी राजकोषीय कुप्रबंधन के चलते गिर गई थी, लेकिन देश की वर्तमान सरकार भी स्थिति को संभालने में पूरी तरह से नाकामयाब रही है। 18 फरवरी 2023 को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने बयान दिया है कि पाकिस्तान की सरकार अपनी देनदारी से पहले ही कोताही कर चुकी है। इस बारे में आर्थिक विशेषज्ञ एक मत हैं कि पाकिस्तान के आर्थिक संकट के लिए कोई और नहीं, पाकिस्तान के हुक्मरान ही जिम्मेदार हैं। पाकिस्तान सुजुकी मोटर्स, मिलात ट्रैक्टर्स, इंडस मोटर कंपनी, कंधार टायर एंड रबर कंपनी, निशात चुनियान और फौजी फर्टिलाइजर बिन कासिम समेत पाकिस्तान की अधिकांश बड़ी कंपनियां बंदी की घोषणा कर चुकी हैं। 1600 कपड़ा मिलें 2022 तक बंद हो चुकी थी, जिसके कारण 50 लाख लोग अपनी नौकरी से हाथ धो चुके हैं। बाकी बची कंपनियां भी 50 प्रतिशत क्षमता का ही उपयोग कर पा रही हैं। मजबूरी में पाकिस्तान मदद के लिए कई बार अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का दरवाजा खटखटा चुका है। आईएमएफ का कहना है कि वो पाकिस्तान को मदद दे सकता है, जब वो उसकी शर्तों को माने। आईएमएफ की शर्त है कि पाकिस्तान 17 हजार करोड़ रुपए के अतिरिक्त कराधान का प्रावधान करे, डीजल पर अतिरिक्त लेवी लगाने की भी आईएमएफ की शर्त है। विशेषज्ञों का मानना है कि चाहे आईएमएफ की मदद से पाकिस्तान फिलहाल कुछ समय के लिए कर्ज की अदायगी की कोताही से बच जाएगा, लेकिन पाकिस्तान की समस्याओं का स्थायी समाधान इससे होने वाला नहीं है। अर्थशास्त्री पाकिस्तान की दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों तरह की कई नीतियों के आलोचक रहे हैं, और उन्हें भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान की वर्तमान दुर्दशा के लिए, जिम्मेदार ठहराते हैं। सेना में आवश्यकता से अधिक निवेश करने से लेकर 'मुफ्त उपहार' देने और अस्थिर राजनीतिक वातावरण होने तक कई मुद्दों का जिक्र आता है। पाकिस्तान हुक्मरानों के निर्णयों की बात करें तो ध्यान में आता है कि उनके द्वारा कई नीतिगत फैसले लिए गए जो उसके राजनीतिक हित में थे न कि पाकिस्तान के आर्थिक हित में। सरकारों ने सिर्फ लोगों को खुश करने के लिए मुफ्तखोरी का रास्ता लिया। वस्तुओं की कीमतों को कम रखने के लिए, लोक लुभावन उपायों का उपयोग किया जिससे खजाने पर बोझ बढ़ा, सरकारी सब्सिडी का अंधाधुंध इस्तेमाल हुआ। देखा गया कि जहां तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को कम घटाया गया, लेकिन पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल-डीजल की कीमत कम रखने का प्रयास किया। हालांकि इस बात के लिए भारत सरकार की आलोचना भी हुई, लेकिन भारत सरकार और राज्य सरकारों ने राजस्व में इसका फायदा उठाया। अंततोगत्वा हम देखते हैं कि भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया और पाकिस्तान कंगाल हो गया। भारत सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों के माध्यम से जो राजस्व जुटाया, उसका उपयोग उसने अपने स्वयं के धन से अधिक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए किया। दूसरी तरफ पाकिस्तान ने विदेशी ऋणों पर सवार बुनियादी ढांचे का निर्माण किया। पाकिस्तान धनाभाव के चलते अपनी जरूरतों के अनुसार नहीं बल्कि किसी विदेशी शक्ति (चीन) के इशारे पर बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है, जिससे उसको फायदा तो कम हो रहा लेकिन कर्ज का बोझ इतना बढ़ गया है कि उसको चुकाना पाकिस्तान के बूते से बाहर हो गया। 'चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा' (सीपीईसी) इसका जीता जागता उदाहरण है। यह चीन के 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' का हिस्सा है। कुछ बिजली संयंत्र भी इस परियोजना के हिस्से हैं। पाकिस्तान की समस्या उन ऋणों के कारण है जो उनके उस बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए हैं जो पाकिस्तानियों के लिए किसी काम के नहीं थे। वास्तविकता यह है कि पाकिस्तान के पास पर्याप्त ग्रिड कनेक्टिविटी ही नहीं है, इसलिए सीपीईसी की बिजली परियोजना पाकिस्तान के किसी काम की नहीं। उसी तरह से अन्य प्रकार का इंफ्रास्ट्रक्चर भी पाकिस्तान के लिए पर्याप्त धन जुटाने में अपर्याप्त है। इस ऋण ने केवल पाकिस्तान के लिए भुगतान संतुलन की समस्याएं पैदा कीं और पाकिस्तानी मुद्रा का अभूतपूर्व मूल्यह्रास हुआ। आज, पाकिस्तान की विनिमय दर 261.7 पाकिस्तानी रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर है। पाकिस्तान चीन का इतना ऋणी है कि 27 बिलियन अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय ऋण में से लगभग 23 बिलियन अमेरिकी डॉलर चीनी ऋण ही है। पाकिस्तान का कुल विदेशी कर्ज 126.3 अरब डॉलर है। पाकिस्तान का कुल सार्वजनिक ऋण और देनदारियां लगभग 222 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है जो कि पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद का 393.7 प्रतिशत है। यही नहीं, भारत के साथ प्रतिस्पर्धा में पाकिस्तान सरकार रक्षा क्षेत्र पर जरूरत से ज्यादा खर्च कर रही है। प्रतिरक्षा पर ज्यादा व्यय के बजाय उस धन का उपयोग बेहतर उद्देश्यों के लिए किया जा सकता था। पाकिस्तानी सरकार पर सेना का दबाव शायद उसे प्रतिरक्षा पर खर्च कम करने से रोकता है, लेकिन यह सत्य है कि आज यही फिजूलखर्ची पाकिस्तान के संकटों का कारण बन रही है। पाकिस्तान का मित्र माना जाने वाला चीन भी पाकिस्तान की मदद के लिए आगे नहीं आ रहा। उधर पाकिस्तान के अन्य मित्र देश भी पाकिस्तान को संकट से उबारने के लिए कोई उत्साह नहीं दिखा रहे। समझना होगा कि पाकिस्तान को अपने संकट से खुद ही उबरना होगा। उसके लिए जरूरी है कि पाकिस्तान आतंकवादियों की मदद करने वाली अपनी रणनीति से बाहर आए। पिछले समय में पाकिस्तान की इस प्रवृति के चलते फाइनेन्स ऐक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) ने लम्बे समय तक पाकिस्तान को ग्रे सूची में रखा और उसकी इन हरकतों के चलते विभिन्न प्रकार के निवेशक भी पाकिस्तान से कन्नी काटने लगे हैं। एक तरफ पाकिस्तान को कोई नया निवेश प्राप्त नहीं हो रहा, कई विदेशी कंपनियां भी पाकिस्तान को छोड़ने का मन बना रही हैं। पाकिस्तान को अनिवासी पाकिस्तानियों से भी भारी मात्रा में प्राप्तियां होती रही हैं, लेकिन अनिवासी पाकिस्तानी पाकिस्तान की बर्बाद होती अर्थव्यवस्था के चलते अपने धन की सुरक्षा के प्रति चिंतित हो रहे हैं। ऐसे में पाकिस्तान को नई प्राप्तियों में और अधिक कठिनाई आ सकती है।

देश दुनीया से

सशक्त महिला यानी सशक्त समाज

हर वर्ष 8 मार्च को दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। इसे सबसे पहली बार अमेरिका के न्यूयार्क शहर में मनाया गया था। इसका आयोजन अमेरिका की सोशलिस्ट पार्टी ने किया था। रूस में 1917 में महिलाओं ने हक और सम्मान के लिए हड़ताल आयोजित की थी। इसके बाद से दुनियाभर में महिला दिवस मनाया जाने लगा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को औपचारिक मान्यता वर्ष 1975 में उस वक्त मिली जब संयुक्त राष्ट्र संघ ने इसे मनाना शुरू किया। इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं के सम्मान और अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक करना है। इस वर्ष का थीम 'वूमेन इन लीडरशिप अचिविंग एन इक्वल फ्यूचर इन ए कोविड-19 वल्र्ड' यानी 'महिला नेतृत्व : कोरोना काल में बराबर भविष्य प्राप्त करना' है। देश तभी सशक्त बन सकता है जब उसका हर नागरिक सशक्त हो। इसमें भी महिलाओं की भूमिका ही सबसे आगे है। परिवार में एक मां के रूप में वह अपनी यह भूमिका अपनी मेहनत से अदा करती है। राष्ट्र निर्माण में उसके इस योगदान का लंबा इतिहास रहा है। विद्वानों का मानना है कि प्राचीन भारत में महिलाओं को जीवन के सभी क्षेत्रों में पुरुषों के साथ बराबरी का दर्जा हासिल था। अथर्ववेद में कहा गया है कि 'माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः' अर्थात भूमि मेरी माता है और हम इस धरा के पुत्र हैं। ऋग्वेद और उपनिषद जैसे ग्रंथ कई महिला साध्वियों और संतों के बारे में बताते हैं जिनमें गार्गी और मैत्रेयी के नाम उल्लेखनीय हैं। भारतीय जनजीवन की मूल धुरी नारी है। यदि यह कहा जाए कि संस्कृति, परम्परा या धरोहर नारी के कारण ही पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित हो रही है, तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। जब-जब समाज में जड़ता आई है, नारी शक्ति ने ही उसे जगाने के लिए, उसके जुझने के लिए अपनी संतति को तैयार करके, आगे बढ़ने का संकल्प दिया है। हमारे देश के विकास में महिलाओं को सहभागी बनाने के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं। भारतीय संविधान द्वारा कानूनों के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा और सामान्य जीवन में उनकी समान भागीदारी के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। महिला साक्षरता दर भी 2011 के आंकड़ों के अनुसार लगभग 65 प्रतिशत बढ़ी है और वे देश में शीर्ष पदों पर कार्य कर रही हैं। देश के चहुंमुखी विकास तथा समाज में अपनी भागीदारी को महिलाओं ने सशक्त ढंग से पूरा किया है। 73वें संवैधानिक संशोधन के बाद देश की पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं को आरक्षण प्रदान किया गया है जिससे आज कई महिलाएं ऊर्जावान नेतृत्व से अपने स्थानीय परिवेश में परिवर्तन ला रही हैं। शक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया था। रानी लक्ष्मीबाई, सरोजनी नायडू, मादाम भिखाजी कामा, अरुणा आसफ अली, एनी.बेसेन्ट, भगिनी निवेदिता, सुचेता कृपलानी, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, दुर्गा भाभी एवं क्रांतिकारियों को सहयोग देने वाली अनेक महिलाएं भारत में अवतरित हुईं जिन्होंने राष्ट्र निर्माण के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया। राजनीतिक और सामाजिक सुधारों के क्षेत्र में महिलाओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। उदाहरण के तौर पर विजयलक्ष्मी पंडित ने संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत का प्रतिनिधित्व किया और संयुक्त राष्ट्र महासभा की सदस्य भी रहीं। मैत्रेयी, गार्गी आदि विदुषी स्त्रियों शिक्षा के क्षेत्र में अपने बहुमूल्य योगदान के लिए आज भी पूजनीय हैं। आधुनिक काल में महादेवी वर्मा, सुभद्रा कुमारी चौहान, अमृता प्रीतम आदि स्त्रियों ने साहित्य तथा राष्ट्र की प्रगति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। कला के क्षेत्र में लता मंगेशकर, देविका रानी, वैजयन्ती माला आदि का योगदान प्रशंसनीय है। वर्तमान में महिलाएं समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र उत्थान के अनेक कार्यों में लगी हैं। भारतीय महिलाएं विधि, अकादमिक, साहित्य, संगीत, नृत्य, खेल, मीडिया, उद्योग, आईटी सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। अग्नि-5 के सफल परीक्षण के बाद महिला वैज्ञानिक टेसी थॉमस की मुख्य भूमिका उभरकर सामने आई है। मिसाइलमैन डा. अब्दुल कलाम की प्रमुख शिष्या रहीं डा. थॉमस को भी इस परीक्षण के बाद 'मिसाइल वुमन' अथवा 'अग्नि-पुत्री' नामों से संबोधित किया जाने लगा है।

> मिसाइलमैन डा. अब्दुल कलाम की प्रमुख शिष्या रहीं डा. थॉमस को भी इस परीक्षण के बाद 'मिसाइल वुमन' अथवा 'अग्नि-पुत्री' नामों से संबोधित किया जाने लगा है। मिसाइल कार्यक्रम का संपूर्ण नेतृत्व संभालने वाली वे देश की पहली महिला वैज्ञानिक बन गई हैं। वर्तमान में भी महिलाएं कई उच्च पदों पर आसीन हैं। देश की प्रगति के लिए कार्यशील हैं। देश के विभिन्न राज्यों के ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतों में भी महिलाएं विभिन्न पदों पर आसीन हैं। आज महिलाओं के मुद्दों और सरोकारों पर कहीं अधिक संवेदनशील होने और परिपक्वता दिखाने की आवश्यकता है। बालिका के जन्म से लेकर उसके युवा होने और युवा से बुजुर्ग होने तक उन्हें हर वाजिब हक की पैरवी हमें करनी होगी।

नागरिक बोध

मिलावटखोरों को सजा ऐसी हो

हमारी दो दवा-निर्माता कंपनियों के कारनामों से सारी दुनिया में भारत की बदनामी हो रही है। इस बदनामी से भी ज्यादा दर्दनाक बात यह है कि इन दोनों कंपनियों- मेडेन फार्मा और मेरियन बायोटेक- की दवाइयों से गांबिया में 60 बच्चों और उजबेकिस्तान में 16 बच्चों की मौत हो गई। जब पहले-पहल ये खबरें मैंने अखबारों में देखी तो मैं दंग रह गया। मुझे लगा कि भारत से अरबों रु. की दवाइयां जो निर्यात हर साल होती है, उस पर इन घटनाओं का काफी बुरा असर पड़ेगा। भारत की प्रामाणिक दवाइयों पर भी विदेशियों के मन में संदेह पैदा हो जाएगा। हमारी दवाएं अमेरिका और यूरोप की तुलना में बहुत सस्ती होती हैं। मुझे यह भी लगा कि इस मामले ने यदि तूल पकड़ लिया तो एशिया और अफ्रीका के जिन गरीब मरीजों की सेवा इन दवाइयों से होती हैं, अब वे वंचित हो जाएंगे। हो सकता है कि गांबिया और उजबेकिस्तान के उन बच्चों की मौत का कारण कुछ और रहा हो। लगभग दो माह पहले जब ये खबरें आईं तो यह भी अपुष्ट सूत्रों ने कहा कि इन दवाइयों के नमूनों की जांच यहीं की गई है और वे ठीक पाई गई हैं लेकिन इन देशों के जाँच कर्ताओं ने अब जांच पूरी होने पर कहा है कि इन दवाइयों में कुछ नकली और हानिकर तरलों को मिला देने के कारण ही ये जानलेवा बन गई थीं। इस निष्कर्ष की पुष्टि अब एक अमेरिका की एक जांच कंपनी ने भी कर दी है। भारत सरकार ने इन कंपनियों के खिलाफ पुलिस में रपट लिखवा दी है और उनके कुछ कर्मचारियों को गिरफ्तार भी कर लिया है लेकिन दोनों कंपनियों के मालिक और वरिष्ठ प्रबंधक फरार हैं। यदि उनको विश्वास है कि उनकी दवाइयों में कोई मिलावट नहीं की गई है तो उन्हें डरने की जरूरत क्या है? यह भी हो सकता है कि मालिकों और मेनेजरों की जानकारी के बिना ही मिलावट की गई होगी। यदि ऐसा है तो उन कर्मचारियों को कठोरतम सजा दी जानी चाहिए और यदि मालिक और प्रबंधक भी इस जानलेवा मिलावटखोरी के लिए जिम्मेदार हैं तो उनकी सजा तो और भी सख्त होनी चाहिए। इन लोगों पर दस-बीस लाख या करोड़ रु. का जुर्माना बेमतलब होगा। इन सबको 76 बच्चों की सामूहिक हत्या का जिम्मेदार मानकर इनकी सजा भी इतनी भयंकर होनी चाहिए कि भावी मिलावटखोरों की नींद हराम हो जाए। यह सजा जल्दी से जल्दी दी जानी चाहिए ताकि आम लोगों को पता चले कि किस कुकर्म के लिए उन्हें दंडित किया गया है। उन्हें जेल के बंद दरवाजों के पीछे नहीं, चौराहों पर लटकाया जाना चाहिए और हर टीवी चैनल पर उसका जीवंत प्रसारण किया जाना चाहिए। उसके बाद आप देखेंगे कि देश में किसी भी तरह के मिलावटखोर आपको ढूंढने से भी नहीं मिलेंगे।

मैक्सिको गए 4 अमेरिकी किडनैप, घसींटकर गाड़ी में पटके गए: सस्ती दवाईयां लेने गए थे, एफबीआई जानकारी देने वाले को देगी 40 लाख का इनाम

वॉशिंगटन।
मैक्सिको गए अमेरिका के चार लोग शुक्रवार यानी 3 मार्च को किडनैप हो गए थे। चार दिन की कड़ी मशक्कत के बाद भी उन्हें छुड़वाया नहीं जा सका है। जिसके बाद अब अमेरिका की इंवेस्टिगेशन एजेंसी ने मदद के बदले इनाम की घोषणा की है। एजेंसी ने कहा है कि जो भी व्यक्ति किडनैप हुए लोगों की जानकारी देगा उन्हें इनाम के तौर पर 40 लाख रुपए दिए जाएंगे।

मैक्सिको में किडनैप हुए अमेरिकी नागरिकों का मामला इतनी तूल पकड़ चुका है कि अब व्हाइट हाउस भी इस पर नजर बनाए हुए है। वहीं मैक्सिको के राष्ट्रपति लोपेज ओब्रेडोर ने दावा किया है कि ये सभी बॉर्डर पार कर सस्ती दवाइयां खरीदने के लिए वहां गए थे।

पहले फायरिंग की फिर किडनैप कर लिया – मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अमेरिकी नागरिकों ने एक सफेद रंग की वैन में नॉर्थ कैरोलिना से मैक्सिको के माटामोरोस में एंट्री की थी। एंट्री के तुरंत बाद ही कुछ अज्ञात लोगों ने उन पर गोलीबारी करना शुरू कर दिया। इसके बाद घसींट-घसींट कर उन्हें अपनी गाड़ी में डाल लिया।

अब इस पूरे मामले पर संज्ञान लेते हुए व्हाइट हाउस के प्रेस सेक्रेटरी जॉन पीअरे ने कहा है कि इस तरह से अमेरिकी लोगों की किडनैपिंग और प्रताड़ना को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मामले में अब तक क्या-क्या हुआ है – रॉयटर्स को एक मैक्सिकन ऑफिशियल ने बताया है कि किडनैप किए गए लोगों में एक महिला और तीन पुरूष हैं। मैक्सिको के राष्ट्रपति ने कहा कि पूरी सरकार किडनैप किए गए अमेरिकियों को छुड़वाने की कोशिश कर रही है। किडनैपिंग के दौरान एक मैक्सिकन के मारे जाने की भी जानकारी मिल रही है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि 4 अमेरिकी लोग गलती से किडनैपर्स का शिकार बने हैं। उन्हें लगा की जिस व्हाइट वैन में अमेरिकी ट्रैवल कर रहे हैं वो हेटी के ड्रग स्मगर्लस की है। जिस इलाके में अमेरिकी किडनैप किए गए हैं वो जगह अपराधों के लिए काफी फेमस है।

न्यूज ब्रीफ

पैसेंजर ने प्लेन का इमरजेंसी गेट खोलने की कोशिश कीः क्रू ने रोका तो चम्मच से गर्दन पर वार किए, अमेरिकी एयरलाइंस ने बैन लगाया

वॉशिंगटन। अमेरिका में लॉस एंजिल्स से बोस्टन जा रही फ्लाइट में एक यात्री ने इमरजेंसी गेट खोलने की कोशिश की। जब क्रू मेंबर ने उसे रोकने की कोशिश की तो उसने हमला कर दिया। घटना रविवार की है। मैसाचुसेट्स के इस पैसेंजर को बोस्टन लोगन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया गया। उसे एयरलाइंस की किसी भी फ्लाइट में यात्रा करने से बैन कर दिया गया है। यूनाइटेड एयरलाइंस की फ्लाइट में फ्रेंसिस्को सेवेरो टोरेस (33 साल) ने लैंडिंग से करीब 45 मिनट पहले ही फर्स्ट क्लास और कोच सेक्शन के बीच मौजूद इमरजेंसी गेट खोलने की कोशिश की। तभी क्रू को कॉकपिट में इसका अलर्ट मिला। इसके बाद एक फ्लाइट अटेंडेंट जांच के लिए इमरजेंसी गेट के पास पहुंचा। वहां उसे दरवाजे का हैंडल पूरी तरह से बंद नहीं था और उसका इमरजेंसी स्लाइड भी हटा दिया गया था। टोरेस से पूछताछ के बाद अटेंडेंट ने कैप्टन से फ्लाइट को जल्द से जल्द लैंड करने को कहा। इसी दौरान टोरेस ने टूटी चम्मच से अटेंडेंट पर हमला कर दिया। उसने गर्दन पर 3 बार वार किया। क्रू मेंबर्स और पैसेंजर्स की मदद से टोरेस को काबू में किया गया। इसके बाद फ्लाइट बोस्टन एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड हुई, जहां टोरेस को गिरफ्तार कर लिया गया। फ्लाइट में सवार पैसेंजर्स ने बताया कि टेक-ऑफ होने के बाद से ही टोरेस अजीब बर्ताव कर रहा था। वो बार-बार सबसे इमरजेंसी गेट, डोर हैंडल और सेफ्टी के बारे में पूछ रहा था। उसे कई बार इमरजेंसी गेट के आसपास घूमते भी देखा गया था। टोरेस को 9 मार्च को कोर्ट में पेश किया जाएगा। आरोप साबित होने पर उसे उम्रकैद की सजा सुनाई जा सकती ह। इसके साथ 4 करोड़ से ज्यादा का जुर्माना लगाया जा सकता है।

निक्की हेली के प्रस्ताव को राष्ट्रपति की पत्नी ने बताया बेहूदा, जो बाइडेन के यूक्रेन दौरे का दिया उदाहरण

वॉशिंगटन । रिपब्लिकिन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की दावेदार निक्की हेली ने हाल ही में अपने एक संबोधन के दौरान कहा था कि 75 साल से ज्यादा उम्र के राजनेताओं का मानसिक परीक्षण कराया जाना चाहिए, जिससे उनकी मानसिक प्रतिस्पर्धा का पता चल सके। हालांकि निक्की हेली का यह प्रस्ताव राष्ट्रपति जो बाइडेन की पत्नी जिल बाइडेन को पसंद नहीं आया है और उन्होंने इसे बेहूदा करार दिया है। बाइडेन से निक्की हेली के इस प्रस्ताव को लेकर सवाल किया गया था। जिल बाइडेन ने कहा कि कितने 30 साल के युवा पोलैंड जा सकते हैं और वो भी एक ट्रेन पर। नौ घंटे के सफर पर यूक्रेन जाना और वहां राष्ट्रपति जेलेंस्की से मिलना। ये देखिए ये व्यक्ति हर दिन क्या कर रहा है। जिल बाइडेन अपने पति और राष्ट्रपति जो बाइडेन की बात कर रहीं थी। जो कि हाल ही में यूक्रेन के दौरे पर गए थे। जिसकी पूरी दुनिया में चर्चा हुई थी। बता दें कि निक्की हेली के इस प्रस्ताव की देशभर में चर्चा है लेकिन रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक दोनों ही पार्टियों के नेताओं ने इस प्रस्ताव की आलोचना की है। साउथ कैरोलिना प्रांत की दो बार गवर्नर रहीं निक्की हेली ने बीती 14 फरवरी को राष्ट्रपति पद की दावेदारी का एलान किया था। अगर जो बाइडेन नवंबर 2024 में होने वाले राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने का एलान करते हैं तो 2025 में वह 82 साल के हो जाएंगे। पहले भी अपनी बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य को लेकर जो बाइडेन आलोचकों के निशाने पर आ चुके हैं। जो बाइडेन अभी भी अमेरिका के इतिहास के सबसे बुजुर्ग राष्ट्रपति हैं। अभी तक जो बाइडेन ने अपनी उम्मीदवारी का एलान नहीं किया है लेकिन ऐसी चर्चाएं हैं कि जल्द ही वह इसका एलान कर सकते हैं।

पाकिस्तान में होली खेलने पर हिन्दू छात्रों को पीटाः पंजाब यूनिवर्सिटी में कट्टरपंथी संगठन ने हमला किया, 15 छात्र घायल

लाहौर। पाकिस्तान की पंजाब यूनिवर्सिटी में सोमवार को होली खेल रहे कुछ हिन्दू छात्रों पर हमला हुआ। कट्टर इस्लामिक छात्र संगठन इस्लामी जमीयत तुलबा के लोगों ने हिन्दू छात्रों के साथ मारपीट की, जिसमें 15 छात्र घायल हो गए। हालांकि, हमले की बात से इनकार किया है। इस मामले से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। पंजाब यूनिवर्सिटी के क्लॉ कॉलेज में करीब 30 छात्र होली खेलने के लिए इकट्ठा हुए थे। छात्रों के मुताबिक, उन्होंने इसके लिए कॉलेज प्रशासन से परमिशन भी ली थी।

कंगाल होते पाकिस्तान पर एक और संकट की आहट

बिलावल ने क्यों कही सरकार से समर्थन वापस लेने की बात

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान में आर्थिक संकट के बीच राजनीतिक संकट के भी आसार दिखने लगे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की कुर्सी खतरे में पड़ सकती है। गठबंधन सरकार में शामिल पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के अध्यक्ष और विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी ने समर्थन वापस लेने के लिए संकेत दिए हैं। बिलावल ने कहा है कि अगर संघीय सरकार सिंध प्रांत में बाढ़ पीड़ितों से किए गए अपने वादे को पूरा नहीं करती है तो उनकी पार्टी के लिए सरकार में बने रहना बहुत मुश्किल होगा। बिलावल ने रविवार को एक सब्सिडी प्रोग्राम का उद्घाटन के दौरान ये बातें कहीं। दूसरी तरफ पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पीपीपी के सह-प्रमुख आसिफ अली जरदारी ने भी अगले आम चुनाव में पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) गठबंधन में लड़ने की संभावनाओं को दरकिनार कर दिया है। उन्होंने कहा कि पीपीपी अगला चुनाव अपने तीर के निशान के तले लड़ेगी और सत्तासीन पीडीएम केसाथ गठबंधन नहीं करेगी।

आइये जानते हैं पाकिस्तान में कैसे बनी थी गठबंधन सरकार देश में चुनाव कब होने हैं पीपीपी समर्थन वापस ले लेती है तो शरीफ सरकार के पास क्या विकल्प होंगे

पिछले साल मार्च में इमरान के साथ मिलकर सरकार बनाने वाली दो पार्टियों ने अपना समर्थन वापस ले लिया। इसके बाद सात सांसदों वाली एमक्यूएमपी, पांच सांसदों वाली पीएमएलक्यू, पांच सांसदों वाली बीएपी और एक सांसद वाली जेडब्ल्यूपी ने भी इमरान खान का साथ छोड़ दिया और वह अल्पमत में आ गए। इसके बाद विपक्ष ने संसद में इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया जिसका पूर्व पीएम सामना नहीं कर पाए और उनकी सत्ता चली गई।

क्रिकेटर से नेता बने 69 वर्षीय इमरान को 10 अप्रैल को अविश्वास प्रस्ताव के जरिए सत्ता से बाहर कर दिया गया था। इस प्रकार से वह पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री बने जिन्हें संसद द्वारा बिना किसी औपचारिकता के हटा दिया गया।

इन घटनाक्रमों से गिरी थी इमरान सरकार

- 20 मार्च : इमरान के साथ मिलकर सरकार बनाने वाली दो पार्टियों ने अपना समर्थन वापस ले लिया।
- 24 मार्च : सात सांसदों वाली एमक्यूएमपी, पांच सांसदों वाली पीएमएलक्यू, पांच सांसदों वाली बीएपी और एक सांसद वाली जेडब्ल्यूपी ने भी इमरान खान का साथ छोड़ दिया और वह अल्पमत में आ गए।
- 25 मार्च : विपक्ष ने संसद में इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। 31 मार्च को इसपर चर्चा होने की बात कही गई।
- 30 मार्च : पाकिस्तान आर्मी के चीफ जनरल बाजवा प्रधानमंत्री इमरान खान से मिलने पहुंचे।
- 31 मार्च : पाकिस्तान की संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग के लिए तीन अप्रैल की तारीख घोषित कर दी गई।
- तीन अप्रैल : पाकिस्तान संसद के डिप्टी स्पीकर कासिम खान सूरी ने आर्टिकल-5 का हवाला देते हुए अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया। राष्ट्रपति ने संसद भंग कर दी।
- 7 अप्रैल: पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि डिप्टी स्पीकर द्वारा अविश्वास प्रस्ताव को खारिज करना और बाद में नेशनल असेंबली को भंग करना असंवैधानिक था।
- 14 अप्रैल: पीटीआई के 123 सांसदों ने असेंबली से इस्तीफा दे दिया और सरकार गिर गई।

देश में चुनाव कब होने हैं

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के भंग होने के बाद 60 दिनों से कम समय में पाकिस्तान में आम चुनाव कराने होते हैं। असेंबली 13 अगस्त 2023 को भंग होगी। नेशनल असेंबली के 336 सदस्यों में 266 सामान्य सीटें होती हैं, जो फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट वोटिंग द्वारा चुनी जाती हैं। 60 सीटें आनुपातिक प्रतिनिधित्व द्वारा चुनी गई महिलाओं के लिए आरक्षित होती हैं। वहीं, प्रत्येक प्रांत में प्रत्येक पार्टी द्वारा जीती गई कुल सामान्य सीटों की संख्या के आधार पर आनुपातिक प्रतिनिधित्व के माध्यम से निर्वाचित गैर-मुस्लिमों के लिए दस सीटें आरक्षित हैं।

पीपीपी समर्थन वापस ले लेती है तो शरीफ सरकार के पास क्या विकल्प होंगे

पाकिस्तान की मौजूदा गठबंधन सरकार में 82 सीटों के साथ सबसे बड़ा घटक दल पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) या (पीएमएल-एन) है। वहीं, दूसरा बड़ा दल पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) है जिसके पास 53 सीटें हैं। यहां बहुमत के लिए 172 सीटों का आंकड़ा जरूरी होता है। यदि पीपीपी पार्टी सरकार से अपना समर्थन वापस ले लेती है तो पाकिस्तान में फिर सरकार गिर सकती है।

इमरान खान निकालेंगे ऐतिहासिक रैली, पीटीआई नेता बोले- आने वाली पीढ़ियां भी रखेंगी याद

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान बुधवार को एक ऐतिहासिक रैली से पंजाब में अपनी पार्टी के चुनाव प्रचार की शुरुआत करेंगे। इमरान की पार्टी पीटीआई ने बुधवार को यह रैली निकालने का एलान किया है। इमरान खान इसका नेतृत्व करेंगे। पीटीआई के नेताओं का कहना है कि यह रैली ऐसी होगी कि आने वाली पीढ़ियां भी इसे याद रखेंगी। बता दें कि पंजाब में प्रांतीय चुनाव होने हैं।

पीटीआई नेता हम्माद अजहर ने बताया कि इमरान खान एक बुलेटप्रूफ वाहन पर सवार होकर रैली का नेतृत्व करेंगे। यह रैली इमरान खान के लाहौर के जमान पार्क स्थित आवास से शुरू होकर दाता दरबार तक जाएगी। अजहर ने कहा कि जब वह शेर (इमरान खान) बुधवार को जमान पार्क से निकलेगा तो वह लाहौर के लिए ऐतिहासिक दृश्य होगा। आने वाली पीढ़ियां भी इसके बारे में पढ़ेंगी और इसकी तस्वीरें और वीडियो देखेंगी। उन्हें समझ आएगा कि किस तरह के देश जागता है।

बता दें कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 30 अप्रैल को चुनाव होने हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने बीते हफ्ते ही इनका एलान किया है। पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा विधानसभाएं बीती 14 और 18 जनवरी को भंग हो गईं थी लेकिन सरकार द्वारा चुनाव कराने में आनाकानी की जा रही थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए दोनों जगह नियमों के तहत विधानसभा भंग होने के 90 दिनों के भीतर चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। इसके बाद चुनाव आयोग ने चुनाव की तारीखों का एलान किया।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान इलेक्ट्रोनिक मीडिया वाचडॉग ने बीती 5 मार्च को इमरान खान के बयान प्रसारित करने पर रोक लगा दी थी। इस पर पीटीआई नेता अजहर ने कहा कि कोई भी इमरान खान की आवाज को नहीं दबा सकता क्योंकि अब वही पाकिस्तान की आवाज हैं। इमरान खान इन दिनों तोशाखाना मामले में भी फंसे हुए हैं और उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी है। हालांकि अभी तक पुलिस इमरान खान को गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

अमेरिका में प्लेन क्रैश, भारतीय मूल की महिला की मौतः कॉकपिट में आग लगने के बाद हादसा, बेटी और पायलट बुरी तरह से झुलसे

वॉशिंगटन।
अमेरिका के न्यूयॉर्क में रविवार को हुए प्लेन क्रैश में एक भारतीय मूल की महिला की मौत हो गई। जबकि उसके बेटी और पायलट गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। एक अस्पताल में उनका इलाज किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये हादसा प्लेन के कॉकपिट में आग लगने से हुआ है। प्लेन लॉन्ग आइलैंड के पास क्रैश हुआ बताया जा रहा है। इस हादसे में मरने वाली महिला की पहचान 63 साल की रोमा गुप्ता के तौर पर हुई है।

प्लेन उड़ाना सीखना चाह रही थी महिलाएं

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों महिलाएं प्लेन उड़ाना सीखना चाह रही थीं। जिस फ्लाइट के दौरान उनका प्लेन क्रैश हुआ वो उनका इंट्रोडक्टरी लेसन था। जिससे वो आगे ये तय करने वाली थीं कि वो अपनी ट्रेनिंग का आगे बढ़ाएंगी या नहीं। पुलिस जानकारी दी है कि पायलट पूरी तरह से ट्रेन्ड था, उसे जैसे ही कॉकपिट में धुआं उठता दिखा, उसने इसकी

जानकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी। हालांकि, प्लेन के मालिक ने बताया है कि उड़ान भरने से पहले उसे पूरी तरह से चेक किया गया था। उस समय उसमें कोई गड़बड़ नहीं पाई गई थी।

क्रैश साइट पर बार-बार विजिट कर रही इंवेस्टिगेशन एजेंसी

अमेरिका का नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के अधिकारी प्लेन क्रैश की जांच के लिए बार-बार क्रैश साइट का दौरा कर रहे हैं। हादसे की वजह स्पष्ट नहीं हो जाने तक जांच जारी रहेगी। जांचकर्ता सोमवार को भी प्लेन का मलबा इकट्ठा करने पहुंचे। आज फिर उनके क्रैश साइट पर लौटने की उम्मीद है।

अमेरिका ने नई वीजा सेवा का किया एलान, पढ़ाई के साथ नौकरी भी कर सकेंगे भारतीय छात्र

वॉशिंगटन ।
अमेरिकी सरकार ने सोमवार को कुछ वीजा आवेदनों के लिए प्रीमियम प्रोसेसिंग योजना शुरू की है। इससे अमेरिका आने के इच्छुक अंतरराष्ट्रीय छात्रों को फायदा मिलेगा। विज्ञान, तकनीक, प्रोद्यौगिकी और गणित की पढ़ाई करने अमेरिका जाने वाले भारतीय छात्रों को भी इससे बड़ा फायदा होगा।

अमेरिका के यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज ने एलान किया है कि क्षेत्र में ओपीटी (वैकल्पिक व्यवहारिक प्रशिक्षण)

करने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों को इससे फायदा होगा। मतलब अब वह पढ़ाई के साथ ही काम भी कर सकेंगे।

यूएससीआईएस के अनुसार, वीजा की प्रीमियम प्रोसेसिंग सेवा छह मार्च से शुरू हो गई है। वहीं कुछ अन्य कैटेगरी के लिए यह सेवा तीन अप्रैल से शुरू होगी। यूएससीआईएस के निदेशक यूआर एम जदाउ का कहना है कि एफ-1 छात्रों को प्रीमियम प्रोसेसिंग के साथ ही ऑनलाइन फाइलिंग और इमीग्रेशन में भी फायदा दिया जाएगा। भारतीय मूल के अजय भुतोरिया ने भी अमेरिकी सरकार के इस कदम की सराहना की है। भुतोरिया ने कहा कि यह विदेशी छात्रों के लिए कमाल की खबर है, जो लंबे समय से अपने ओपीटी को मंजूरी मिलने का इंतजार कर रहे थे। इससे एफ-1 कैटेगरी के छात्रों को अमेरिका में रोजगार करने की भी मंजूरी मिल जाएगी। इससे ना सिर्फ अमेरिकी का अर्थव्यवस्था को फायदा होगा बल्कि यहां के समाज को भी फायदा होगा। बता दें कि भारत में अमेरिका का वीजा पाने का इंतजार कर रहे लोगों की संख्या काफी ज्यादा है।

यही वजह है कि अमेरिका की सरकार भी कई कदम उठा रही है, जिससे बैकलॉग की समस्या का समाधान किया जा सके। इसके लिए अमेरिका की सरकार भारत में अपने स्टाफ को बढ़ाने और अन्य देशों के अधिकारियों और कर्मचारियों को ऑनलाइन तरीके से भारत के काम निपटाने में लगा रही है। बता दें कि भारत में अमेरिका के वीजा की वेटिंग काफी लंबी है।

ब्रिटिश पार्लियामेंट में राहुल गांधी का भाषण

कहा- भारतीय संसद में विपक्षी नेताओं के माइक बंद कर दिए जाते हैं, हमें चर्चा करने की इजाजत नहीं

लंदन।
कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इन दिनों ब्रिटेन के दौरे पर हैं। राहुल गांधी ने सोमवार को लंदन में हाउस ऑफ पार्लियामेंट के परिसर में ब्रिटिश सांसदों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारतीय संसद में विपक्षी नेताओं के माइक्रोफोन बंद कर दिए जाते हैं। वहां विपक्ष का दमन हो रहा है।

ब्रिटेन में अपोजीशन लेबर पार्टी के भारतीय मूल के सांसद वीरेंद्र शर्मा ने पार्लियामेंट के ग्रैंड कमेटी रूम में राहुल गांधी के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में राहुल ने अपने भारत जोड़ो यात्रा के अनुभवों को भी शेयर किया।

राहुल बोले- भारत में विपक्ष का दमन किया जा रहा है – राहुल कार्यक्रम में जिस माइक्रोफोन का इस्तेमाल कर रहे थे, वह खराब था। राहुल ने जानबूझकर इसी माइक में बोलना शुरू किया। उन्होंने कहा कि भारत में हमारे माइक खराब नहीं हैं, वे काम कर रहे हैं, लेकिन आप उन्हें चालू नहीं कर सकते। जब मैंने भारतीय संसद में अपनी बात रखने की कोशिश की है, तो ऐसा मेरे साथ कई बार हुआ है। राहुल ने कहा कि भारत में विपक्ष का दमन किया जा रहा है।

नोटबंदी और जीएसटी पर चर्चा की इजाजत नहीं – कार्यक्रम में राहुल ने नोटबंदी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत में नोटबंदी एक विनाशकारी फाइनेंशियल डिसीजन था, लेकिन हमें इस पर चर्चा करने की इजाजत नहीं थी। यहां तक की हमें जीएसटी पर भी चर्चा नहीं करने दी जाती है। चीनी सैनिकों के भारतीय इलाके में प्रवेश करने के मामले में चर्चा करने की भी हमें अनुमति नहीं थी। ऐसे में हमें एक घुटन महसूस होती है।

भारतीय लोकतंत्र कमजोर हुआ, तो दुनिया कमजोर हो जाएगी – समारोह में राहुल गांधी ने कहा कि भारत में लोकतंत्र एक वैश्विक सार्वजनिक अच्छाई है। भारत काफी बड़ा है, अगर भारत में लोकतंत्र को कमजोर किया

जाता है, तो यह पूरी दुनिया में कमजोर हो जाता है। भारत का लोकतंत्र अमेरिका और यूरोप के आकार का तीन गुना है और अगर यह लोकतंत्र टूट जाता है, तो यह पूरे विश्व में लोकतंत्र के लिए एक बड़ा झटका होगा।

चैथम हाउस में बोले राहुल- कांग्रेस का अंत हो गया, ऐसा सोचना बेतुका खयाल है - सोमवार शाम को राहुल ने चैथम हाउस में बातचीत के सेशन में भाग लिया। यहां उन्होंने कहा कि भाजपा को लगता है कि वह भारत में हमेशा के लिए सत्ता में बनी रहेगी, लेकिन ऐसा नहीं है। और ये कहना कि कांग्रेस का अंत हो गया है, ये बेतुका खयाल है। भाजपा के 10 साल शासन से पहले कांग्रेस 10 साल सत्ता में रही है। अगर आप इसे ठीक से देखें तो आजादी से लेकर अब तक कांग्रेस पार्टी ने ज्यादा समय तक देश संभाला है।

आरएसएस एक सीक्रेट सासाइटी जैसी, जिसने सारे इंस्टीट्यूशंस पर कब्जा कर लिया है – राहुल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवी संघ को लेकर कहा, यह एक सीक्रेट सोसाइटी जैसी है, जो फासीवादी है। इस संस्था ने देश के तकरीबन सभी इंस्टीटयूशंस पर कब्जा कर लिया है। बीजेपी इसी संस्था का हिस्सा है। उसका मकसद रहता है चुनाव का इस्तेमाल करके सत्ता में आना और फिर लोकतंत्र को दरकिनार कर देना। उन्होंने कहा, मैं यह देखकर बहुत हैरान हूं कि आरएसएस ने कैसे इतने संस्थानों पर कब्जा किया है। प्रेस, ज्यूडिशियरी, पार्लियामेंट, इलेक्शन कमीशन, सभी इंस्टीट्यूशंस उसके दबाव और डर में हैं। ऐसे में विपक्ष को कुछ बोलने नहीं दिया जाता है। ऐसे में लोगों तक पहुंचने के लिए हमने भारत जोड़ो यात्रा निकाली।

प्रवासी भारतीयों से बोले राहुल- भारत खुले विचारों वाला देश था, अब नहीं रहा – राहुल गांधी ने रविवार को लंदन के हाउंस्लो में 1500 प्रवासी भारतीयों के बीच स्पीच दी। यहां उन्होंने कहा कि हमारा देश और खुले विचारों वाला देश है। एक ऐसा देश जहां हम अपने ज्ञान को गर्व के साथ देखते हैं। एक-दूसरे का हम सम्मान करते हैं। अब यह सब तबाह हो गया है। आप मीडिया में भी इसे देख सकते हैं। इसके बाद ही हमने भारत जोड़ो यात्रा करने की ठानी। उन्होंने कहा, मुझे बड़ा अजीब लगता है। एक भारतीय लीडर कैंब्रिज में अपनी बात कह सकता है। हार्वर्ड में अपनी बात कह सकता है, लेकिन भारतीय यूनिवर्सिटी में वह अपनी बात नहीं रख सकता है।

राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए शहीदों की वीरांगनाओं का इस्तेमाल करना हमारी परंपरा नहीं : सीएम गहलोत

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी के कुछ नेताओं पर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए शहीदों की वीरांगनाओं का इस्तेमाल कर उनका अनादर करने का आरोप लगाया है। जयपुर में धरने पर बैठी पुलवामा शहीदों की तीन वीरांगनाओं की मांगों को लेकर मुख्यमंत्री ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम शहीदों एवं उनके परिवारों का उच्चतम सम्मान करें। राजस्थान का हर नागरिक शहीदों के सम्मान के लिए अपना कर्तव्य निभाता है परन्तु भाजपा के कुछ नेता अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए शहीदों की वीरांगनाओं का इस्तेमाल कर उनका अनादर कर रहे हैं। यह कभी भी राजस्थान की परंपरा नहीं रही है। मैं इसकी निंदा करता हूं। उल्लेखनीय है कि पुलवामा शहीदों की तीन वीरांगनाएं, शहीद रोहिताश लांबा की पत्नी मंजू, शहीद हेमराज मीणा की पत्नी मधुबाला मीणा और शहीद जीतराम गुर्जर की पत्नी सुंदरी देवी पहले शहीद स्मारक और अब सोमवार से सचिन पायलट के सरकारी बंगले के बाहर धरने पर बैठी हैं। तीनों वीरांगनाओं ने गांधी परिवार से मिलवाने की मांग पूरी होने तक पायलट के बंगले के बाहर ही धरने पर बैठे रहने की घोषणा की है। वीरांगनाओं का कहना है कि यहां सरकार हमारी सुन नहीं रही, इसलिए सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी से मिलकर हम अपनी मांगें रखना चाहते हैं। भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा भी पायलट के बंगले के बाहर धरने पर हैं। गहलोत ने कहा कि शहीद हेमराज मीणा की पत्नी उनकी तीसरी मूर्ति एक चौराहे पर स्थापित करवाना चाहती हैं जबकि पूर्व में शहीद की दो मूर्तियां राजकीय महाविद्यालय, सांगोद के प्रांगण तथा उनके पैतृक गांव विनोद कलां स्थित पार्क में स्थापित की जा चुकी है। ऐसी मांग अन्य शहीद परिवारों को दृष्टिगत रखते हुए उचित नहीं है। इसके अलावा शहीद रोहिताश लाम्बा की पत्नी अपने देवर के लिए अनुकम्पा नियुक्ति मांग रही हैं। यदि आज शहीद लाम्बा के भाई को नौकरी दे दी जाती है तो आगे सभी वीरांगनाओं के परिजन अथवा रिश्तेदार उनके एवं उनके बच्चे के हक की नौकरी अन्य परिजन को देने का अनुचित सामाजिक एवं पारिवारिक दबाव डालने लग सकते हैं। क्या हमें वीरांगनाओं के सामने एक ऐसी मुश्किल परिस्थिति खड़ी करनी चाहिए क्योंकि वर्तमान में बनाए गए नियम पूर्व के अनुभवों के आधार पर ही बनाए गए हैं। शहीदों के बच्चों का हक मारकर किसी अन्य रिश्तेदार को नौकरी देना कैसे उचित ठहराया जा सकता है? जब शहीद के बच्चे बालिग होंगे तो उन बच्चों का क्या होगा? उनका हक मारना उचित है क्या? सीएम गहलोत ने स्पष्ट किया कि वर्ष 1999 में मुख्यमंत्री के रूप में मेरे पहले कार्यकाल के दौरान शहीदों के आश्रितों के लिए राज्य सरकार ने कारगिल पैकेज जारी किया एवं समय-समय पर इसमें बढ़ोतरी कर इसे और प्रभावशाली बनाया गया है। कारगिल पैकेज में शहीदों की पत्नी को पच्चीस लाख रुपए और 25 बीघा भूमि या हाउसिंग बोर्ड का मकान (भूमि या मकान ना लेने पर 25 लाख रुपए अतिरिक्त), मासिक आय योजना में शहीद के माता-पिता को 5 लाख रुपए सावधि जमा, एक सार्वजनिक स्थान का नामकरण शहीद के नाम पर एवं शहीद की पत्नी या उसके पुत्र/पुत्री को नौकरी दी जाती है। राजस्थान सरकार ने प्रावधान किया है कि यदि शहादत के वक्त वीरांगना गर्भवती है एवं वो नौकरी नहीं करना चाहे तो गर्भस्थ शिशु के लिए नौकरी सुरक्षित रखी जाएगी जिससे उसका भविष्य सुरक्षित हो सके। इस पैकेज के नियमानुसार पुलवामा शहीदों के आश्रितों को मदद दी जा चुकी है। शहीद परिवारों के लिए ऐसा पैकेज संभवतः अन्य किसी राज्य में नहीं है। उन्होंने कहा कि राजस्थान वीरों की भूमि है, जहां के हजारों सैनिकों ने मातृभूमि के लिए अपना बलिदान दिया है। यहां की जनता एवं सरकार शहीदों का सबसे अधिक सम्मान करती है। कारगिल युद्ध के दौरान मैं स्वयं राजस्थान के 56 शहीदों के घर जाकर उनके परिवार के दुख में शामिल हुआ।

एनआरआई की हत्या का मामला : परिजनों ने अंतिम संस्कार से किया इंकार

पंजाब। श्री आनंदपुर साहिब के होला-मोहल्ला में कनाडा निवासी प्रदीप सिंह की हत्या के मामले में मृतक के परिवार ने उसका अंतिम संस्कार करने से इंकार कर दिया है। मृतक के परिवार द्वारा आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। इसके साथ ही उनका कहना है कि जब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता वह प्रदीप सिंह का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। आपको बता दें कि मृतक निहंग प्रदीप सिंह पुत्र गुरबख्श सिंह निवासी गांव गाजीकोट थाना पुरानाशाला जिला गुरदासपुर का रहने वाला था। वह बिना साइलंसरों से चलती मोटरसाइकिल और बड़े-बड़े लाऊड स्पीकर लगा के रेस लगा रहे ट्रैक्टर वालों को ऐसा करने से रोक रहा था। इसी दौरान कुछ युवकों की उससे कहासुनी हो गई और मारपीट शुरू हो गई। हमलावरों ने प्रदीप पर तलवारों से हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई।

राजस्थान में 12वीं की परीक्षा आज से

अजमेर (हिंस)। राजस्थान में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा की परीक्षा गुरुवार से शुरू होगी। राज्य के 6 हजार 081 परीक्षा केंद्रों पर 10 लाख 31 हजार 72 अभ्यर्थी पंजीकृत हुए हैं। इसके अलावा वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा में 5609 और प्रवेशिका परीक्षा में 7142 विद्यार्थी पंजीकृत है। पहले दिन नौ मार्च को मनोविज्ञान विषय की परीक्षा होगी। परीक्षा का आयोजन एक पारी में सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे तक किया जाएगा। परीक्षाएं 12 अप्रैल तक चलेगी। आखिरी दिन व्यावसायिक विषय की परीक्षा होनी है। राज्य में 10वीं बोर्ड की परीक्षा भी 16 मार्च से शुरू हो जाएगी। इसमें 10 लाख 68 हजार 383 छात्र पंजीकृत हैं। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं के संचालन के लिए बोर्ड कार्यालय में केंद्रीय कंट्रोल रूम चार मार्च से ही शुरू हो चुका है। यहां परीक्षा संबंधी किसी भी शिकायत के लिए संपर्क किया जा सकता है। बोर्ड ने परीक्षा की गोपनीयता के मद्देनजर प्रदेश के सभी परीक्षा केंद्रों पर केवल राजकीय शिक्षक और कार्मिकों की ही ड्यूटी लगाई है। साथ ही किसी भी तरह के इलेक्ट्रिक गैजेट और संचार के साधन से परीक्षा में सेंध न लगे। इसे लेकर केंद्र अधीक्षकों को सजग रहने के निर्देश दिए गए हैं। खास बात यह है कि परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी ही नहीं, बल्कि परीक्षा में लगे कार्मिकों के लिए भी मोबाइल फोन वर्जित रहेगा। बोर्ड से प्राप्त जानकारी के अनुसार बनाए गए परीक्षा केंद्रों में 49 संवेदनशील और 24 अति संवेदनशील हैं। होली से पहले प्रदेश के विभिन्न केंद्रों से प्रश्न पत्रों को डिस्ट्रीब्यूट किया गया, जिन्हें पुलिस की निगरानी में 5464 परीक्षा केंद्रों के पेपर पुलिस थाने में, 330 परीक्षा केंद्रों के पेपर पुलिस चौकी में और 48 परीक्षा केंद्रों के पेपर पुलिस लाइन में रखवाए गए हैं। इसके अलावा जिन सेंटर्स पट नकल होने की संभावनाएं ज्यादा हैं, ऐसे संवेदनशील एग्जाम सेंटर्स पर सीसीटीवी लगवाए गए हैं।

प्रशासन के दावों की खुली पोल होली पर शहर में जमकर हुल्लड़बाजी

जालंधर : होली के अवसर पर जालंधर में शरारती तत्वों द्वारा जमकर हुल्लड़बाजी की गई। इसके चलते आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। हुल्लड़बाजों ने प्रशसन के दावों की हवा निकाल दी है। आपको बता दें कि होली पर शहर में अमन शांति व कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कमिश्नरेट पुलिस द्वारा बड़े बड़े दावे किए गए थे पर ये दावे फेल साबित हुए। कमिश्नरेट पुलिस द्वारा अधिकारियों के साथ विशेष मीटिंग कर शहर हुड़दंग मचाने वाले मनचलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए गए थे। उन्होंने कहा कि शरारती तत्वों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। इन सबके बावजूद मनचलों द्वारा नियमों की परवाह न करते हुए जमकर हंगामा किया गया।

विधानसभा में राजा वड़िंग बोले

सरकार क्यों सो रही, कब होगी अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी !

चंडीगढ़। कांग्रेस विधायक अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने राज्य सरकार की ओर से प्रिंसिपलों की विदेश में ट्रेनिंग कराने के फैसले की सराहना की लेकिन उसकी चयन प्रक्रिया पर सवाल भी उठाया। साथ ही, मुख्यमंत्री की कुर्सी पर किसी साधारण आदमी (मुख्यमंत्री भगवंत मान) के विराजमान होने पर खुशी का इजहार किया लेकिन जैसे ही उन्होंने एक मीडिया रिपोर्ट में भगवंत मान को मुश्किल में बताए जाने का उल्लेख किया, सत्ता पक्ष के सदस्यों के साथ उनकी तीखी नोकझोंक हो गई। राजा वड़िंग ने मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए सदन में कहा कि अजनाला में जो कुछ हुआ, उससे तमिलनाडु-केरल के लोग सोच रहे हैं कि पंजाब में 40 साल पुराना माहौल बन गया है। उन्होंने कहा कि सरकार क्यों सो रही है? सरकार का पूरा इंटेलिजेंस फेल हो गया। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार सूबे में राष्ट्रपति शासन लगाने की फिराक में है। अमृतपाल

के साथी लाहौर जाते हैं और वहां आईएसआई से मिलते हैं। उन्होंने सवाल किया कि अमृतपाल की गिरफ्तारी कब होगी? इसके साथ ही राजा वड़िंग ने मान सरकार के स्कूलों, क्लीनिकों, मूंगदाल पर एमएसपी, ओपीएस स्कीम, खराब वित्तीय हालत का भी उल्लेख किया। इसके बाद रमन अरोड़ा ने बहस में हिस्सा लेते हुए जालंधर में खेल उद्योग का जिक्र किया, जिस पर बोलने के लिए उठे खेल मंत्री मीत हेयर ने राजा वड़िंग को भी निशाने पर ले लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मुख्यमंत्री पांच बार भी पंजाब में नहीं गए जबकि हमारे सीएम सूबे में ही रहते हैं। उन्होंने कहा कि आमतौर पर जो काम पिछली सरकारें अपने अंतिम साल में करती थी, आप सरकार ने पहले छह महीने में ही करके दिखा दिए। मुख्यमंत्री सदन में आए तो हम उठकर बाहर चले जाएंगे%, यह फैसला मंगलवार को पंजाब कांग्रेस विधायक दल और नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने सदन में शून्यकाल के दौरान सुनाया। सोमवार को विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री और बाजवा के बीच हुई तीखी नोकझोंक और मुख्यमंत्री द्वारा कहे गए शब्दों को *धमकी* करार देते हुए बाजवा ने एलान किया कि वह मुख्यमंत्री का बायकाट करेंगे। उन्होंने कहा कि सोमवार को सदन में मुख्यमंत्री ने विपक्षी सदस्यों बारे अनुचित भाषा का इस्तेमाल किया। मुख्यमंत्री के हावभाव और कहे गए शब्द अत्यंत निंदनीय थे। बाजवा ने कहा कि जब तक मुख्यमंत्री अपने शब्द वापस लेकर माफी नहीं मांगेंगे, हम उनकी उपस्थिति में सदन की कार्रवाई में हिस्सा नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जैसे ही सदन में पहुंचेंगे, हम उठकर बाहर चले जाएंगे। इस समय मुख्यमंत्री सदन में नहीं हैं तो हम बैठे हैं और सदन की कार्रवाई में हिस्सा ले रहे हैं, जब तक वे नहीं होंगे, हम सदन की कार्रवाई में भाग लेंगे लेकिन उनके आते ही हम सदन से बाहर चले जाएंगे।

कांग्रेस ने अपने सत्ता काल में देश सेवा जैसी कोई भावना नहीं रखी : सीएम

होली मिलन सम्मेलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री

यमुनानगर (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर बुधवार को जगाधरी के सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल में भाजपा कार्यकर्ताओं के होली मिलन सम्मेलन में चंडीगढ़ से हेलीकॉप्टर में यहां मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करने पहुंचे। कार्यक्रम के आरंभ में स्कूल प्रांगण में स्कूल प्रबंधन और कार्यकर्ताओं के द्वारा मुख्यमंत्री को रंगदार पगड़ी पहनाकर और पुष्पगुच्छ देकर उनका भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने स्कूल के प्रांगण में पौधरोपण किया और कार्यकर्ताओं के कार्यक्रम के बीच मुख्यमंत्री पहुंचे। कार्यक्रम में अंबाला सांसद रतन लाल कटारिया, शिक्षा मंत्री कंवरपाल, यमुनानगर विधायक घनश्याम दास अरोड़ा, पूर्व मंत्री कर्णदेव, साढ़ौरा विधायक बलवंत सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा सहित अन्य वरिष्ठ नेतागण विशेष रूप से शामिल रहे। कार्यक्रम आरंभ में रागनी की प्रस्तुति दी गई। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं के साथ-साथ प्रदेश व देशवासियों को होली की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रंग बिरंगी होली आई, खुशियां की सौगात लाई। मैं कई वर्षों तक यहां के क्षेत्र में कार्यकर्ताओं के साथ होली मनाता रहा हूं। उन्होंने कहा कि समाज में बुरी शासन व्यवस्था को खत्म कर एक अच्छे शासन व्यवस्था करनी है। सिस्टम को दुरुस्त करने का प्रयास किया जा रहा है। देश में प्रधानमंत्री और हरियाणा में हमारी सरकार यह कार्य कर रही है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष मछली की तरह सत्ता के लिए तड़फ रहा है। उन्होंने कहा कि उनको ना देश की ना जनता की चिंता है। कांग्रेस ने अपने शासन काल में सेवा जैसी कोई भावना नहीं रखी। उन्होंने कहा कि एक अगली होली आपने आने वाले मई माह में मनानी है और उससे अगली अक्तूबर माह में। उन्होंने कहा कि अच्छे हाथों में सत्ता रहेगी तो प्रदेश का विकास तेजी से बढ़ेगा। यही संकल्प लेकर हम आगे बढ़े।

अजनाला कांड के बाद एक्शन की तैयारी

अमृतसर। अजनाला कांड के बाद पुलिस एक्शन में नजर आ रही है। पुलिस अमृतपाल के समर्थकों पर कार्रवाई की तैयारी में है। जानकारी के अनुसार अमृतपाल सिंह के समर्थकों के लाइसेंस रिव्यू किए गए हैं। बताया जा रहा है कि इन समर्थकों के लाइसेंस रद्द हो सकते हैं। बता दें कि 10 समर्थकों के लाइसेंस रिव्यू किए गए हैं जिसके बाद यह सामने आया है कि इनमें से एक समर्थक गुरभेज सिंह बाजाखाना का कई कारणों करके लाइसेंस 20 फरवरी को पहले ही रद्द हो चुका है लेकिन हथियार जब्त नहीं किया गया है। इसके अलावा अन्य 2 समर्थकों ने लाइसेंस जम्मू-कश्मीर से लिए थे। गुरमत सिंह मोगा, अवतार सिंह संगरूर, वरिंदर तरनतारन, हरप्रीत देवगन पटियाला, तलविंदर सिंह तरनतारन, गुरभेज सिंह फरीदकोट, हरजीत सिंह अमृतसर, बलजिंदर सिंह, अमृतसर, राम सिंह बराड़ कोटकपूरा के लाइसेंस रिव्यू किए गए हैं। अन्य पर भी एक्शन हो सकता है जो हथियारों से लैस नजर आ रहे हैं। उनके लाइसेंस भी रिव्यू किए गए हैं। वैरीफाई किए जा रहे हैं। किस उद्देश्य से उन्होंने हथियारों के लाइसेंस लिए हैं क्योंकि लाइसेंस सेल्फ डिफेंस के लिए बनाए जाते हैं न किसी को सिक्योरिटी देने के लिए। लाइसेंस के जरिए कितने हथियार रखें गए हैं। सारी रिपोर्ट की तैयार की जा रही है। सूत्रों के अनुसार एक-एक प्वाइंट पर काम किया जा रहा है। इस बाबत जिला प्रशासन को एक पत्र दिया गया है। बता दें कि लाइसेंस देने की कमान जिला प्रशासन डीसी, एडीसी के हाथ में होती है।

राज्यपाल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दी प्रदेश की महिलाओं को बधाई

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रदेश के सभी महिलाओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है, जहां पर महिलाओं ने अपनी पहचान न बनाई हो। आज देश की राष्ट्रपति एक महिला हैं, जोकि हमारे लिए बड़े गर्व की बात है। महिलाओं के उत्थान व आत्मनिर्भरता की दिशा में अनेकों कार्य हुए हैं, जिनसे बदलाव आया है। इसी कड़ी में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत भी हरियाणा की धरती से हुई। इस अभियान में सबसे बड़ी भूमिका महिलाओं की रही है। उन्होंने कहा कि आज हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई है। बड़े से बड़े पद पर महिला विराजमान हुई हैं। सरकार की ओर से अनेकों कार्यक्रम महिलाओं के लिए चलाए गए हैं, जिनमें बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान भी एक हैं। उन्होंने कहा कि आज हर महिला यह प्रण लें कि वे बेटी को जन्म देने से न रोके।

विधायक जोगीराम सिहाग पर महिलाओं ने बरसाए कोड़े

हिसार (हिंस)। एयरपोर्ट के रास्ते को लेकर चल रहे ग्रामीणों के धरने के बीच बुधवार को बरवाला के विधायक जोगीराम सिहाग ग्रामीणों के बीच पहुंचे। यहां पर ग्रामीणों, खासकर महिलाओं ने उनपर कोरड़े बरसाकर खूब पिटाई की। धरने पर बैठे विधायक महिलाओं से बचते नजर आए। दरअसल एयरपोर्ट से सीधा रास्ता दिया जाने की मांग पर तलवंडी राणा के ग्रामीणों का धरना लगातार चल रहा है। ग्रामीणों ने जिले के सातों विधायकों को निमंत्रण देते हुए कहा था कि वे सात मार्च को धरनास्थल पर आएं और ग्रामीणों के साथ फूलों की होली खेलें। ग्रामीणों के निमंत्रण के बावजूद कोई विधायक नहीं पहुंचा लेकिन हलका बरवाला के विधायक जोगीराम सिहाग मंगलवार की बजाय बुधवार को ग्रामीणों के बीच पहुंच गए और महिलाओं के हत्थे चढ़ गये। होली के दिन न आते तो शायद वे कोरड़े से बच जाते। धरना समिति के अध्यक्ष ओपी कोहली ने विधायक को बचाने का प्रयास किया तो महिलाओं ने उन पर भी कोरड़े बरसाए। विधायक ने अपने पर कोरड़े बरसते देख महिलाओं को दूसरों की पिटाई करने के लिए कहा, लेकिन वे नहीं मानीं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाएं भी पुरुषों के साथ धरने पर बैठी। महिलाओं ने रोड बचाओ संघर्ष समिति को 2500 का अनुदान दिया। ओपी कोहली ने कहा कि महिलाओं ने धरनास्थल पर आकर अपनी एकता और मनोबल

का एक अच्छा उदाहरण पेश किया है। कोहली ने कहा कि ग्रामीणों को 110 फिट चौड़ा रोड जीएलएफ कॉलोनी से होते हुए पुराने बरवाला रोड जो कि दिल्ली रोड से जोड़ता है, ग्रामीणों को यह रोड स्थायी रोड के रूप में दिया जाए। जब तक स्थायी रोड नहीं बन जाता ग्रामीणों को पुराना हिसार-बरवाला रोड जो बंद किया गया था, उसे खोल दिया जाए ताकि इस रोड के बंद होने से छात्र-छात्राओं, रोजाना हिसार पहुंचने वाले दूध विक्रेताओं, कर्मचारी, मजदूर, दिहाड़ीदार व अन्य लोगों को जो भारी परेशानी हो रही है उससे सभी को छुटकारा मिल सके।

झालावाड़ में होली पर निकली भव्य शोभायात्रा

झालावाड़ (हिंस)। शहर में पीपाधाम सेवा समिति के तत्वावधान में होली महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया। करीब 200 से अधिक भक्तों ने शोभायात्रा होली के उपलक्ष्य में निकाली। बुधवार को सुबह मंगलपुरा स्थित सत्यनारायण भगवान मंदिर से भक्तों के साथ गाजीपुर जाते हुए महाराज झंकारेशवर दास महाराज के सानिध्य में भव्य शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से निकाली गई। शोभायात्रा सत्यनारायण मंदिर से रवाना होकर गढ़ गणेश मंदिर, बड़ा बाजार, सोनी समाज के मंदिर, हनुमान मंदिर होते हुए मंगलपुरा चौराहे पहुंचे। शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा से भव्य स्वागत हुआ। इस अवसर पर लोगों होली से जुड़े भजनों पर नृत्य करते हुए निकले। मंगलपुरा चौराहे से शोभायात्रा रवाना होकर दाऊजी का मंदिर, गुरुद्वारा होते हुए होते हुए सत्यनारायण मंदिर पर पहुंची। जहां पर शोभायात्रा का समापन किया। इस अवसर पर मंदिर पर पूजा अर्चना के साथ महाआरती की ।एवं प्रसाद वितरण किया।

पैदल जाते एक व्यक्ति से हेरोइन व इलेक्ट्रोनिक कंडा जब्त

पठानकोट/तारागढ़। सीआईए स्टाफ की ओर से पैदल जाते एक व्यक्ति से हेरोइन व इलेक्ट्रोनिक कंडा जब्त किया गया है। इस संबंध में स्टाफ इंचार्ज राजेश हस्तीर ने बताया कि उनके नेतृत्व में पठानकोट-अमृतसर नैशनल हाईवे पर नवां परमानंद के पास स्थित पुली पर नाका लगाया हुआ था, इसके दौरान गांव की ओर से एक पैदल व्यक्ति जैसे पहुंचा तो उसने जैसे ही पुलिस पार्टी को देखा तो वह घबरा गया और एकदम से पिछे मुड़ गया जिसके चलते शक के आधार पर उसे रोक कर तालाशी ली तो उससे 255 ग्राम हेरोइन, इलेक्ट्रोनिक कंडा व एक मोबाइल बरामद किया गया। उन्होंने बताया की आरोपी की पहचान संदीप सिंह उर्फ सोनू निवासी परमानंद के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

देशभर के साथ-साथ पलवल में धूमधाम से मनी होली, आज होगा हुरंगा

पलवल (हिंस)। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी वृंदावन धाम के आसपास का लगने वाला क्षेत्र ब्रज क्षेत्र कहलाता है। इसमें हरियाणा का पलवल जिला भी बृज क्षेत्र का अभिन्न हिस्सा है। पलवल और आसपास के रहने वाले लोग भी भगवान श्रीकृष्ण और राधा को पूजते हैं। इसलिए पलवल में भी ब्रज की होली का असर दिखता है। यहां चार से पांच दिन चलने वाले होली उत्सव में स्थानीय लोग जमकर त्योहार मनाते हैं। बुधवार को भी यहां होली का उल्लास छाया रहा। यहां 9 मार्च को होने वाले हुरंगा के लिए लोगों में उत्साह है, वहीं पुलिस के व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं बड़े बुजुर्गों में मुरारी लाल गोयल का कहना है कि ब्रज में होली से जुड़ी परंपराओं का निर्वहन बसंत पंचमी के दिन से ही शुरू हो जाता था, जब मंदिरों व चौराहों पर होली जलाए जाने वाले स्थानों पर होली का डांढ़ा (लकड़ी का टुकड़ा, जिसके चारों ओर जलावन लकड़ी, कंडे, उपले आदि लगाए जाते हैं) गाड़ा जाता है। आचार्य विजय गौड़ ने बताया कि उसी दिन से मंदिरों में ठाकुरजी को प्रसाद के रूप में अबीर, गुलाल, इत्र आदि चढ़ाना और श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में

यही सामग्री बांटना शुरू हो जाता है। इसके साथ ही मंदिरों में रोज सुबह-शाम होली के गीतों का गायन भी आरंभ हो जाता है। यह क्रम रंगभरी एकादशी तक जारी रहता है, जब गीले रंगों की बौछार शुरू होने लगती है। पलवल के बड़े गांव बंचारी, सौंध, जनोली, औरंगाबाद, मित्रोल, पृथला आदि गांव में पिचकारी होली बड़े ही धूम धाम से मनाया जाती है। यहां के मंदिरों की रंग-गुलाल वाली होली, पूजन के दो दिन बाद चैत्र मास की द्वितीया (दौज) के दिन बलदेव (दाऊजी) के मंदिर प्रांगण में भगवान बलदाऊ एवं रेवती मैया के श्रीविग्रह के समक्ष बलदेव का प्रसिद्ध हुरंगा खेला जाता है। इसमें कृष्ण और बलदाऊ के स्वरूप में मौजूद गोप ग्वाल की सखियां बनकर आईं भाभियों के साथ होली खेलते हैं। यह सिलसिला बलदाऊ से होली खेलने की अनुमति लेने के साथ शुरू होता है। देवर के रूप में आए पुरुषों का दल एक तरफ, तो भाभी के स्वरूप में मौजूद समाज की महिलाओं का दल दूसरी ओर होता है। दोनों दलों के बीच पहले होली की तान और गीतों के माध्यम से एक-दूसरे पर छींटाकशी होती है। इसके बाद, पुरुषों का दल महिलाओं पर रंग बरसने लगता है। जवाब में महिलाएं पुरुषों के कपड़े फाड़कर उनका पोतना (कोड़े जैसा गीला कपड़ा) बनाती हैं और उनके नंगे बदन पर बरसाने लगती हैं। पोतना की मार शायद बरसाना की लाठियों से भी ज्यादा तकलीफ देने वाली होती है। लेकिन, होली के रंग में डूबे हुरियार टेसू के फूलों से बने फिटकरी मिले प्राकृतिक रंगों से उस मार को भी झेल जाते हैं। इन दिनों मंदिर और चौपालों पर 9 मार्च को आयोजित होने वाले हुरंगा की तैयारियां जोरों पर हैं। वहीं जिला अधीक्षक राजेश दुग्गल ने बुधवार को बताया कि हुरंगा के लिए आमजन की सुरक्षा के लिए संबंधित अधिकारियों को मंदिर का दौरा करने के निर्देश जारी कर दिए है।

जेट एयरवेज खरीदेगी नए विमान : एयरलाइन के लिए 200 एयरक्राफ्ट्स ऑर्डर करेगा जालान-कालरॉक कंसोर्टियम

नई दिल्ली।
जेट एयरवेज के सक्सेसफुल रेजोल्यूशन एप्लिकेंट जालान-कालरॉक कंसोर्टियम ने एयरलाइन के लिए 200 एयरप्लेन्स ऑर्डर करने का प्लान बनाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल ने लेंडर्स के अनुरोध के बाद स्वामित्व हस्तांतरण को रोकने से इनकार कर दिया था। इसके बाद ही जालान-कालरॉक कंसोर्टियम ने एयरप्लेन्स ऑर्डर करने का यह फैसला किया है।

ऑर्डर में स्मॉल, मीडियम और लार्ज नैरो बॉडी जेट्स शामिल होंगे - सूत्रों के मुताबिक, जालान-कालरॉक कंसोर्टियम जून के आसपास एयरप्लेन के ऑर्डर की अनाउंसमेंट कर सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंसोर्टियम कम से कम 200 विमानों का ऑर्डर देने के लिए ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर के साथ बातचीत कर रहा है, जिसमें स्मॉल, मीडियम और लार्ज नैरो बॉडी जेट्स शामिल होंगे। कंसोर्टियम जिन विमानों का ऑर्डर देने की योजना बना रहा है। वह देश में बाजार के अवसरों को ध्यान में रखते हुए ऑर्डर किए जा रहे हैं। एयरलाइन ने पहले संकेत दिया था कि वह बोइंग और एयरबस से एक बड़ा ऑर्डर देगी, लेकिन लेंडर्स के विरोध के कारण ऐसा हो नहीं पाया था। 13 जनवरी को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के एक आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। जिसने दिवालिया-जेट एयरवेज के स्वामित्व को जालान कालरॉक कंसोर्टियम को हस्तांतरित करने को मंजूरी दे दी और विजेता बोली लगाने वाले को लेनदारों को बकाया राशि का भुगतान करने के लिए अधिक समय दे दिया गया था। कहा था कि लेंडर्स को बिना देरी किए समाधान योजना को लागू करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए।

17 अप्रैल 2019 में ग्राउंडेड हो गई थी एयरलाइन - बता दें कि कर्ज में दबे होने के कारण जेट एयरवेज 17 अप्रैल 2019 में ग्राउंडेड हो गई थी। इससे पहले एयरलाइन को साउथ एशियन नेशन की सबसे बड़ी प्राइवेट एयरलाइन का दर्जा हासिल था। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के बैंकरप्सी रिजॉल्यूशन प्रोसेस में जेट एयरवेज के विनिंग बिडर्स कालरॉक कैपिटल और मुरारी लाल जालान की कंसोर्टियम थी। जालान एक दुबई बेस्ड इंडियन ओरिजिन बिजनेसमैन हैं।

न्यूज ब्रीफ

अदाणी समूह के मुंद्रा पावर प्लांट पर संपत्ति से ज्यादा हैं देनदारियां, ऐसे बढ़ता गया घाटा

नई दिल्ली। अदाणी समूह के कर्ज को लेकर इस समय काफी चर्चा हो रही है। अब खुलासा हुआ है कि अदाणी पावर का कोयले से चलने वाला मुंद्रा पावर प्लांट भी भारी कर्ज में डूबा हुआ है। इस पर संपत्तियों से ज्यादा देनदारियां हैं और प्लांट 1.8 अरब डॉलर के घाटे में है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, अदाणी पावर ने मुंद्रा पावर प्लांट को एक अरब डॉलर से ज्यादा का क्रिएटिव डेट फाइनेंसिंग किया है। निवेशकों को भरोसा दिया है कि हम मुनाफे में आएंगे। हालांकि, अदाणी पावर या अकाउंटिंग विशेषज्ञों ने ब्लूमबर्ग से इस रिपोर्ट पर कोई बात नहीं की है। पांच साल पहले 1.5 अरब डॉलर के रिकॉर्ड घाटे के बाद अदाणी पावर के नए ऑडिटर एसआरबीसी एंड कंपनी ने मुंद्रा प्लांट में अनिश्चितता को लेकर चिंता जताई थी। उधर, अदाणी परिवार ने 30 करोड़ डॉलर के शेयरों को अतिरिक्त गारंटी के तौर पर रखने की प्रतिबद्धता जताई है। ऐसे में मुंद्रा प्लांट में दिक्कत आने पर अदाणी पावर के शेयर प्रभावित होंगे। गौतम अदाणी ने 15 साल पहले ऊर्जा क्षेत्र में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने कई पावर प्लांट को अपने नियंत्रण में ले लिया और जल्द ही देश के बड़े ऊर्जा आपूर्तिकर्ताओं में शामिल हो गए। लागत को कम रखने के लिए इस प्लांट में कोयले की आपूर्ति इंडोनेशिया से होती थी। हालांकि, अदाणी समूह की यह योजना बहुत दिनों तक सफल नहीं रही। प्लांट का घाटा बढ़ने लगा और संपत्ति से अधिक कर्ज हो गया। क्या है क्रिएटिव डेट फाइनेंसिंग : अदाणी पावर ने मुंद्रा पावर प्लांट को कर्ज देने के लिए खास तरह के अनसिक्योर्ड डिबेंचर का इस्तेमाल किया। एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक, इसके लिए ब्याज की दर सालाना 10 फीसदी तय की गई और इसे तभी देना है, जब अदाणी पावर मांगे। इसके अलावा, कोई तारीख भी तय नहीं की गई कि मुंद्रा पावर प्लांट को मूल कर्ज कब तक चुकाना है। अदाणी समूह की 10 कंपनियों में 8 के शेयर सोमवार को बढ़त में बंद हुए। दो कंपनियों अदाणी ग्रीन और अदाणी विल्मर में अपर सर्किट रहा।

वाहनों की खुदरा बिक्री 16 फीसदी बढ़कर 17 लाख पार, आगे भी तेजी की उम्मीद

नई दिल्ली । मजबूत मांग के दम पर देश में वाहनों की खुदरा बिक्री में फरवरी, 2023 के दौरान दहाई अंक में वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर 16 फीसदी बढ़कर 17,75,424 इकाई पहुंच गई। हालांकि, यह बिक्री कोरोना पूर्व स्तर यानी फरवरी, 2020 के मुकाबले 8 फीसदी कम है। फरवरी, 2022 में खुदरा बाजार में 15,31,196 वाहन बिके थे। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने कुल 2,87,182 यात्री वाहन बिके। यह आंकड़ा फरवरी, 2022 में बिके 11,04,309 यात्री वाहनों से 11प्रतिशत ज्यादा है। फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा, नए मॉडल की लॉन्चिंग, आपूर्ति में लगातार सुधार, बेहतर बुकिंग-टु-कैसिलेशन अनुपात और शादियों के मौसम की वजह से बिक्री की रफ्तार बनी हुई है। 08प्रतिशत कम वाहन बिके कोरोना पूर्व फरवरी, 2020 के मुकाबले दोपहिया बिक्री में 15प्रतिशत उछाल आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी, 2023 में दोपहिया वाहनों की बिक्री 15प्रतिशत बढ़कर 12,67,233 इकाई पहुंच गई।

सेलिब्रिटीज और इंफ्लूएंसर्स के लिए नई गाइडलाइन्स: प्रोडक्ट का पर्सनली इस्तेमाल किया हो तभी करें एंडोर्स, डिसक्लोजर वर्ड के कंफ्यूजन को दूर किया

नई दिल्ली। केंद्र ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सेलिब्रिटीज, इंफ्लूएंसर्स और वर्चुअल इंफ्लूएंसर्स के लिए

नई गाइडलाइन जारी की है। गाइडलाइन के जरिए सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है सेलिब्रिटीज, इंफ्लूएंसर्स किसी भी प्रोडक्ट एंडोर्समेंट से ऑडियंस को मिसलीड न कर पाए। डिपार्टमेंट ऑप कंज्यूमर अफेयर्स ने गाइडलाइन्स के इस सेट को एंडोर्समेंट्स नो-हाउज नाम दिया है। बीते महीने भी इसे लेकर गाइडलाइन जारी की गई थी। इसमें कहा गया था, हर सेलिब्रिटी, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और वर्चुअल इन्फ्लुएंसर को सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रमुखता से बताना होगा की वे प्रचार के लिए पैसे लेते हैं ।

मॉडल ने साथी के साथ मिलकर चोरी की 14 करोड़ रुपये की शराब, अब कोर्ट ने दोनों को सुनाई सजा

नई दिल्ली ।
ये मामला स्पेन का है। यहां अक्तूबर 2021 में मेक्सिको की पूर्व ब्यूटी क्वीन और मशहूर मॉडल प्रिसिला लारा ग्वेरा ने अपने पार्टनर के साथ मिलकर करीब 14 करोड़ रुपये की शराब चोरी कर ली थी। अब इस मामले में कोर्ट का फैसला आ गया है। स्पेन की एक अदालत ने दोनों को इस मामले में जबरन होटल के अंदर अंदर घुसने और चोरी करने का दोषी पाया है। अदालत ने महिला को चार साल की जेल और पुरुष को साढ़े चार साल की सजा सुनाई है। इन दोनों को जुलाई 2022 में क्रोएशिया में गिरफ्तार किया गया था। यही नहीं, अदालत ने कपल को उक्त होटल को छह करोड़ 59 लाख 6 हजार 916 रुपये (753,454 यूरो) का मुआवजा देने को भी कहा है।

मेक्सिको ब्यूटी क्वीन रही है मॉडल

शराब चोरी करने वाली मॉडल का नॉम है प्रिसिला लारा ग्वेरा है। ये मेक्सिको की पूर्व ब्यूटी क्वीन रह चुकी हैं। अदालत ने माना है कि मॉडल ने नकली स्विस पासपोर्ट का इस्तेमाल करके होटल में चेक-इन किया था। इसके बाद महिला ने रात के दो बजे रिसेप्शन पर कॉल किया और उस समय काम कर रहे एकमात्र कर्मचारी से सलाद बनाने के लिए कहा। कर्मचारी ने पहले अनुरोध को अस्वीकार कर दिया क्योंकि वह अकेला था, लेकिन महिला की जिद की वजह से वह सलाद देने के लिए तैयार हो गया।

जब कर्मचारी सलाद तैयार कर रहा था, तो महिला का पार्टनर रिसेप्शन पर गया और वहां से वाइन सेलर में घुसने के लिए चाबी उठा ली। इसके बाद दोनों वाइन सेलर में घुसे और शराब की करीब 45 बोतलें चोरी करके भाग गए। जब यह मामला सामने आया तो हर कोई इसके बारे में जानकर हैरान हुआ।

होटल में इस पहचान बदलकर घुसी थी मॉडल

स्पेनिश पुलिस ने बताया कि 29 साल की मॉडल और रोमानियाई डच पार्टनर कांस्टेंटाइन गेब्रियल दिमित्री ने 2021 में एक होटल में घुसकर शराब की चोरी की थी। तब से इन दोनों की तलाश की जा रही थी और पुलिस ने 2022 में क्रोएशिया से गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने बताया कि उस दिन मॉडल प्रिसिला होटल में जब पहुंची तो उन्होंने विग लगा रखी थी। इसके साथ ही उन्होंने सनग्लासेज और फेस मास्क भी लगा रखा था।

होटल चेक इन रिकॉर्ड के मुताबिक इस पासपोर्ट पर उनकी नागरिकता स्विटजरलैंड की थी और उनका नाम मिर्का गुलोबिक लिखा हुआ था। पूर्व ब्यूटी क्वीन ने होटल में दो लोगों के लिए डिनर टेबल बुक कराई थी। होटल के मैनेजर के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि डिनर टेबल पर दोनों का व्यवहार अजीब था और उन्हें देखकर लग रहा था कि उन्हें इस तरह के डिनर की आदत नहीं है।

मॉडल ने फोन कर बंटाया रिसेप्शन का ध्यान

बाद में दोनों ने होटल रूम में जाने से पहले एट्रियो वाइन सेल को देखने की इच्छा जाहिर की जिस पर दोनों को वहां ले जाया गया। इस वाइन सेल को विशेष तौर पर तैयार किया गया है और इसे खास तौर पर इलेक्ट्रॉनिक गेट से तैयार किया गया है। रूम में जाने के बाद प्रिसिला ग्वेरा ने रिसेप्शन पर फोन किया और कुछ खाने के लिए मांगा। दरअसल यह ध्यान बंटाने के लिए किया गया था और इस दौरान दिमित्री ने पहले से रखी गई मास्टर की के जरिए वाइन सेल में घुसकर शराब की बोतलें चुरा लीं।

तौलिए में छिपाकर रखी 45 शराब बोतलें

पुलिस ने बताया कि इसके बाद दोनों ने 45 शराब की बोतलें तौलिए में लपेटा और छिपाकर रख लिया। इसके बाद दोनों ने तड़के पांच बजे बिना किसी को खबर दिए चुपके से होटल से फरार हो गए। लेकिन दोनों होटल के सीसीटीवी में बैग के साथ बाहर जाते कैद हो गए। सुबह जब शराब की महंगी बोतलों के चोरी होने की जानकारी मिली तो हड़कंप मच गया। इनमें एक 19वीं सदी की बनी दुर्लभ शराब की बोतल भी शामिल थी। 45 बोतलों की कीमत 14 करोड़ रुपये बताई गई है।

क्रोएशिया से गिरफ्तार किया गया था जोड़ा

पुलिस के पास मामला पहुंचने के बाद सीसीटीवी की जांच की गई। जांच में पता चला कि ये जोड़ा क्रोएशिया में रह रहा है। हाई प्रोफाइल चोरों को पकड़ने के लिए स्पेन की पुलिस ने डच, रोमानिया और क्रोएशिया की पुलिस से संपर्क किया और सबने मिलकर अभियान चलाया। इसके बाद क्रोएशिया बॉर्डर को पार करने से पहले ही दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया था।

इंडिया स्किल्स रिपोर्ट-2023

रिकॉर्ड... 7 साल में पहली बार हमारे 50प्रतिशत युवा नौकरी के काबिल मिले

नई दिल्ली।
यदि आप ऐसा सोचते हैं कि देश के युवाओं में जॉब पाने की काबिलियत नहीं है, तो ये आंकड़े जरूर पढ़िए। इंडिया स्किल्स रिपोर्ट-2023 के अनुसार, हमारे देश के 50.3प्रतिशत युवा नौकरी पाने की योग्यता रखते हैं।

साल 2017 से 2023 के बीच यानी पिछले 7 साल में पहली बार 'काबिल' युवा 50प्रतिशत से ऊपर पहुंचे हैं। 2022 में 46प्रतिशत लोग ही इस श्रेणी के थे। देश के 3.75 लाख उम्मीदवारों के वीबॉक्स नेशनल एम्प्लॉयबिलिटी टेस्ट (डब्ल्यूनेट) और 15 से ज्यादा इंडस्ट्रीज की 150 कंपनियों पर किए हायरिंग इंटेंट सर्वे से ये नतीजे सामने आए। रोजगार की योग्यता में पुरुषों (47प्रतिशत) से आगे रही हैं महिलाएं (53प्रतिशत)। 2017 से यही ट्रेंड चल रहा है। रोजगार योग्य सबसे ज्यादा महिलाएं (53.56प्रतिशत) राजस्थान में और पुरुष (58प्रतिशत) ओडिशा में पाए गए हैं। 22-25 साल आयुवर्ग के युवा नौकरी के लिहाज से सर्वाधिक (56प्रतिशत) काबिल निकले। यही वजह है कि इस साल 38प्रतिशत मांग 1 से 5 साल तक अनुभव वालों की रहेगी। एम्प्लॉयबिलिटी टेस्ट में हिस्सा लेने वाले 89प्रतिशत लोग इंटर्नशिप के साथ करिअर शुरू करना चाहते हैं। बदलाव... अब जल्दी नौकरी पाने में टॉप, बीटेक पीछे छूटा अच्छी खबर है। वीबॉक्स नेशनल एम्प्लॉयबिलिटी टेस्ट के नतीजे बताते हैं कि इस कोर्स के सबसे ज्यादा 60.62प्रतिशत प्रतिभागी रोजगार हासिल करने की योग्यता रखते हैं। एमबीए वाले 60.1प्रतिशत के साथ दूसरे नंबर पर रहे। वहीं, 2022 में टॉप पर रहे बीटेक वाले 2023 में 57.44प्रतिशत के साथ चौथे पर खिसक गए। बीफार्मा (57.51प्रतिशत) वाले तीसरे पर आ गए। पिछले 7 साल में पहली बार इस सूची में टॉप पर पहुंचे। जबकि बीटेक वाले 7 में से 5 बार शीर्ष पर रह चुके हैं। हायरिंग; इस साल 31प्रतिशत इंडस्ट्रीज इंजीनियर्स की भर्ती करने को तैयार इंडस्ट्री के लिहाज से देखें तो 2023 में सबसे ज्यादा भर्तियां ऑटोमोटिव, इंजीनियरिंग और इंटरनेट बिजनेस में होने की उम्मीद। 2022 में आईटी, सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर टॉप पर थे। नैसकॉम की रिपोर्ट के मुताबिक, 2030 तक रिटेल में सबसे ज्यादा 2.5 करोड़ नौकरियां आ सकती हैं। इस साल 31प्रतिशत इंडस्ट्रीज इंजीनियर्स भर्ती करने की तैयारी कर रही हैं। अगले 7 साल में यानी 2030 तक डिजिटल और डेटा लिटरेसी, इमोशनल इंटेलीजेंस व क्रिएटिविटी जैसी स्किल की मांग तेजी से बढ़ेगी। दबदबा... जॉब की योग्यता में यूपी आगे, पर भर्तियां करने में महाराष्ट्र इंडिया स्किल्स रिपोर्ट- 2023 कहती है कि रोजगार की काबिलियत में यूपी ने महाराष्ट्र को पीछे छोड़कर देश में पहला स्थान पा लिया है।

पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन के दावे को किया खारिज, हिंदू विकास दर के तर्क को कहा पक्षपातपूर्ण

नई दिल्ली ।
एसबीआई रिसर्च ने अपनी इकोरैप रिपोर्ट में कहा है कि भारत के हिंदू विकास दर की ओर बढ़ने का तर्क गलत सोच पर आधारित और पक्षपातपूर्ण है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह बचत और निवेश से संबंधित आंकड़ों को देखते हुए यह अपरिपक्व प्रतीत होता है। विकास की हिंदू दर शब्द 1978 में अर्थशास्त्री राज कृष्ण की ओर से गढ़ा गया था। उन्होने वर्ष 1947-1980 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद के संदर्भ में लगभग 3.5-4.0प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि की बात कही थी। रिपोर्ट में कहा गया है, वित्त वर्ष 2023 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर में तिमाही क्रमिक आधार पर गिरावट का रुख रहा है। चुनिंदा तिमाहियों में यह तर्क दिया गया है कि भारत राज कृष्ण द्वारा गढ़ी गई विकास दर (3.5-4 प्रतिशत) की ओर जा रहा है, ये 1947-1980 की अवधि में दौरान विकास पर हावी रही थी। इकोरैप रिपोर्ट में कहा गया है, बचत और निवेश के आंकड़ों के आधार पर हम इसे देखें तो यह गलत तरीके से बनाया गया, पक्षपातपूर्ण और प्रीमैच्योर्ड लगता है। एसबीआई रिसर्च की यह रिपोर्ट आरबीआई के

पूर्व गवर्नर रघुराम राजन के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने मीडिया से कहा था कि भारत की आर्थिक वृद्धि राज कृष्ण के हिंदू विकास दर के करीब है। इसके अलावा एसबीआई रिसर्च ने तर्क दिया कि कुल सकल पूंजी निर्माण (जीसीएफ) में सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों का संस्थागत हिस्सा वित्त वर्ष 12 से जीडीपी के क्रमश: लगभग 10 प्रतिशत और 34 प्रतिशत पर लगभग स्थिर रहा है। विश्व बैंक के अनुसार सकल पूंजी निर्माण में अर्थव्यवस्था की अचल संपत्तियों के अलावा निवेश और इन्वेंट्री के स्तर पर शुद्ध परिवर्तन शामिल हैं। सरकार की ओर से सकल पूंजी निर्माण 2021-22 में 11.8 प्रतिशत के उच्च स्तर पर पहुंच गया।

महंगाई ने बिगाड़ा बजट, घरेलू बचत 30 साल के निचले स्तर पर, कंपनियां उपभोक्ताओं पर डाल रही बोझ

नई दिल्ली।
उच्च महंगाई से परिवारों का बजट बिगड़ता जा रहा है। लगातार बढ़ती इनपुट लागत की वजह से मार्जिन में आ रही गिरावट को देखते हुए सभी उद्योगों से जुड़ीं कंपनियां कीमतों का बोझ अब उपभोक्ताओं पर डाल रही हैं। इससे खपत में तेज गिरावट आ रही है और निम्न से लेकर मध्य आय वर्ग वाले परिवारों की बचत 30 साल के निचले स्तर पर आ गई है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने एक रिपोर्ट में कहा, हमारी गणना बताती है कि चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कुल घरेलू बचत घटकर जीडीपी का 15.7 फीसदी रह गई। यह इसका 30 साल का निचला स्तर है। पिछले पांच वर्षों में घरेलू बचत जीडीपी का 20 फीसदी रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक, 2022-23 की पहली छमाही में शुद्ध घरेलू वित्तीय बचत भी घटकर जीडीपी का 4 फीसदी रह गई। यह भी 30 साल का निचला स्तर है। 2021-22 में यह बचत जीडीपी का 7.3 फीसदी और 2020-21 में 12 फीसदी रही थी।

15.7प्रतिशत रह गई घरेलू बचत 2022-23 की पहली छमाही में जीडीपी का ग्रामीण खर्च चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीने में 5.3प्रतिशत बढ़ा निवेश व निर्यात के मोर्चे पर हालात बेहतर नहीं नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की हाल में जारी रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना महामारी के बाद अर्थव्यवस्था में भले ही मजबूत सुधार दिख रहा है। लेकिन, कुल मिलाकर यह अब भी कमजोर है। घरेलू खपत के अलावा पूंजीगत निवेश के मोर्चे भी हालात बेहतर नहीं हैं। पूंजी की लागत बढ़ रही है, जबकि निर्यात में गिरावट जारी है।

फेसबुक-वॉट्सऐप और इंस्टाग्राम में दूसरे दौर की छंटनी

मेटा इस हफ्ते हजारों एम्प्लॉइज को निकाल सकता है, पहले राउंड में 11,000 को निकाला था

वॉशिंगटन।
सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा दूसरे राउंड की छंटनी करने का प्लान बना रही है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मेटा इस हफ्ते की शुरुआत में हजारों एम्प्लॉइज को निकाल देगा। रिपोर्ट में मामले से वाकिफ लोगों का हवाला दिया गया है। मेटा ने डायरेक्टर्स और वाइस प्रेसिडेंट्स से उन कर्मचारियों की लिस्ट बनाने को कहा है जिन्हें छंटनी के इस दौर में जाने दिया जा सकता है।

मेटा ने पिछले साल छंटनी के पहले राउंड में, 11,000 कर्मचारियों को निकाल दिया था, जो पूरी वर्कफोर्स का 13प्रतिशत था। कंपनी के 18 साल के इतिहास में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में कर्मचारियों की छंटनी हुई थी। कर्मचारियों को निकालने का ऐलान कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने किया था। उन्होंने इसकी वजह गलत फैसलों से रेवेन्यू में आई गिरावट को बताया था।

मार्क ने कहा था, आज मैं मेटा के इतिहास में किए कुछ सबसे कठिन फैसलों के बारे में बताने जा रहा हूं। हमने अपनी टीम साइज में करीब 13प्रतिशत कटौती करने का फैसला किया है। इससे 11 हजार से अधिक प्रतिभाशाली कर्मचारियों की नौकरी जाएगी। हम खर्च में कटौती करके और क्त्ता तक हायरिंग फ्रीज को बढ़ाकर ज्यादा कुशल कंपनी बनने के लिए कदम उठा रहे हैं। मार्क ने कहा था, कोविड की शुरुआत में, दुनिया तेजी से ऑनलाइन हो गई और ई-कॉमर्स के बढ़ने से रेवेन्यू में इजाफा हुआ। कई लोगों ने प्रिडिक्ट किया कि यह बढ़ोतरी स्थायी होगी जो महामारी खत्म होने के बाद भी जारी रहेगी। मैंने भी यही सोचा, इसलिए मैंने अपने इन्वेस्टमेंट में बढ़ोतरी करने का फैसला लिया। दुर्भाग्य से, यह मेरी अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा। न केवल ऑनलाइन

कॉमर्स पहले के ट्रेंड पर लौट आया है, बल्कि मैक्रोइकोनॉमिक डाउनटर्न, कॉम्पिटिशन और कम विज्ञापन के कारण रेवेन्यू मेरी अपेक्षा से कम हो गया है। मुझसे ये गलती हुई और मैं इसकी जिम्मेदारी लेता हूं। इस नए माहौल में, हमें और अधिक पूंजी कुशल बनने की जरूरत है। हमने संसाधनों को हाई प्रायोरिटी ग्रोथ एरिया में शिफ्ट कर दिया है। एआई डिस्कवरी इंजन, एडवर्टाइजमेंट और बिजनेस प्लेटफॉर्म और मेटावर्स के लिए हमारा लॉन्ग टर्म विजन है। हमने बिजनेस की लागत में कटौती की है, जिसमें बजट कम करना, भत्तों को कम करना और रियल एस्टेट फुट प्रिंट को कम करना शामिल है। हम अपनी एफिशिएंसी बढ़ाने के लिए टीमों का पुनर्गठन कर रहे हैं। लेकिन ये उपाय अकेले हमारे खर्चों को हमारी रेवेन्यू ग्रोथ के अनुरूप नहीं लाएंगे, इसलिए मैंने लोगों को जाने देने का कठिन निर्णय भी लिया है।

ब्यूटी ऐप टीरा लॉन्च करेगी रिलायंस रिटेल: ऑफलाइन स्टोर भी खोलेगी, पहला स्टोर मुंबई में अप्रैल में खुलेगा

मुंबई। रिलायंस रिटेल अपना ई-कॉमर्स ब्यूटी प्लेटफॉर्म टीरा लॉन्च करने जा रहा है। इसके साथ ही वो अपने ऑफलाइन स्टोर भी खोलेगा। पहला ऑफलाइन टीरा स्टोर मुंबई में अप्रैल में खुलेगा। इसके बाद पूरे देश में शॉप-इन-शॉप और स्टैंडअलोन दोनों में इसे एक्सपेंड करेगा। इंडस्ट्री चैंबर के आयोजित एक कार्यक्रम में रिलायंस रिटेल के डायरेक्टर सुब्रमण्यम वी ने इसकी जानकारी दी। टीरा में मेकअप, स्किन केयर, हेयर केयर, बाथिंग, फ्रैगनेंसेज, मेंस ब्यूटी और लग्जरी सेक्शन के प्रोडक्ट मिलेंगे। अभी ये प्लेटफॉर्म रिलायंस के सभी कर्मचारियों के लिए खुला है, लेकिन जल्द ही आम जनता के लिए भी खुल जाएगा। टीरा स्टोर वर्चुअल ट्राइ-ऑन और कस्टमाइज्ड रिकमंडेशन जैसे कई टेक्निकल इंटरवेंशन ऑफर करेगा।

मैं हर तरीके की भूमिका करने तैयार रहता हूं

– अध्ययन सुमन की माशूक मेरे लिए रही शानदार पैटर्न ब्रेक : विवेक ओबेरॉय
– बॉलीवुड एक्टर विवेक आनंद ओबेरॉय ने कहा

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्टर विवेक आनंद ओबेरॉय ने कहा कि इतने लंबे समय के बाद रोमांस शैली में वापसी करना उनके लिए पैटर्न ब्रेक था। विवेक ने माशूक ट्रैक के वीडियो में श्वेता इंद्र कुमार के साथ काम किया है। इस गाने को मोहित चौहान ने गाया है, वहीं अध्ययन सुमन ने डायरेक्ट किया है। म्यूजिक गैराज द्वारा प्रस्तुत और एसके अहलूवालिया द्वारा निर्मित, दिल को छू लेने वाला यह लव ट्रैक यूट्यूब पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध है। विवेक ने आगे कहा, मैं हर तरीके की भूमिका को निभाने के लिए तैयार रहता हूं। रोमांस एक ऐसा जॉनर है जिसे मैंने लंबे समय से नहीं आजमाया है और जब मेरे पास आ-फर आया, तो मुझे बस इतना पता था कि मुझे यह करना है। उन्होंने आगे कहा कि म्यूजिक वीडियो कुछ ही मिनटों में एक मजबूत कहानी पेश करता है। यह क्रिस्प, पंची है। हाल ही में, मैंने बहुत सी सीरियस फिल्में की हैं और सीरियस किरदार निभाए हैं। यह मेरे लिए एक बेहतरीन पैटर्न ब्रेक था। उन्होंने कहा, अध्ययन के साथ काम करना आसान था, अपने विजन में स्पष्ट होने के कारण उन्होंने सॉन्ग को एक फिल्म के रूप में शूट किया। उन्होंने मेरा काम आसान कर दिया। गाने का म्यूजिक अनीस अली साबरी ने तैयार किया है और इसके बोल शब्बीर अहमद ने लिखे हैं। अध्ययन सुमन ने कहा, मैं हमेशा कैमरे के सामने रहने से ज्यादा कुछ करना चाहता हूं। जब मैंने पहली बार गाना सुना, तो मुझे पता था कि मैं किस तरह की कहानी सेट करना चाहता हूं, जिस तरह का विजुअल पैलेट मैं चाहता था, विवेक ने उसमें मेरा पूरा साथ दिया। मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे कहानी कहने का मौका मिला।

किसी का भाई किसी की जान रीलिज के लिए तैयार

-विभिन्न क्षेत्रों की खोज के लिए जाने जाते हैं सलमान खान

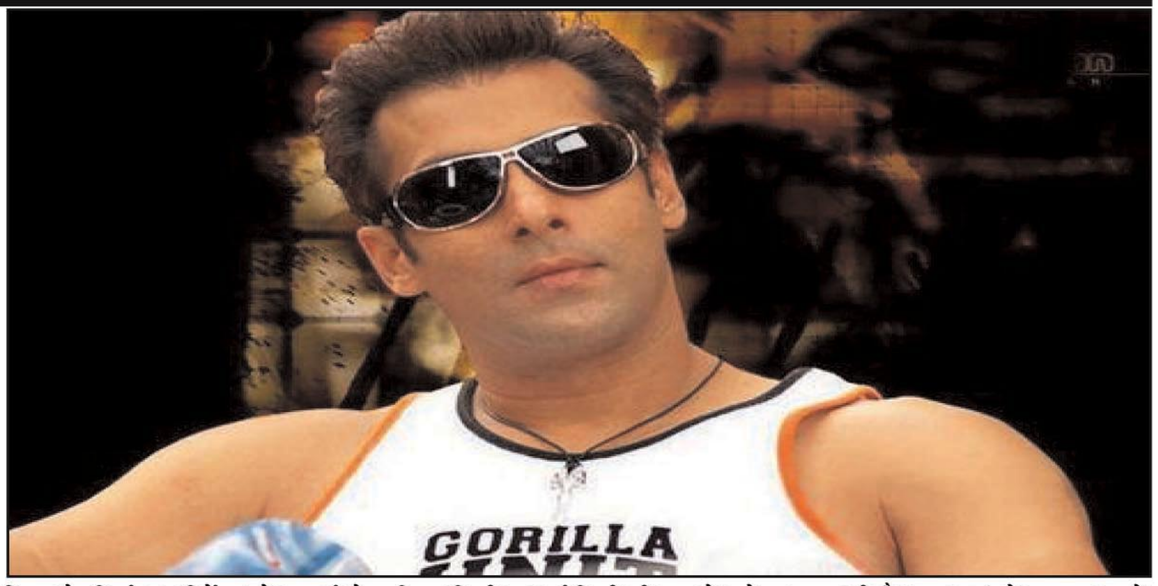

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के दबंग भाईजान सलमान खान एक बार फिर अपनी बड़ी ईद रिलीज, किसी का भाई किसी की जान के लिए तैयार हैं। सलमान अभिनय के अलावा विभिन्न क्षेत्रों की खोज के लिए जाने जाते हैं, उनका गायन उद्यम उनमें से काफी लोकप्रिय रहा है। जब आप उद्योग में कई साल बिताते हैं, तो आप अपने विचारों को टीम के साथ शामिल करते हैं। खान भी अपने निर्देशकों को अपने इनपुट देते हैं और ऐसी खबरें सामने आई हैं कि वह अपनी आने वाली फिल्म के निर्देशन वाले हिस्से से गहराई से जुड़े हुए हैं और इस्-का श्रेय लेने पर भी विचार कर सकते हैं।किसी का भाई किसी की जान का निर्देशन फरहाद सामजी ने किया है, जो इससे पहले अक्षय कुमार को लेकर हाउसफुल-4 बना चुके हैं। फरहाद सामजी इन दिनों हेराफेरी-4 को लेकर सर्वाधिक चचाओं में हैं। सोशल मीडिया पर हेराफेरी सीरीज की इस फिल्म को निर्देशित करने के लिए उनका विरोध हो रहा है। किसी का भाई किसी की जान में सलमान खान पूजा हेगड़े के साथ रोमांस करते नजर आएंगे। फैमिली-एक्शन ड्रामा में टेलीविजन का मशहूर चेहरा शहनाज गिल भी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान के एक करीबी दोस्त ने खुलासा किया है कि अभिनेता फिल्म के निर्माण व निर्देशन में गहराई से शामिल रहे हैं। उनके अनुसार, किसी का भाई किसी की जान में एक भी शॉट सलमान की मंजूरी के बिना नहीं गया है। वह अब कहानी को टाइट बनाने और फिल्म के चलने के समय को कम करने के लिए फिल्म को फिर से संपादित कर रहे हैं। सूत्र ने आगे कहा कि फिल्म किसी का भाई किसी की जान से जुड़े लोगों ने सलमान खान को फिल्म के निर्देशन में उनकी भागीदारी का श्रेय लेने की सिफारिश की। उन्होंने कहा, यह कहना गलत नहीं होगा कि पूरी फिल्म का निर्देशन सलमान ने वर्चुअली किया है। उनके करीबी लोगों ने उन्हें को-डायरेक्टर के तौर पर क्रेडिट लेने की सलाह दी है। सच कहूं तो सलमान उनके योगदान को देखते हुए कम से कम इतना तो कर ही सकते हैं। बता दें कि उनकी पिछली फिल्म राधे दर्शकों को प्रभावित करने में विफल रही, लेकिन शाहरुख खान के नेतृत्व वाली पठान में उनके विस्तारित कैमियो ने प्रशंसकों को नई ऊर्जा से भर दिया है।

मां के माथे को चुमती दिखाई दी इरा खान, लोग कर रहे इरा की तारीफ

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म अभिनेता आमिर खान पिछले कुछ महीनों से अपनी असफलता और अपनी दूसरी पत्नी किरण से तलाक को लेकर चचाओं में हैं। आमिर को कुछ समय पूर्व सलाम वैंकी के प्रीमियर में देखा गया था, जहाँ वे पूरी तरह से सफेद दाढ़ी और सफेद बालों में स्पॉट हुए थे। अब आमिर फिर चर्चा में हैं, लेकिन इसकी वजह आमिर खुद नहीं बल्कि उनकी बेटी इरा खान हैं। इरा खान अक्सर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में बनी रहती हैं। कभी वहां नुपुर शिखरे संग तस्वीर शेयर कर छा जाती हैं, तब कभी बिकिनी पहन केक कट ट्रोल हो जाती है। लेकिन इस बीच इरा की एक नई तस्वीर सामने आई है, इरा की ये तस्वीर देखकर उनकी खूब तारीफ हो रही है। आमिर की बेटी इरा की अभी हाल ही में एक तस्वीर सामने आई है। इस तस्वीर में इरा अपनी मां रीना दत्ता के साथ दिखाई दे रही हैं। इस तस्वीर में इरा अपनी मां को माथे पर किस करती दिख रही हैं। इरा और रीना दत्ता की ये तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। गौरतलब है कि रीना दत्ता आमिर खान की पहली पत्नी हैं, जिसे उन्होंने 2002 में तलाक दे दिया था। अमीर ने अपनी पहली फिल्म कयामत से कयामत तक प्रदर्शित होने के बाद रीना दत्ता से 1986 में शादी की थी। साल 2002 में रीना और आमिर खान का तलाक हो गया था। आमिर खान और रीना दत्ता के दो बच्चे हैं। बेटे का नाम जुनैद और बेटी का नाम इरा खान है।

होम्बले फिल्म्स ने एक और नए वेंचर की घोषणा की

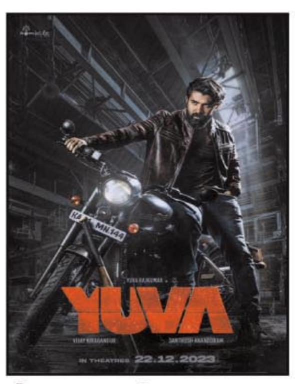

होम्बले फिल्म्स ने अपने एक और नए वेंचर की घोषणा की है। अपकमिंग फिल्म का टाइटल युवा है। यह फिल्म एक फैमिली ड्रामा है जिसे संतोष आनंदराम द्वारा निर्देशित किया जाएगा। मालूम हो कि होम्बले फिल्म्स केजीएफ चैप्टर 1, केजीएफ चैप्टर 2, और कांतारा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों दे चुके हैं। फिल्म में दमदार स्टोरीटेलिंग के साथ जबरदस्त एक्शन सीन्स भी शामिल होंगे। युवा मैटिनी आइडल डॉ राजकुमार के पोते की पहली फिल्म होगी, जो इसे साल की सबसे मोस्ट अवेटिड रिलीज में से एक बनाती है। हाल में प्रोडक्शन हाउस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म के नाम के साथ साथ फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा की है। ये फिल्म 22 दिसंबर 2023 को रिलीज होगी जिसे मुख्य रूप से कन्नड़ भाषा में रिलीज किया जाएगा। फिल्म को बाकी भाषाओं में रिलीज करने की योजना पर विचार किया जा रहा है।

जाह्नवी कपूर अपने बर्थडे पर फैन को दिया सरप्राइज, शेयर किया नई फिल्म का पोस्टर

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर का आज यानी 6 मार्च को अपना 26वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। इस खास दिन के मौके पर एक्ट्रेस ने अपने फैंस को एक सरप्राइज दिया है। जाह्नवी ने अपने तेलुगु डेब्यू की घोषणा की है। जाह्नवी कपूर अभिनेता जूनियर एनटीआर की आने वाली फिल्म 'एनटीआर-30' में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इसके साथ ही जान्हवी ने फिल्म से अपना फर्स्ट लुक भी शेयर किया है। जाह्नवी कपूर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म से अपना फर्स्ट लुक फोटो शेयर किया है। इस फोटो के कैप्शन में जाह्नवी ने लिखा, 'मैं अपने पसंदीदा अभिनेता जूनियर एनटीआर के साथ इस नए सफर को शुरू करने के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकती।' कोरतला शिवा पिछले 6 महीने से फिल्म के लिए एक्ट्रेस की तलाश में थे। फिल्म 'एनटीआर-30' के लिए कई नामों पर विचार करने के बाद अब उन्होंने जान्हवी को साइन कर लिया है। फिल्म 'एनटीआर-30' तेलुगु, तमिल, मलयालम और हिंदी समेत कई भाषाओं में रिलीज होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 2024 में स्क्रीन पर आने के लिए तैयार है। फिल्म 'आरआरआर' के करीब 2 साल बाद जूनियर एनटीआर इस फिल्म में नजर आएंगे। जान्हवी कपूर भी इस फिल्म से अपना तेलुगु डेब्यू करेंगी। 'आरआरआर' की तरह ही कहा जा रहा है कि जूनियर एनटीआर की यह नई फिल्म भी सुपरहिट होगी।

नोरा ब्लैक टॉप और ट्राउजर में उडा रही होश

हाल ही में एक्ट्रेस नोरा फतेही ने अपनी कुछ स्टाइलिश तस्वीरें शेयर की हैं, जो खूब पसंद की जा रही हैं। लुक की बात करें तो नोरा ब्लैक टॉप और ट्राउजर में नजर आ रही है। इस्-के साथ एक्ट्रेस ने ब्लैक शूज पहने हुए हैं। लाइट मेकअप, ओपन हेयर्स और शेड्स से नोरा ने अपने लुक को कम्पलीट किया हुआ है। इस लुक में एक्ट्रेस बेहद स्टाइलिश लग रही है। फैंस एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर फिदा हो गए हैं। फैंस इन तस्वीरों को खूब प्यार दे रहे हैं। काम की बात करें तो नोरा फतेही भुजः द प्राइड ऑफ इंडिया और भारत जैसी बड़ी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। अब वह जल्द ही शहनाज गिल, जॉन अब्राहम और रितेश देशमुख के नजर आएंगी। बता दें कि एक्ट्रेस नोरा फतेही सोशल मीडिया पर एक्टिव स्टार्स में से एक है। एक्ट्रेस अपने से जुड़े अपडेट्स अक्सर फैंस के साथ शेयर करती रहती है।

द कपिल शर्मा शो की शोभा बढ़ाएंगे भुवन बाम

अभिनेता भुवन बाम जल्द ही द कपिल शर्मा शो की शोभा बढ़ाएंगे। भुवन बाम को उनकी ओटीटी सीरीज ताजा खबर के लिए सराहना मिली। उन्होंने हाल ही में कपिल शर्मा के साथ एक विशेष एपिसोड के लिए शूटिंग की, जो अपने आगामी नाटक ज्विगेटो की रिलीज का भी इंतजार कर रहे हैं। भुवन ने अपने सोशल मीडिया पर कपिल के साथ एक खास पल की तस्वीर साझा की। उन्होंने तस्वीर को कैप्शन दिया, औकात के बाहर आ गया हूं, द कपिल शर्मा शो पे। उनकी 2023 की वेबसीरीज ताजा खबर की शुरूआत अच्छी रही और ऑरमैक्स की रिपोर्ट के अनुसार इसने चार हफ्तों तक नंबर एक स्थान हासिल किया। इसने शाहिद कपूर और विजय सेतुपति-स्टारर प्राइम वीडियो वेबसीरीज फर्जी की रिलीज के बाद अपना शीर्ष स्थान सौंप दिया।

बालीवुड में राम गोपाल ने क्रांति ला दी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी ने कहा कि हिंदी फिल्म उद्योग में आरजीवी के प्रवेश ने इसकी गतिशीलता को बदल दिया है और हिंदी फिल्म उद्योग में फिल्में कैसे बनाई जाती हैं। मनोज ने कहा, राम गोपाल वर्मा ने सत्या, कंपनी, शिवा या सरकार जैसी फिल्में बनायी। उन्होंने कई निर्देशक, एक्टर्स और टेक्नीशियन की एक पूरी पीढ़ी दी, उन्होंने हिंदी सिनेमा में क्रांति ला दी। ऐसा काम केवल वही कर सकता है जो ठोकर खाकर फिर से खड़ा हो गया हो। उनके पास काफी साहस है।मनोज ने यह भी खुलासा किया कि वह जीवन या आधुनिक रिश्तों के प्रति धष्टिकोण जैसी कुछ बातों पर आरजीवी से असहमत हो सकते हैं लेकिन उन्हें हमेशा उनकी बात सुनना मनोरंजक लगता है। आ-रजीवी और उनके गैंग्स ऑफ वासेपुर के निर्देशक अनुराग कश्यप, जिन्होंने सत्या की पटकथा का सह-लेखन किया है, के बीच समानताएं बताते हुए मनोज ने कहाः वे दोनों मनमौजी हैं और दोनों बच्चों की तरह हैं और इसीलिए वे महान फिल्म निमार्ता हैं।

अजय देवगन के साथ 'भोला' में नजर आएगा कानपुर का छोरा 'अजय'

– फिल्म का ट्रेलर हुआ लॉन्च, 30 मार्च को रिलीज होगी 'भोला'

लखनऊ, (हि.स.)। फिल्म इंडस्ट्री में सिंघम के नाम से फेमस अभिनेता अजय देवगन की अपकमिंग मूवी भोला में कानपुर का छोरा 'अजय' एक्टिंग करते नजर आएंगे। यह फिल्म 30 मार्च को पूरे देश में रिलीज होने वाली है। भोला का सोमवार को ट्रेलर लांच कर दिया गया है। फिल्म की शूटिंग बनारस के अलावा यूपी के कई जगहों पर की गई है। सिने अभिनेता अजय देवगन की आने वाली मूवी भोला का आज ट्रेलर लांच कर दिया गया है। हालांकि की ट्रेलर लांच होने से पूर्व फिल्म की शूटिंग की काफी चर्चा हो रही थी। इस फिल्म में अजय देवगन के साथ बॉलीवुड व साउथ के कलाकार मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इन कलाकारों के बीच खास बात यह है कि फिल्म में उत्तर प्रदेश की औद्योगिक नगरी कानपुर का भी एक छोरा अजय मिश्रा भी अजय देवगन के साथ नजर आएगा। मूवी में काशी में फिल्माया गए एक गीत में वह अभिनेता अजय के साथ खुली जिप्सी में दिखेंगे। वहीं फिल्म के कई अन्य सीने में भी वह भूमिका करते देखे जाएंगे। अजय देवगन की आने वाली फिल्म भोला के ट्रेलर लांचिंग पर हिन्दुस्थान समाचार ने अजय मिश्रा से बातचीत की। उन्होंने खास बातचीत में बताया कि इस फिल्म में अजय देवगन के साथ-साथ तब्बू, अभिषेक बच्चन, साउथ की एक्ट्रेस अमला पौल व संजय मिश्रा भी नजर आएंगे। वहीं विलेन की भूमिका में शरद केलकर व दीपक डोबियाल हैं। फिल्म साउथ मूवी कैथी की रिमेक है। भोला मूवी थ्रीडी में 30 मार्च को पूरे इंडिया में रिलीज हो रही है। फिल्म का गाना नजर लग जाएगी टी सीरीज के बैनर तले रिलीज हो चुका है, जो सुर्खियों में है। बताया कि सोमवार को फिल्म का ट्रेलर दोपहर दो बजे लांच कर दिया गया है। यह फिल्म दर्शकों को काफी पंसद आएंगी। इसमें वाराणसी में पवित्र गंगा नदी में मुख्य भूमिका अदा कर रहे अजय देवगन स्नान के साथ घाट के आसपास और काशी के कई स्थानों पर नजर आने वाले हैं। यह फिल्म उप्र में बढ़ते फिल्म जगत की परिकल्पना में मिल का पत्थर साबित होगी। अजय मिश्रा बतौर लाइन प्रोड्यूसर व कास्टिंग डायरेक्टर के साथ-साथ फिल्म आ-र्टस्ट का भी काम करते हैं। अजय ने इसके पहले भी कई सारी फिल्मों, वेब सीरीज व सीरियल में काम कर चुके हैं और उनके अलग-अलग लुक को काफी सराहा गया है।

आलिया के आरोपों पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने तोड़ी चुप्पी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी और उनकी पत्नी आलिया के बीच का विवाद कुछ समय से मीडिया और सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। आलिया ने कुछ दिन पहले एक वीडियो जारी कर आरोप लगाया कि उन्हें और उनके बच्चों को घर में एंट्री नहीं दी जा रही है। यहां तक कि आलिया और अभिनेता के भाई शमास ने दावा किया था कि नवाज 'पवित्र' होने का नाटक कर रहे हैं और पूरी बात को एक पीआर स्टंट करार देते हैं। नवाजुद्दीन की टीम ने पहले ही इन आरोपों को खारिज कर चुकी है। सोमवार को नवाजुद्दीन ने सोशल मीडिया पर एक लंबा नोट शेयर किया और इस मामले पर पहली बार विस्तृत तरीके से अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा कि लोगों ने कहानी का केवल एक पक्ष सुनने के बाद उन्हें 'बुरा आदमी' करार दिया है। नवाज ने अब अपनी पोस्ट में लिखा है कि मेरे न बोलने को गलती समझना गलत है। अभी तक मुझे कई जगह गलत तरीके से पेश किया गया है। लोगों ने मेरे बारे में गलत धारणा बना ली है। अब समय आ गया है कि उन्हें बताया जाए कि वास्तविक स्थिति क्या है। मेरे बच्चे बहुत छोटे हैं, हां, मैं उनके लिए चीजों को शांत रखना चाहता हूं। आलिया और मैं लंबे समय से साथ नहीं रह रहे हैं। हम पहले ही तलाकशुदा हैं, लेकिन बच्चों की खातिर हम साथ रह रहे हैं। एक बात शायद आप नहीं जानते होंगे कि मेरे बच्चे इंडिया में क्यों हैं और वो दुबई में अपना स्कूल 45 दिनों से क्यों अटेंड नहीं कर रहे हैं। स्कूल से मुझे लेटर आ रहे हैं कि छुट्टी ज्यादा लंबी हो गई है। मेरे बच्चों को पिछले 45 दिनों से घर में बंदी बनाया गया है। एक्टर ने आगे बताया कि आलिया ने बच्चों को यहां बुलाने से पहले उन्हें दुबई में अकेला छोड़ दिया था, वो भी चार महीनों के लिए। अभिनेता ने कहा कि आलिया को लगभग 10 लाख महीना हर महीने पिछले दो साल से दिया जा रहा है। अभिनेता ने यह भी कहा कि कैसे उन्होंने आलिया को लग्जरी कारें दीं ताकि वह और उनके बच्चे आराम से यात्रा कर सकें, लेकिन उसने उन्हें अपने निजी खर्चों पर खर्च करने के लिए बेच दिया। मैंने आलिया की तीन फिल्में पर भी पैसा लगाया है, जिससे वो फाइनेंसियली सेट हो पाए। इन फिल्मों पर नवाज ने करोड़ों खर्च किये हैं। आर्थिक रूप से समर्थन करने के बावजूद आलिया उनकी छवि को धूमिल कर रही है। नवाजुद्दीन ने खुलासा किया कि उन्होंने आलिया और उनके बच्चों के लिए वसोर्वा में एक सी-फेसिंग अपार्टमेंट भी खरीदा है। इतना ही नहीं, नवाज ने यह भी लिखा कि उन्होंने आलिया और उनके बच्चों के लिए दुबई में एक लग्जरी अपार्टमेंट भी खरीदा है। नवाज के इन खुलासों के बाद आलिया की तरफ से कोई जवाब नहीं है।

सूडोकु नवताल- 6364

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6363 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

शब्दजाल - 7111

अ	म	मा	वी	र	जा	रा	न	ह	क	र
हा	शो	सू	ह	का	ल	जी	स	ल	ग	ज
य	वी	का	द	डॉ	ल	त	र	जी	ल	टी.
श	र	दा	ज	ल	न	न	बा	र	सु	को
बॉ	दे	न	ष	ल	म	मी	छ	बा	नो	य
स	मी	व	स	जि	स्वा	क	प	द	स	ला
के	ह	बु	दा	टी	म	मी	टे	शा	रू	प
न	पू	सु	पा	स	पं.	सौ	ल	ह	र	स
प	र	दे	स	ह	प	ने	ने	व	जी	त
म	व	म	ब	फा	दी	र	ह	री	क	थ
म	ह	न	मो	ह	ब्ब	ते	न	ज	ल	वा

शब्दजाल में शाहरुख खान की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.नाम ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

डॉन, वीर जारा, देवदास, यश बॉस, परदेस, बाजीगर, कोयला, बादशाह, अशोका, मोहब्बते.

शब्दजाल - 7110 का हल

सा	वि	र	कु	बा	ई	र	म	ला	नी	क
ज	रा	माँ	ज	इं	डो	ने	ह	क	हे	प
न	स	आ	तु	म	न	इ	जा	न	रा	म
च	त	चाँ	मो	झे	ल	स	ल	प	फे	ह
ले	म	बा	द	त	स	उ	ड़	ख	री	म
स	जे	फ़	र	नी	द	ला	म	ल	ड़	सा
सु	मा	दे	ना	व	बा	स	म	पी	ख	थ
रा	दे	श	बा	र	प	र	थ	ड़	भ	सा
ल	दि	ल	क	ले	दा	र	ल	क	थ	थ
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	है
ते	रा	जा	क	दि	प	ने	मा	चि	स	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6064

		4		6		1
6	22	1	30		38	4
	2		4	5		7
	30	2	31	3	33	
4		6	7		2	
	39		43	4	25	5
	4	5		7	1	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6063 का हल

4	3	7	5	6	1	2
5	32	3	40	1	28	7
1	3	6	7	5	2	4
3	26	2	40	7	34	6
6	1	4	7	2	5	3
2	30	1	28	4	29	5
7	4	5	2	3	6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

मैनचेस्टर यूनाइटेड को 92 सालों में मिली सबसे बड़ी हार, लिवरपूल ने 7–0 से दी शिकस्त

लिवरपूल।

लिवरपूल ने इंग्लिश प्रीमियर लीग में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 7-0 से हराकर स्वप्निल जीत हासिल की। मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए यह हार नए मैनेजर एरिक टेन हैग के लिए एक बड़ा दुस्वप्न रही। यह 90 वर्षों में यूनाइटेड की सबसे करारी हार है। इससे पहले वह तीन बार इसी अंतराल से पराजित हो चुकी है। पिछली बार ऐसा 1931 में हुआ था। तब वूल्व्स के खिलाफ उसे 0–7 की हार मिली थी। दूसरी ओर, लिवरपूल के लिए यह यूनाइटेड के खिलाफ 1895 में मिली 7–1 की जीत के बाद मिली इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ मिली सबसे बड़ी जीत है। लिवरपूल के लिए कोडी गाकपो (43, 50वां मिनट), डेनविन नुनेज (47, 75), मोहम्मद सालाह (66, 83) और राबर्टो फिरमिनो (88वां मिनट) ने गोल किए।

पिछले हफ्ते लीग कप जीतने वाली मैनचेस्टर यूनाइटेड तीसरे स्थान पर चल रही है और शीर्ष पर चल रही आर्सेनल से 14 अंक पीछे है। चौथे स्थान पर मौजूद टोटेनहैम उससे तीन अंक ही पीछे है। यूनाइटेड को ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ 0–4 और मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ 3–6 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि अभी टेन हैग की टीम एफए कप और यूरोपा लीग की रेस में बनी हुई है।

सालाह के लिवरपूल के लिए सर्वाधिक 129 गोल

लिवरपूल के स्टार स्ट्राइकर मोहम्मद सालाह इस मैच में क्लब के 205 मैचों में 129 गोल हो गए। वह इंग्लिश प्रीमियर लीग में लिवरपूल के लिए सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हो गए। मिस्र के फुटबॉलर ने अपने दूसरे गोल के साथ रोबी फोवलर को पीछे छोड़ा। सालाह ने कहा कि यह मेरे लिए बेहद खास उपलब्धि है। जब से मैं लिवरपूल में आया हूं, तब से मेरे दिमाग में यह लक्ष्य था। इससे पहले सालाह इयान रश के बाद लिवरपूल के ऐसे दूसरे फुटबालर बने जिन्होंने लगातार छठे सत्र में बीस से ज्यादा गोल किए।

मैच के बाद लिवरपूल के कोच जॉर्गन क्लोप ने कहा– कुछ महीने पहले हम खराब दौर से गुजर रहे थे। तब टीमें लिवरपूल के खिलाफ मुकाबले को आसानी से लेती थी लेकिन अब हम उस अंदाज में खेल रहे हैं, जिसके लिए हम जाने जाते हैं। वहीं, मैनचेस्टर यूनाइटेड के कोच एरिक टेन हेग ने कहा– यह बहुत ही गैर–पेशेवर तरीका है। मैं इस हार से बेहद निराश हूं। हमने अपने समर्थकों को लज्जित किया है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश ने इंग्लैंड को हराया: शाकिब के ऑलराउंड प्रदर्शन से तीसरा वनडे 50 रन से जीता; सीरीज इंग्लैंड के नाम

चट्टोग्राम। बांग्लादेश ने इंग्लैंड को तीसरे वनडे में 50 रन से हरा दिया। शाकिब अल हसन ने पहले बैट से 75 रन बनाए, फिर गेंदबाजी में 4 विकेट भी लिए। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया। चट्टोग्राम में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग की और 48.5 ओवर में 246 पर ऑलआउट हो गई। जवाब में इंग्लैंड की टीम 43.1 ओवर में 196 रन ही बना सकी। तीसरा वनडे बांग्लादेश ने जीता, लेकिन सीरीज के शुरुआती 2 मैच जीतकर इंग्लैंड ने सीरीज अपने नाम की। 3 मैचों में 8 विकेट लेने वाले आदिल रशीद प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी बांग्लादेश टीम को 17 रन पर ही 2 झटके लग गए। कप्तान तमिम इकबाल (11) और लिट्टन दास (0) सैम करन का शिकार हो गए। नजमुल हसन शांतो (53) ने मुश्फिकुर रहीम (70) के साथ 98 रन की पार्टनरशिप की। शांतो के बाद शाकिब ने 75 रन की पारी खेली और टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया। बांग्लादेश के बाकी बैटर्स में महमुदुल्ला ने 8, अफीफ होसैन ने 15, मेहदी हसन मिराज ने 5 और तैजुल इस्लाम ने 2 रन बनाए। मुस्ताफिजुर रहमान शून्य के स्कोर पर आउट हुए और इबादत हुसैन एक रन पर नाबाद रहे। इंग्लैंड से जोफ्रा आर्चर ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। आदिल रशीद और सैम करन को 2-2 विकेट लिए। डेब्यूटांट रेहान अहमद और क्रिस वोक्स के हिस्से एक-एक विकेट आया। एक बैटर रन आउट हुआ। 247 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंग्लिश टीम से जेसन रॉय (19) और फिल सॉल्ट (35) ने 54 रन की पार्टनरशिप की। लेकिन, 55 रन पर 3 बैटर आउट हो गए। सैम करन (23) और जेम्स विंस (38) पारी संभालने लगे ही थे कि मेहदी हसन मिराज ने करन को पवेलियन भेज दिया। 127 के टीम स्कोर पर विंस भी आउट हो गए। 130 पर टीम ने मोईन अली (2) के रूप में छठा विकेट भी गंवा दिया। कप्तान जोस बटलर (26) ने कुछ देर संघर्ष किया, लेकिन वह तैजुल इस्लाम की बॉल पर आउट हो गए।

शतरंज खेलते ऋषभ पंत का वीडियो वायरल: फैंस से पूछा सवाल- कोई अंदाजा लगाएगा कौन खेल रहा है

मुंबई। कार दुर्घटना के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज

ऋषभपंत ने अपने सोशल मीडिया पर एक फोटो और वीडियो शेयर किया है। उन्होंने फोटो का कैप्शन देते हुए लिखा है कि कोई अंदाजा लगाएगा कौन खेल रहा है वहीं वीडियो में तूफान नजर आ रहा है और वह कुछ सेकेंड के लिए पंत भी नजर आ रहे हैं। पंत के घुटने के लिगामेंट की सफल सर्जरी जनवरी में मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल हुई है। वह फिलहाल क्रिकेट से दूर हैं। उनके ठीक होने में समय लग सकता है। कुछ दिन पहले पंत ने बैशाखी के सहारे चलते हुए फोटो शेयर किया था। पंत की कमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में खल रही है। पंत ही 2021 से अब तक घर में खेले गए सीरीज में 50 के ऊपर की औसत से रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके अलावा किसी भी बल्लेबाज ने रन नहीं बनाए हैं। पिछले साल 30 दिसंबर को पंत का एक्सीडेंट हो गया था। वह अपनी कार से उत्तराखंड के रुड़की शहर जा रहे थे, जहां उनका परिवार रहता है, लेकिन रुड़की से पहले ही रास्ते में उनकी कार का एक्सीडेंट हो गया। उनकी कार में आग भी लग गई। इस दौरान पंत खुद ही कार से किसी तरह बाहर निकाले। हादसा देख जब कुछ लोग वहां पहुंचे तो पंत ने उन्हें अपना परिचय भी दिया। फिर लोगों ने उनको हॉस्पिटल पहुंचाया। एक्सीडेंट के बाद 16 जनवरी को पंत ने पहली बार सोशल मीडिया पर अपने ठीक होने का मैसेज पोस्ट किया था। पंत ने हादसे के बाद खुद को हॉस्पिटल पहुंचाने वालों को धन्यवाद भी कहा था।

नन्हें फैन को क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने लगाया गले: सीरिया का 10 साल का नबील सईद भूंकप में अपने पिता को खो चुका है

अरब। साल के शुरुआत में सउदी अरब के अल–नासर क्लब को जॉइन करने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो फिर से चर्चा में हैं। अभी उनकी चर्चा फुटबॉल को लेकर नहीं बल्कि नन्हें फैन से मुलाकात को लेकर हो रही है। दरअसल, 10 साल के इस बच्चे का नाम नबील सईद है। वह सीरिया का रहने वाला है। रिया और तुर्किये में आए भूकंप में सईद अपने पिता को खो दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में रोनाल्डो को क्लब की एक बैठक के दौरान सईद को गले लगाते और उससे बात करते हुए देखा जा सकता है। यह वीडियो अरब के जनरल एंटरटेनमेंट अथॉरिटी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चेयरमैन तुर्की अल–शेख ने शेयर किया था।

टीम इंडिया क्यों बनवाती है स्पिनर फ्रेंडली पिचें

टॉस का रोल खत्म करना मकसद, डब्लूटीसी पॉइंट्स हासिल करने का दबाव होता है हावी

नई दिल्ली।

यह सैटेलाइट से ली गई चांद की तस्वीर नहीं नहीं है। यह इंदौर की वह पिच है जिस पर भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट मैच हुआ। भारतीय टीम सवा दो दिन में मुकाबला हार गई और मैच के बाद आईसीसी ने इस पिच को खराब रेटिंग दी। ऐसा नहीं है कि इस तरह की पिच पहली बार देखने को मिली है। भारत में पिछले कुछ सालों में जितने भी टेस्ट मैच हुए हैं उनमें ज्यादातर में ऐसी ही पिच पर खेल हुआ है। सवाल उठता है कि भारत अपने घर में इस तरह की पिचें क्यों बनवा रहा है। क्या सामान्य पिच पर टीम को जीत नहीं मिल सकती इस सवाल का विस्तार से जवाब इस स्टोरी में जानेंगे। साथ ही यह भी जानेंगे कि ऐसी पिचों के क्या साइड इफेक्ट भारत को झेलने पड़ रहे हैं। आखिर में हम यह भी देखेंगे कि स्पिनर फ्रेंडली पिचें बनवाई कैसे जाती हैं। टीम मैनेजमेंट की ओर से ग्राउंड स्टाफ को क्या संदेश दिए जाते हैं।

शुरुआत करते हैं उन दो कारणों से जो इन पिचों के लिए जिम्मेदार हैं

टॉस की अहमियत को खत्म करना – भारत की ट्रैडिशनल पिचें पहले दो दिन बल्लेबाजी के लिए स्वर्ग होती हैं। तीसरे दिन से गेंद टर्न लेना शुरू करती हैं और चौथे–पांचवें दिन ये स्पिनर्स के लिए स्वर्ग बन जाती जाती हैं। मजबूत टीमों के खिलाफ ऐसी पिचों पर एक बड़ा खतरा टीम इंडिया झेल रही थी। वह खतरा था टॉस हारने का। टॉस हारने की

स्थिति में सामने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए अगर 500–600 रन का स्कोर टांग देती थी तो फिर भारत के लिए मैच में वापसी मुश्किल हो जाती थी। 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ चेन्नई में कुछ ऐसा ही हुआ था। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी और कप्तान जो रूट के दोहरे शतक की बदौलत 578 रन बना दिए। भारत यह मैच 227 रन से हारा। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि पहले दो दिन स्पिनर्स को न के बराबर मदद मिली और इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने आसानी से रन बनाए। तीसरे दिन भारत को बल्लेबाजी मिली और तब तक स्पिनर्स गेम में आ चुके थे। भारत वापसी नहीं कर सका। इसके बाद दूसरे टेस्ट से ऐसी पिचें बनवाई गईं जिन पर पहले दिन से टर्न मौजूद हो। नतीजा। भारत ने अगले तीनों टेस्ट जीत लिए और सीरीज को 3–1 से अपने नाम कर ली।

डब्लूटीसी पॉइंट्स हासिल करने का दबाव – जब से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत हुई है तब से हर टीम को दो साल के टाइम पीरियड में तीन टेस्ट सीरीज अपने घर में और तीन सीरीज बाहर जाकर खेलना होता है। पहली डब्लूटीसी (2019–21) में भारत को अपनी आखिरी सीरीज इंग्लैंड के खिलाफ अपने घर में खेलनी थी। फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को 4 में से तीन टेस्ट मैच जीतना था। पहले मुकाबले में हार के बाद भारत के ऊपर सभी मैच जीतने का दबाव था। फिर ऐसी पिचें बनवाई गईं जिन पर भारत की जीत की संभावना सबसे ज्यादा हो। मौजूदा डब्लूटीसी (2021–23) में भारत को फाइनल में जगह बनाने के लिए अपने आखिरी 6 में से 5 मैचों में जीत हासिल करने की जरूरत थी। भारत ने बांग्लादेश को 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में 2–0 से हराया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की सीरीज में कम से कम 3–1 के अंतर से जीत हासिल करने का दबाव था। फिर ऐसी पिचें बनवाई जा रही हैं जिन पर भारतीय टीम की जीत की संभावना ज्यादा हो। सीरीज के पहले दो टेस्ट मैच में जीत से इस थ्योरी को बल भी मिला कि पिचें ऐसी हों जहां पहले दिन से टर्न मिले। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट में बाजी पलट दी है और भारतीय टीम अपने ही ट्रैप में फंसती नजर आ रही है। इसके बावजूद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने संकेत दिए हैं कि चौथे टेस्ट में भी वैसी ही पिच देखने को मिल सकती है जैसी पहले तीन टेस्ट मैचों में थी।

पिच के मिजाज पर क्या कहते हैं आईसीसी के नियम – आगे हम जानेंगे कि स्पिनर्स की जरूरत से ज्यादा मददगार पिचें भारत के लिए कितनी नुकसानदायक रही हैं। उससे पहले यह जानते हैं कि टेस्ट मैच की पिचें कैसी हों इस पर आईसीसी का स्टैंड क्या है। आईसीसी किसी बायलैट्रल (द्विपक्षीय) सीरीज में होम टीम को अपनी स्ट्रेंथ के मुताबिक पिचें तैयार करने की छूट देती है। दुनियाभर की तमाम टीमें 146 साल से ऐसा करती भी रही हैं। इसलिए भारतीय टीम मैनेजमेंट का स्पिन ट्रैक बनवाना किसी नियम और नैतिकता का उल्लंघन नहीं करता है। हालांकि, आईसीसी बैट और बॉल के बीच फेयर कॉन्टेस्ट पर भी जोर देती है। इसका मानना है कि पिचें बिल्कुल ऐसी न बन जाए जिन पर या तो बल्लेबाज पूरी तरह हावी हो जाएं या फिर गेंदबाज। इसलिए आईसीसी हर मैच के बाद पिच की रेटिंग जारी करती है। भारत–ऑस्ट्रेलिया सीरीज के पहले दो टेस्ट मैचों की पिचों को एवरेज रेटिंग मिली थी। एवरेज का मतबल है काम चलाऊ। लेकिन इंदौर की पिच को पुअर रेटिंग मिली है। इसका मतलब है कि ऐसी पिचें स्वीकार्य नहीं हैं।

दक्षिण अफ्रीका को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले लगा जोरदार झटका, प्रमुख खिलाड़ी हुआ बाहर

नई दिल्ली।

दक्षिण अफ्रीका को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले जोरदार झटका लगा है। तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्ट्जे चोट के कारण बाहर हो गए हैं। नॉर्ट्जे को पहले टेस्ट के दौरान हल्का सा ग्रोइन में असहजता महसूस हुई थी। दक्षिण अफ्रीका की मेडिकल टीम ने इसके बाद नॉर्ट्जे को आराम करने की सलाह दी है। बता दें कि नॉर्ट्जे ने दक्षिण अफ्रीका की पहले टेस्ट में 87 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने मैच में 84 रन देकर 6 विकेट लिए थे। इसमें पहली पारी में 36 रन देकर पांच विकेट लेना शामिल है। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका ने एनरिच नॉर्ट्जे के विकल्प की घोषणा नहीं की है। इसका मतलब है कि केशव महाराज या फिर साइमन हार्मर में से किसी एक की प्लेइंग 11 में मौका मिलेगा। वैसे, वियान मुल्डर को भी अपने होमग्राउंड पर खेलने का मौका मिल सकता है, जो तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हैं। प्रोटियाज टीम जहां तक है कि अतिरिक्त स्पिन विकल्प को आजमा सकती है क्योंकि वांडरर्स पर कपच पर इस सीजन में काफी स्पिन देखने को मिल चुकी है। पिछले सप्ताह वांडरर्स पर बीजोर्न फॉर्टूइन ने 129 रन देकर 9 विकेट लिए थे, जिसकी मदद से लायंस ने वेस्टर्न प्रोविंस को जीत दिलाई।

इस बीच दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच चार्ल लेंगवेल्ड्ट को पारिवारिक जिम्मेदारी निभाने के लिए स्क्वाड से रिलीज कर दिया गया है। पहला टेस्ट गेंदबाजी कोच के रूप में उनका आखिरी मैच था। बता दें कि दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट बुधवार से शुरू होगा।

दक्षिण अफ्रीका स्क्वाड इस प्रकार है:

टेंबा बावुमा (कप्तान), जेराल्ड कोएत्जे, टोनी डे जॉर्जी, डीन एल्गर, साइमन हार्मर, मार्को यानसेन, हेनरिच क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, वियान मुल्डर, सेनुरन मुथूसैमी, कीगन पीटरसन, कगिसो रबाडा, रेयान रिकेलटन।

पाकिस्तान लीग में प्रेजेंटेटर डैनी मॉरिसन ने चौंकाया: साथी महिला एंकर इरिन हॉलैंड को गोद में उठाकर झूमे, वो बोलीं- शुक्रिया अंकल

नई दिल्ली।

पीएसएल यानी पाकिस्तान सुपर लीग में न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज और अब कॉमेंटेटर डैनी मॉरिसन फिर चर्चा में आ रहे है। क्वेटा ग्लेडिएटर और इस्लामाबाद यूनाइटेड के बीच मुकाबले के दौरान एंकरिंग कर रही एरिन होलैंड को डैनी मॉरिसन ने अचानक गोद में उठा लिया। इसका वीडियो एरिन होलैंड ने सोशल मीडिया पर शेयर किया और लिखा - शुक्रिया अंकल। जवाब में मॉरिसन ने लिखा कि मैं सिर्फ आपको अलर्ट रखना चाहता था मिसेज कटिंग।

आईपीएल में भी डैनी कर चुके है ऐसी हरकत

यह पहली बार नहीं है जब डैनी मॉरिसन ने ऐसा किया हो। 2013 में आईपीएल के छठें सीजन में मॉरिसन ने ऐंकर करिश्मा कोटक को भी कमर से पकड़कर उठा लिया था। टीवी शो एक्स्ट्रा इनिंग के दौरान दोनों ग्राउंड पर लाइव कमेंट्री कर रहे थे, तभी करिश्मा को उन्होंने डांस सिखाते–सिखाते गोद में उठा लिया, जिससे वो सरप्राइज्ड हो गई थीं।

बेन कटिंग की वाइफ है एरिन होलैंड

एरिन होलैंड ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेन कटिंग की वाइफ है। उन्होंने 2013 में पूर्व मिस वर्ल्ड ऑस्ट्रेलिया का खिताब भी जीता था। दोनों की मुलाकात 2014 में इंस्टाग्राम पर हुई थी। कुछ महीनों की बातचीत के बाद 2015 में दोनों एक दूसरे को डेट करने लगे।

इस्लामाबाद 2 विकेट से जीता

मुकाबले में क्वेटा ग्लेडिएटर के खिलाफ इस्लामाबाद यूनाइटेड 2 विकेट से जीत गया। सरफराज की कप्तानी में पहले बल्लेबाजी करनी उतरी क्वेटा ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 179 रन बनाए। उमर अकमल ने 14 बॉल में 43 रन की विस्फोटक पारी खेली। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी इस्लामाबाद ने 19.3 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 183 रन बना कर जीत हासिल की। न्यूजीलैंड के कॉलिन मुनरो ने 29 बॉल में 63 रन स्कोर किए।

घरेलू हॉकी को फिर से जीवंत करेगी हॉकी इंडिया, राष्ट्रीय शिविर की अवधि होगी छोटी, जानें पूरा प्लान

नई दिल्ली।

देश में कभी नेहरू हॉकी, शास्त्री हॉकी, आगा खान कप, बेटन कप जैसे टूर्नामेंटों की बहार हुआ करती थी। इनमें से कई टूर्नामेंट बंद हो गए हैं और जो चल रहे हैं तो उन्हें कोई पूछने वाला नहीं है, लेकिन हॉकी इंडिया ने एक बार फिर घरेलू हॉकी और इन टूर्नामेंटों को एक बार फिर जीवन देने का बीड़ा उठाया है। हॉकी इंडिया ने फैसला लिया है कि अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए लगने वाले राष्ट्रीय शिविर की अवधि थोड़ी छोटी कर राष्ट्रीय और सीनियर खिलाडियों को इन घरेलू टूर्नामेंटों में खेलने के लिए उतारा जाएगा। हॉकी इंडिया घरेलू टूर्नामेंटों के ढांचे को भी नए सिरे से तैयार करने जा रही है।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने अमर उजाला को बताया कि घरेलू टूर्नामेंट या तो बंद हो रहे हैं या जो हो रहे हैं उनसे दर्शक नदारद हैं। इसका कारण इन घरेलू टूर्नामेंटों में सीनियर और राष्ट्रीय स्तर के खिलाडियों का नहीं खेलना है। गलती उनकी भी नहीं है। साल के 12 में से 10 माह राष्ट्रीय खिलाड़ी या तो राष्ट्रीय शिविर में तैयारियां कर रहे होते हैं या फिर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलने में व्यस्त होते हैं। अब उनकी ओर से साई को राष्ट्रीय शिविरों की अवधि को थोड़ा छोटा करने की सिफारिश की जा रही है, जिससे राष्ट्रीय खिलाडियों को इन घरेलू टूर्नामेंटों में उतारा जा सके।

टिर्की के मुताबिक घरेलू टूर्नामेंटों में राष्ट्रीय चैंपियनशिप सबसे अहम होगी। इस चैंपियनशिप में अब सभी सीनियर और राष्ट्रीय खिलाडियों का खेलना अनिवार्य होगा। जब सीनियर खिलाड़ी राष्ट्रीय चैंपियनशिप और नेहरू हॉकी जैसे टूर्नामेंटों में खेलेंगे तभी दर्शकों की वापसी स्टेडियम में कराई जा सकती है। एक समय इन टूर्नामेंटों में अपार संख्या दर्शक उमड़ते थे। इसका बड़ा कारण बड़े नामों का इन टूर्नामेंटों में खेलना था। हॉकी इंडिया एक बार फिर से वही कोशिश करने जा रहा है। टिर्की के मुताबिक घरेलू टूर्नामेंटों के ढांचे का अध्ययन किया जाएगा। इनमें खेलने वाले 300 के करीब सीनियर, राष्ट्रीय खिलाडियों पर नजर रखी जाएगी। टिर्की स्पष्ट करते हैं कि राष्ट्रीय टीम में अब उन्हीं सीनियर खिलाडियों की जगह पक्की होगी जो फिटनेस स्तर पर खरे उतरते हैं। यही नहीं हॉकी इंडिया देश में भर में चल रही हॉकी अकादमियों को भी विकसित करेगी। कोशिश रहेगी कि इन अकादमियां से ही राष्ट्रीय शिविर के लिए 60 से 70 प्रतिशत खिलाड़ी पहुंचें।

विमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस की लगातार दूसरी जीत

बेंगलुरु को 9 विकेट से हराया; मैथ्यूज-सीवर के बीच 114 रन की नाबाद साझेदारी

मुंबई।

ऑलराउंडर हेली मैथ्यूज (77 रन और 3 विकेट) के दोहरे प्रदर्शन के दम पर मुंबई इंडियंस ने विमेंस प्रीमियर लीग में लगातार दूसरा मैच जीत लिया। मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में मुंबई ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 9 विकेट से हराया। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए बेंगलुरु 18.4 ओवर में 155 रन पर ऑलआउट हो गई। 156 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी मुंबई ने एक विकेट खोकर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। मैथ्यूज ने नैटली सीवर के साथ दूसरे विकेट के लिए नाबाद 114 रन की पार्टनरशिप कर 14.2 ओवर में ही टीम को जीत दिला दी।

एक ही विकेट ले सकी बेंगलुरु – बेंगलुरु से मिले टारगेट के सामने मुंबई की ओपनर यास्तिका भाटिया और हेली मैथ्यूज ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 45 रन जोड़े। यास्तिका 23 रन बनाकर प्रीति बोस की बॉल पर आउट हुईं। फिर मैथ्यूज (77*) ने नैटली सीवर ब्रंट (55*) के साथ 114 रन की पार्टनरशिप की और टीम को जीत दिला दी।

ऐसे गिरा मुंबई का पहला विकेट...

5वें ओवर की आखिरी बॉल पर प्रीति बोस ने यास्तिका भाटिया को आउट कर दिया। यास्तिका ने 19 बॉल पर 23 रन बनाए।

अब देखिए बेंगलुरु की पारी...

155 रन पर ऑलआउट हो गई बेंगलुरु बेंगलुरु की टीम 18.4 ओवर में 155 रन पर ऑल आउट हो गई। विकेटकीपर बैटर रिचा घोष ने सबसे ज्यादा 28 रन बनाए, जबकि कनिका आहूजा (22 रन) ने उनका साथ दिया। उनसे पहले कप्तान स्मृति मंधाना (23 रन) और सोफी डिवाइन (16 रन) ने

टीम को तेज शुरुआत दिलाई। लेकिन, मुंबई ने लगातार विकेट झटके और टीम को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। मुंबई से हेली मैथ्यूज ने सबसे ज्यादा तीन विकेट चटकाए। जबकि साइका इशाक और अमीलिया केर को 2-2 सफलताएं मिलीं। पूजा वस्त्राकर और नेटली सीवर को एक-एक विकेट मिला। एक बैटर रनआउट हुई।

ऐसे गिरे बेंगलुरु के विकेट...

पहला : साइका ने डिवाइन को अमनजोत कौर के हाथों कैच कराया। दूसरा : साइका ने कसत को बोल्ड कर दिया। तीसरा : मंधाना को हेली मैथ्यूज ने वॉन्ग के हाथों कैच कराया। चौथा : मैथ्यूज ने हीथर नाइट को बोल्ड कर दिया। पांचवां : एलिस पेरी रन आउट हो गईं। उन्हें हुमायरा काजी ने डायरेक्ट थ्रो पर आउट किया। छठा: पूजा की बॉल पर कनिका बड़ा हिट करना चाहती थीं, लेकिन बॉल बैट का बाहरी किनारा लेकर हवा में चली गई और यस्तिका ने कैच किया। सातवां : हेली मैथ्यूज ने रिचा घोष को नेटली सीवर के हाथों कैच कराया। आठवां : नेटली सीवर ने श्रेयंका को आउट कर दिया। नौवां : रेणुका ठाकुर को अमीलिया केर ने बोल्ड कर दिया। दसवां : मीगन शट को यस्तिका भाटिया ने केर की बॉल पर स्टंपिंग कर दिया।

ओपनर्स ने दिलाई थी तेज शुरुआत – बेंगलुरु को ओपनर स्मृति मंधाना और सोफी डिवाइन ने तेज शुरुआत दिलाई। एक समय टीम ने बगैर नुकसान के 39 रन बना लिए थे, लेकिन यहां सोफी डिवाइन 16 रन बनाकर आउट हो गईं। अगले 4 रन बनाने में ही टीम ने 3 और विकेट गंवा दिए। 43 रन तक पहुंचते–पहुंचते बेंगलुरु की कप्तान मंधाना 23 पर आउट हो गईं। इसी दौरान दिशा कसात और हीथर नाइट भी शून्य के स्कोर पर पवेलियन लौट गईं।

बेंगलुरु ने किया एक बदलाव – बेंगलुरु की कप्तान स्मृति मंधाना ने अपनी टीम में एक बदलाव किया। आशा शोबना की जगह श्रेयंका पाटिल को मौका दिया।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन...

मुंबई इंडियंस: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हेली मैथ्यूज, नैटली सीवर ब्रंट, अमीलिया केर, हुमायरा काजी, पूजा वस्त्राकर, इजाबेल वॉन्ग, अमनजोत कौर, जींतिमनी कलिता और साइका इशाक।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : स्मृति मंधाना (कप्तान), सोफी डिवाइन, दिशा कसत, एलिस पेरी, रिचा घोष, हीथर नाइट, श्रेयंका पाटिल, कनिका आहूजा, मीगन शट, प्रीति बोस और रेणुका सिंह।

दिमाग तेज करने के लिए चाहिए केवल 40 सेकेंड

हमारा दिमाग

कभी-कभी यह ख्याल आता है कि दिमाग भी कितने काम की चीज़ है, इतना छोटा-सा होकर भी हमारे पूरे शरीर पर नियंत्रण रखता है दिमाग। दिमाग की शिक्तयों का अंदाजा भी हम नहीं लगा सकते, यह हरदम हमारे लिए काम करता है। जब हमें दिमाग की जरूरत हो यह हाजिर रहता है, हर बेशक थक जाएं लेकिन दिमाग चलता रहता है।

दिमाग कभी थकता नहीं

वो बात अलग है कि जब हम दिमागी रूप से थक चुके होते हैं तो खुद से यही कहते हैं कि आज दिमाग काम नहीं कर रहा, लेकिन हम गलत हैं। उस समय भी दिमाग चल रहा है, वह हजार तरह के ख्याल बुन रहा है। उस समय भी दिमाग में वह सभी चिंताएं, वह सभी ख्याल चल रहे हैं जिसे हम पूरा करना चाहते हैं लेकिन थकान के चलते दोष अपने दिमाग को देते हैं।

साइंस के तथ्य

क्या आप जानते हैं कि साइंस के मुताबिक इस सृष्टि में हर मनुष्य को एक जैसा दिमाग मिलता है, बस उसे कैसे इस्तेमाल किया जाए और सक्षम बनाया जाए यह भिन्न-भिन्न लोगों पर निर्भर करता है। शायद आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन यह सत्य है कि दिमाग के पास बातों को याद रखने की कोई सीमा नहीं होती।

अनिगनत बातें याद रखता है दिमाग

जी हां.... आप चाहे तो हजारों बातें, लाखों या करोडो बातें भी अपने दिमाग में भर सकते हैं। दिमाग कभी भी यह नहीं कहेगा कि मैं भर गया हूं और अब और बातें याद नहीं रख सकता। यह केवल हमारी मानिसक आवस्था है कि हम समय-समय पर जब बातों को दोबारा दोहराते नहीं हैं तो उन्हें भूलते जाते हैं।

सक्षम है

हमार दिमाग अनिगनत बातों को याद रख सकने में सक्षम होता है तो फिर हम बातों को भूलते क्यों जाते हैं? कुछ समय बाद नहीं, बल्कि कुछ ही पलों के बाद कई बार हम बातों को सही से याद नहीं कर पाते।

आंखों देखी बातें

साइंस का मानना है कि सुनने की तुलना में जो चीज़ें देखी गई हों वह और भी अच्छे से याद रहती हैं, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि आंखों देखी बातें भी हम कुछ ही पलों में भूल जाते हैं। पूरी तरह से नहीं तो कम से कम उन्हें उसी रूप में याद रख सकना हमारे लिए असंभव-सा हो जाता है।

याद रखने की क्षमता

आज इन बातों को सामने रखने के पीछे हमारा एक कारण है, कुछ समय पहले ही बीबीसी ऑनलाइन में प्रकाशित एक रिपोर्ट पढी जिसमें यह लिखा था कि कैसे हम एक आसान तरकीब से लंबे समय तक बातों को याद रख सकते हैं। आज वही रिपोर्ट आपके साथ यहां साझा करने जा रहे हैं

एक शोध

बीबीसी ऑनलाइन में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक शोधकर्ता क्रिस बर्ड्स ने दिमागी ताकतों पर शोध किया है। उनकी रिपोर्ट में यह सवाल उठाया गया है कि आखिरकार वह क्या कारण है जिससे हम बातों को लंबे समय तक याद नहीं रख पाते।

भूलने क्यों लगते हैं

बर्ड्स का कहना है कि कई बार हम आंखों से कोई दृश्य देखते हैं, लेकिन जब दोबारा से हमसे कोई उस दृश्य की व्याख्या मांगता है तो हम उसे टूटे-फूटे अंदाज़ में बताते हैं। असल में किस घटना के बाद कौन सा पल आया हम ठीक से याद नहीं कर पाते हैं, ऐसा क्यों!

दृश्य देखने के तुरंत बाद

इसका उत्तर और साथ ही इसका समाधान निकालने के लिए भी बर्ड्स ने कुछ लोगों पर शोध किया। इस शोध के अंतर्गत उसने कुछ लोगों को ब्रेन स्कैनर के भीतर रहते हुए यूट्यूब पर कुछ वीडियो देखने को कहा। वीडियो देखने के तुरंत बाद ही कम से कम 40 सेकेंड के लिए दोबारा से उस वीडियो के दृश्यों को दिमाग में याद करने को कहा।

बडे काम का है ये नुस्खा

इससे बर्ड्स को यह हासिल हुआ कि वीडियो देखने के तुरंत बाद ही जब लोगों ने खुद के दिमाग को ही उस वीडियो के दृश्यों को समझाया तो वे उसे और भी अच्छे से याद रखने में सफल हुए। जब उनसे थोडी देर बाद वीडियो के बार में पूछा गया तो बिना किसी गलती के उन्होंने वीडियो को बिल्कुल सही तरीके से समझाया।

वरदान है अवसाद...

शुरुआत में अवसाद श्राप लग सकता है लेकिन अंत में अवसाद वरदान साबित होता है। असल में, अवसाद जीवन का एक अस्थाई दौर होता है। अप्रिय अनुभव दर्दनाक होते हैं लेकिन वे उन्नत बौद्धिक विकास को आवश्यक योगदान देते हैं। इस तरह के अनुभव को महसूस किए बिना कोई भी महान नहीं बन सकता।

एक हालिया रिसर्च ने पाया है कि उदासी और निराशावाद जैसे लक्षण अवसाद को परिभाषित करते हैं लेकिन इसका सकारात्मक पहलू भी है। यह रिसर्च जो कि बेसल विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड द्वारा कराई गई है कहती है कि निर्णय लेने वाले कार्यों में अवसाद ग्रस्त व्यक्ति सामान्य लोगों से अच्छा प्रदर्शन करते हैं। अवसाद क्या है? अवसाद मानसिक अशांति का संकेत होता है। इस तरह की अशांति बौद्धिकता बढ़ाती है। अवसाद क्यों होता है? अवसाद अभाव के कष्ट का लक्षण होता है। जब आप यह सोचते हैं कि आप किसी ऐसी चीज में बहुत पिछड़ रहे हैं, जिसकी आपको बहुत ख्वाहिश है, यह विचार आपको अवसाद की तरफ ले जाता है। अवसाद शारीरिक घटना नहीं है। यह मानसिक प्रकृति से संबंधित होता है। यदि आप महसूस करते हैं कि आपने वह पा लिया है जो आप पाने चाहते थे तो वह आपको संतुष्टि की भावना देता है। लेकिन जब आपको लगता है कि आप अपने लक्ष्य को पाने में असफल हो गए हैं तो इससे अवसाद होता है। पहले मामले में, आपकी जिंदगी में जल्द पूर्णविराम की स्थिति आ जाएगी, लेकिन दूसरे मामले में, आपका जीवन अल्पविरामों के साथ आगे बढ़ता रहेगा।

बौद्धिक विकास में योगदान

अप्रिय अनुभव दर्दनाक होते हैं लेकिन वह उन्नत बौद्धिक विकास को आवश्यक योगदान देते हैं। इस तरह के अनुभव को महसूस किए बिना, कोई भी महान प्राप्तकर्ता नहीं बन सकता। रिसर्च में में सौ सफल लोगों की जिंदगी के बारे में अध्ययन किया गया, ताकि उनके समान तत्व निकाले जा सकें। उन्होंने यह पाया कि सभी महान सफल लोगों में एक समान लक्षण असंतोष की भावना थी। यह असंतोष न केवल अपने लक्ष्यों को पाने के लिए जुनूनी बनाता है बल्कि यह अधिक से अधिक हासिल कर लेने की इच्छा को भी पैदा करता है। तब यह सफलता के उच्च स्तर के लिए महत्वपूर्ण कुंजी बन जाता है, चाहे वह किसी भी प्रकार का काम हो।

संतुष्टि है पूर्ण विराम

जहां संतुष्टि सब चीजों के आगे पूर्ण विराम लगा देती है, असंतोष आपको कभी न रुकने वाली यात्रा की ओर ले जाता है। अवसाद का यह सबसे बड़ा फायदा है। इतिहास ने हमेशा दिखाया है कि जो लोग आराम में रहते हैं वे निराशा का शिकार नहीं होते। ऐसे इंसान किसी बड़ी सफलता को पाने में आमतौर पर नाकाम साबित होते हैं, लेकिन इससे उलट, जो विपरीत स्थितियों के कारण अवसाद का शिकार हो जाते हैं वही महान सफल इंसान के रूप में उभरकर आते हैं। आप ऐसा महसूस कर सकते हैं कि अवसाद एक ऐसी चीज है जिसे आप महसूस नहीं करना चाहते, लेकिन यह घटना प्रकृति के नियम द्वारा तैयार होती है। जब प्रकृति के नियम की बात आती है, तो आपके पास उसे स्वीकार करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं होता। यदि प्रकृति के नियम के अनुसार, महान सफलता की यात्रा एक दर्दभरा अहसास कराती है, तो आपको वह अहसास प्राप्त करना पड़ेगा। इस तरह से, आपके पास केवल दो विकल्प हैं-या तो आप प्राकृतिक कीमत चुकाकर बड़ी सफलता हासिल करें, या महान सफलता को जाने बिना मर जाएं।

प्रकृति के आभारी

यदि आपको सेब के जूस का एक ग्लास चाहिए, तो आपको एक सेब को घिसना पड़ेगा। सेब को बिना घिसे, आपको वह जूस नहीं मिल सकता। यह उन सब पर लागू होता है जो महान सफल इंसान बनना चाहते हैं। वे प्रकृति के कांटेदार पथ पर चलकर आभारी है क्योंकि इस शर्त को पूरा करे बिना कोई भी इच्छित लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकता। यह जीवन का एक सत्य है कि जो अपने मुंह में चांदी का चम्मच लिए पैदा होता है वह एक सामान्य इंसान की तरह जीता है जबकि जो बिना चांदी का चम्मच लिए पैदा होते हैं वह महान सफलता पाते हैं। शुरुआत में, अवसाद श्राप लग सकता है लेकिन अंत में, अवसाद वरदान साबित होता है। असल में, अवसाद जीवन का एक अस्थाई दौर होता है।

आध्यात्मिक आपातकाल...

वे लोग जो समझते हैं कि वे अपने जीवन का मतलब और उसके ध्येय को ढूंढने के उद्देश्य तक पहुंच जाएंगे, उन्हें उन लोगों पर बहुत जल्दी भरोसा हो जाता है जिनकी सोच उनसे मिलती जुलती है। जैसे कि मौत का बहुत ही करीब से अनुभव, उनकी नई सुबह उत्साह से भरी नहीं होती, इसके बजाय कभी-कभी वे सारे आध्यात्मिक आपातकाल की घटनाओं को एक साथ जोड़ने की कोशिश करते हैं। धार्मिक संकट के संकेत दुनिया के आध्यात्मिक परंपराओं में बताए गए हैं। देखा गया है कि जब जीवन में आगे बढ़ने और बदलाव लाने में सब कुछ अस्त-व्यस्त हो जाता है। पूर्व जीवन व अभी के शुरुआती जीवन के बीच दिमाग तकलीफदेह स्थिति में पहुंच जाता है। यह आतंरिक अस्थिरता का कारण बन सकता है, वह इंसान की पहचान, अनिश्चितता, भ्रम और अकथ निराशा के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकता है।

निरीक्षण के स्तर

आध्यात्मिक आपातकाल को मदर टेरेसा ने लगभग 1948 से लेकर अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक झेला। जो राहत की अपने आप में एक ही ऐसी कहानी है जो आज भी याद आती है। बुद्ध के विपासना ध्यान में भी बताया गया है कि साधक को निरीक्षण के 16 स्तरों से होकर गुजरना पड़ता है। तब जाकर 10 मुश्किल और केंद्रित कदम बढ़ाकर ही दु:ख का ज्ञान, विघटन का ज्ञान और भयानकता, दुख और घृणा का ज्ञान प्राप्त होता है। विपासना में स्पष्ट रूप से चेताया गया है कि इन सारे कदमों को जरा भी आसान नहीं समझना चाहिए। खासकर तब जब ध्यान अकेले में या बिना गुरु के ज्ञान के केंद्रित किया जा रहा हो।

डाइग्नोस्टिक श्रेणी

बहुत साल तक, व्यवहारवादी विशेषज्ञ आध्यात्मिक आपातकाल जैसी स्थिति को भ्रमित करने वाला, स्वयं का पतन या खात्मे की तरफ बढ़ने वाला, सबसे बदतर मानसिक बीमारी जिसे ठीक करने के लिए दवाइयों से उपचार करने तक की नौबत आ जाती है कहते रहे। वे लोग जो आध्यात्मिक संकट से जूझ रहे थे या फिर जो दिमागी अस्थिरता और पागलपन से जूझ रहे थे उन्हें कभी-कभी अस्पताल में भर्ती कराया गया और उन्हें ठीक करने के लिए दवाइयों की मदद ली गई। सौभाग्य से पिछले कुछ सालों में इसमें बदलाव आया है, जैसा कि अमेरिका के एक मनोरोग असोसिएशन के द डाइग्नोस्टिक एंड स्टैटिस्टिकल मेनुअल में बताया गया है। इसके नवीनतम अंक में धार्मिक और आध्यात्मिक परेशानी में पहली बार आम लोगों के तजुर्बे को तवज्जो दी गई है। लेखकों के मुताबिक, नई डाइग्नोस्टिक श्रेणी ऐसे मसलों को हल करने में कहीं ज्यादा सक्षम है जिसमें आध्यात्मिक मामले शामिल हों। नई तकनीक और प्रणाली दिमागी बीमारी और आध्यात्मिक चिंताओं के गलत इलाज होने और उससे होने वाले नुकसान से भी बचाती है; इतना ही नहीं बल्कि इन परेशानियों को सही तरीके से मरीज को सही अस्पताल में सही इलाज से और सही शिक्षा से इसके प्रबंधन करने और अनुशासनात्मक ढंग से जीने के लिए भी प्रेरित करती है।

मिस्टिकल एक्सपेरिएंस

तो वह क्या है जो प्राप्त ज्ञान में अचानक बदलाव का कारण है? इसका सटीक उत्तर है मनोविज्ञान। मनोविज्ञान जिसका केंद्र विलियम जेम्स और कार्ल जंग के काम में नजर आता है। इसे लोगों ने सराहा। मनोविश्लेषण, आचरण और मानवता मनोविज्ञान- जो इंसान के आध्यात्मिक जरूरतों को ध्यान में रखकर उन्हें समझने की कोशिश करता हैं। मनोचिकित्सकों का मुख्य ध्येय और उनकी रूचि मनुष्यों के हर तरह से अनुभवों को ध्यान में रखकर उनके अवचेतन का पूर्वी और पश्चिमी विचार के साथ संश्लेषण करना है। वे हर इंसान के जीवन को समझने की कोशिश करते हैं जिसमें हर व्यक्ति के भीतर की उच्च या गहरी स्वयं की वास्तविकता रहती है। नया चिकित्सकीय वर्ग जिसका नाम है मिस्टिकल एक्सपेरिएंस विथ सायकोटिक फीचर्स यानी मानसिक विशेषताओं के साथ रहस्यमय अनुभव को चिकित्सा क्षेत्र में शामिल करने का प्रस्ताव एक मनोविज्ञान के जर्नल द्वारा दिया गया है। अधिक संवेदनशील आध्यात्मिक मुद्दों और आध्यात्मिक उन्मुख आख्यान के अलावा। इसमें कोई शक नहीं है कि यह भविष्य में विज्ञान और धर्म के बीच के ज्ञान को बढ़ाएगा।

वैज्ञानिक नजरिये से भगवत गीता...

भगवत गीता के अनुसार, मन आपका दोस्त या दुश्मन हो सकता है। यह आप पर निर्भर करता है कि आप इसे कैसे नियंत्रित करते हो। श्रीकृष्ण ने कहा था कि मन जिद्दी और मजबूत होने के बावजूद चंचल और बैचेन होता है। हवाओं पर काबू पाने से ज्यादा मन पर काबू पाना कठिन है। यहां मन, तत्व और हवा की तुलना की जा रही है। तत्व एक भौतिक विषय है। यह मन का कार्यक्षेत्र नहीं है। मन की जांच करने का कोई भी भौतिक तरीका नहीं है। फिर भी कृष्ण के मन के द्वारा विज्ञान के आधार पर हम इस पर रोशनी डालने की कोशिश करते हैं। सबसे पहले हम मन की चंचलता और बैचेनी की बात करते हैं। यह आपकी दुविधा के कारण उतार-चढ़ाव को दर्शाता है। यदि व्यक्ति का आत्मविश्वास मजबूत होगा तो वह मन पर काबू कर सकता है। यही बात पूरी तरह से भौतिक शरीर पर भी लागू होती है। यह देखना दिलचस्प है कि आदेशित घटनाएं मजबूत आतंरिक ऊर्जा से प्रेरित होती हैं। दिलचस्प रूप से भौतिक गुणों में चुंबकत्व और सुपरकंडक्टिविटी के उदाहरण मिलते हैं।

लहरें और कण

मजबूती और हठ की दो अन्य विशेषताएं उनके विरोध को दर्शाती हैं। मन की मजबूती हमेशा से ही सकारात्मक होती है, जबकि हठ एक अनचाही या अवांछित विशेषता है। भौतिक ऊर्जा स्रोतों द्वारा आपके मजबूत मन की उपलब्धियां छाया बनकर रहती है। शेक्सपियर और कालीदास ने जो ज्ञान दिया है, वह दुनिया के बड़े सुपर कंप्यूटर का समूह भी नहीं दे सकता। आईस्टीन ने मन के कारण ही उपलब्धियां हासिल की हैं, किसी कंप्यूटर के कारण नहीं। इसे ही मन की शक्ति कहते हैं। भौतिकी में हर तत्व से तरंगें आती हैं। प्रकाश भी एक तरंग है, लेकिन इसकी प्रकृति कण है। दोनों घटनाएं एक-दूसरे की पूरक होती हैं। जिस तरह अणु एक कण है, लेकिन उसमें तरंग भी होती है। यह विज्ञान का तथ्य है। कण और तरंग का यह द्वंद्व सिर्फ बीती सदी में जाकर समझ में आ पाया।

मानसिक तरंगें

आध्यात्मिकता के क्षेत्र में, कई बार संदर्भ को मानसिक तरंगों के समान बनाया जाता है। हम नहीं कह सकते हैं कि इनका अस्तित्व है या नहीं। यदि यह वाकई अस्तित्व रखता है तो इसकी पहचान क्या है? कई बार हम ऐसे व्यक्ति के लिए तीव्र भावना महसूस करते हैं, जो हमें सबसे ज्यादा प्रिय होता है। यह एक अप्रत्यक्ष संबंध है। यदि आपके दिल से प्रभावित होकर आपके मन में चंचलता आती है तो धड़कन में भी बदलाव आएगा। इसका पता इलेक्ट्रॉनिक एनालॉग सर्किट द्वारा लगाया जा सकता है।

दिमाग की शक्ति

हम अक्सर मन की शक्ति की बात करते हैं। शक्ति क्या होती है? क्या इसका वैज्ञानिक आधार है? यह शक्ति किस तरह के नियमों का अनुसरण करती है। क्या यह सार्वभौमिक है? किसी काम का करना भी शक्ति कहलाता है। हमारा किसी काम का करना या उसमें निष्क्रियता दिखाना पूरी तरह से हमारे दिमाग से प्रेरित होता है। इसलिए मन भी निश्चित रूप से शक्ति है, लेकिन इस पर भौतिकी के नियम लागू नहीं होते। तत्व और ऊर्जा की समानता पूरी तरह से स्थापित है। कई संतों और उनके समर्थकों का दावा है कि मन की शक्ति के कारण तत्व को बाहर से कुछ नहीं किया जा सकता। यदि यह सच है कि निष्क्रियता अंदर से खालीपन की तरह होती है तो यह भी संभव है कि इसमें ऊर्जा शून्य होगी। यदि क्वांटम सिद्धांत दिमाग को विकसित कर सकता है तो ऊपर दी गई संभावनाओं के सार्थक जवाबों का पता लगाया जा सकता है। इस विषय पर कुछ सिद्धांतकारों ने कब्जा कर लिया है। इंतजार करते हैं और देखते हैं कि दिमाग और तत्व में किसी तरह की एकता हो सकती है। हालांकि अब तक इस बारे में कोई नहीं जान सका है।

एक भौतिक तुलना

मन की विशेषता होती है कि वह आसानी से भौतिक वस्तुओं की विशेषताओं से तुलना कर लेता है। पी-एन जंक्शन डायोड के एक उदाहरण से समझते हैं। इसका इस्तेमाल एसी करेंट को डीसी करेंट में बदलने की प्रक्रिया में किया जाता है। एसी करेंट में उतार-चढ़ाव होते हैं। जबकि, डीसी करेंट में स्थिरता होती है। मजबूत दिमाग भी ऐसा ही होता है। यह जीवन के सुख-दुख को शांति और सद्भाव में बदल देता है। एक होशियार दिमाग सजग होता है। यह बाहरी उत्तेजनाओं को समझ कर शरीर को उचित व्यवहार करने का आदेश देता है। इस तरह से यह एक सेंसर यानी संवेदक की तरह कार्य करता है। इसमें कठोर अवस्था में थरथराने वाली विशेषता भी है। यह थरथराहट इलेक्ट्रॉनिक तरंगों को जन्म देती हैं। इसका पता भी अन्य उपकरण से लगाया लगाया जाता है। यदि इस डिटेक्टर की फ्रीक्वेंसी को मिलाएं तो इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की प्रकृति और अनुसरण क्वांटम के नियम की तरह हो जाएगा। इसके बाद शायद क्वांटम सिद्धांत को समझना और दिमाग का विश्लेषण करना संभव हो जाएगा।

नजरिये को पास से दूर ले जाएं...

यदि नजदीक से देखा जाए तो जीवन दुखद घटना लगता है लेकिन यदि दूर से देखा जाए तो सुखी लगता है। कॉमेडी के चैंपियन चार्ली चैपलिन द्वारा कही गई यह प्यारी बात हमें जिंदगी के सबसे बड़े विरोधाभासों में से एक का सामना करवाती है। इस बात को यदि हम अपनी याददाश्त में बिठा लें तो यह हर समय हमारा संतुलन बनाए रखने में हमारी मदद कर सकती है। चैपलिन कह रहे हैं कि नजरिये को पास से दूर ले जाने पर दर्द कम हो जाता है। अक्सर जब हम जिंदगी के किसी मुश्किल दौर से गुजर रहे होते हैं, तो हमारी समस्याएं दुर्गम लगने लगती हैं और ऐसा लगता है कि कभी कुछ ठीक नहीं होगा। जिस अंधेरे से हम घिरे हुए होते हैं वह अनंत लगने लगता है। फिर भी सूरज दोबारा उगता है, बिना अपवाद के। कुछ समय बाद जब हम पीछे मुड़कर उस स्थिति को देखते हैं तो हमें महसूस होता है कि ये उतनी बुरी नहीं थी जितनी हमें शुरू में लगी थी।

कभी कभी हम अपनी अति-प्रतिक्रिया पर हंसते भी हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि पास से सब कुछ बड़ा दिखता है, लेकिन जब हम दूर जाते हैं, तो वो छोटा होता जाता है। यही चार्ली चैपलिन हमसे कह रहे हैं कि हमारी समस्याओं का आकार और भार हमेशा ज्यादा लगता है जब हम उसके करीब होते हैं। लेकिन जब हममें और समस्या में कुछ दूरी होती है, तो हमें पता चलता है कि वह इतनी गंभीर नहीं थी। इसलिए जब भी आप किसी समस्या का सामना करें, अनचाहे परिणाम या घटना के बारे में सोचें। कल्पना समय से आगे जाएगी, एक हफ्ता, एक महीना, फिर एक साल, दो साल, पांच साल और इसी तरह। आपको महसूस होगा कि कुछ भी हो, जीवन चलता रहता है और जो आपको बड़ी समस्या लगती है, कुछ समय बाद किसी और संभाले जा सकने वाले वाकये की तरह लगेगी। आपके और आपकी चुनौतीपूर्ण समस्या के बीच में दूरी बनाने का एक और रास्ता ये है कि इसे तीसरे व्यक्ति के नजरिये से देखें। ये आपको समस्या से तटस्थ रखने में मदद करता है। अगर आप चीजों को देखने का नजरिया बदल लें, तो वो चीजें जिन्हें आप देखते हैं, बदल जाएंगी।

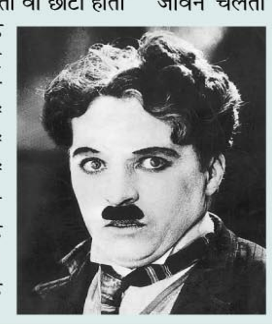

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)